www.navpradesh.com

दैनिक **नवप्रदेश**
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ | 2 | छत्तीसगढ़ | 4 | अभिव्यक्ति | 11 | कारोबार/खेल

बिलासपुर, शुक्रवार, 8 मई 2026 शुक्ल पक्ष-षष्ठी, विक्रम संवत -2083 / वर्ष-12 अंक- 26 पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

हर धार्मिक प्रथा को चुनौती ठीक नहीं, इससे धर्म और समाज दोनों टूट जाएंगे: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली/एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि अगर लोग धार्मिक प्रथाओं और धर्म के मामलों को अदालत में चुनौती देने लगेंगे, तो इससे धर्म और समाज पर असर पड़ सकता है। कोर्ट ने कहा कि इससे सैकड़ों याचिकाएं आएंगी और हर रिवाज पर सवाल उठने लगेंगे।

यह टिप्पणी नौ जजों की संविधान पीठ ने की, जो अलग-अलग धर्मों में धार्मिक आजादी के दायरे और महिलाओं के साथ भेदभाव से जुड़े मामलों की सुनवाई कर रही है। इसमें केरल के सबरीमाला मंदिर से जुड़ा मामला और दाऊदी बोहरा समुदाय का केस भी शामिल है।

धार्मिक प्रथाओं पर सवाल कहां और कैसे उठाए जाएं

सुधारवादी दाऊदी बोहरा समूह की ओर से वकील राजू रामचंद्रन ने कोर्ट में दलील दी कि अगर कोई प्रथा सामाजिक या निजी कारणों से जुड़ी है, तो उसे संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 के तहत धार्मिक सुरक्षा नहीं मिलनी चाहिए। कोई भी प्रथा अगर मौलिक अधिकारों पर नकारात्मक असर डालती है, तो उसे सीमित किया जा सकता है। इस पर जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि यह तय करना जरूरी है कि धार्मिक प्रथाओं पर सवाल कहां और कैसे उठाए जाएं। क्या यह समुदाय के भीतर होना चाहिए या राज्य या कोर्ट को दखल देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत की पहचान उसकी विविधता और सभ्यता से है।

इससे कोर्ट में केस बढ़ेंगे: जस्टिस नागरत्ना: जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि अगर हर व्यक्ति धार्मिक प्रथाओं पर सवाल उठाएगा, तो भारतीय समाज पर असर पड़ेगा, क्योंकि यहां धर्म समाज से गहराई से जुड़ा है। उन्होंने कहा, हर अधिकार पर सवाल ■ शेष पृष्ठ 8 पर

76 जवानों की शहादत केस में सभी आरोपी बरी, जांच पर उठे गंभीर सवाल

ताड़मेटला कांड पर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

बिलासपुर/नवप्रदेश। देश को झकझोर देने वाले सुकमा के ताड़मेटला नक्सली हमले मामले में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने 76 जवानों की शहादत से जुड़े इस बहुचर्चित केस में सभी आरोपियों को बरी करने के निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखते हुए राज्य सरकार की अपील खारिज कर दी।

कोर्ट ने अपने फैसले में साफ कहा कि जांच एजेंसियां आरोपियों के खिलाफ ठोस, वैज्ञानिक और कानूनी रूप से स्वीकार्य सबूत पेश करने में पूरी तरह नाकाम रहीं। केवल संदेह के आधार पर किसी व्यक्ति को दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

दरअसल, यह मामला 6 अप्रैल 2010 को सुकमा जिले के ताड़मेटला जंगल में हुए देश के सबसे बड़े नक्सली हमलों में से एक से जुड़ा ■ शेष पृष्ठ 8 पर

ऐसे मिलेगी दोषियों को सजा

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को भविष्य के लिए सख्त निर्देश भी दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और बड़े हमलों से जुड़े मामलों की जांच पूरी गंभीरता, पारदर्शिता और कानूनी प्रक्रिया के तहत की जानी चाहिए। जांच एजेंसियों को समय पर फोरेंसिक सबूत, तकनीकी प्रमाण, गवाहों के बयान और जरूरी कानूनी दस्तावेज जुटाने होंगे, ताकि दोषियों को सजा दिलाई जा सके और न्याय व्यवस्था पर जनता का भरोसा कायम रहे।

आज बेबाक

कहते हैं न कि जो जैसा करता है वैसा भरता है। बबूल के पेड़ में आम कहां लगता है? डेढ़ दशक तक दीदी के देवरों ने बंगाल में खूब दीदादिलेरी दिखाई। लोगों को खून के आंसू रुलाया। अब उनकी दादागिरी निकाली जा रही है। भाजपाई नहीं वहां की आम जनता ही टीएमसी के गुंडों को निपटा रही है। जिससे दीदी दर्द से बिलबिला रही हैं। ममता आरोप लगा रही हैं कि उन्हें भी लात मारी गई थी। सीधी सी बात है, लात खाने का काम करोगे तो लतियाये ही जाओगे। अभी तो पार्टी शुरू हुई है, आगे बहुत कुछ खाओगे।

तापमान	
अधिकतम 45°	न्यूनतम 28°

बाजार भाव	
गोल्ड 1,50,820	सिल्वर 2,39,000

शेयर बाजार	
संसेक्स 76,913.50	निफ्टी 23,997.55

विश्व जनसंख्या	भारत जनसंख्या
8,290,409,329	1,474,726,156

पीएम मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय गौरव को मिला नया सम्मान: सीएम साय

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 'वंदे मातरम' को राष्ट्रीय गान के समान वैधानिक संरक्षण प्रदान करने संबंधी केंद्रीय मंत्रिमंडल के ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत करते हुए इसे देश की सांस्कृतिक चेतना, स्वतंत्रता संग्राम की गौरवशाली विरासत और राष्ट्रभक्ति की भावना को सम्मान देने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 में संशोधन प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान किया जाना प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व और आत्मसम्मान का विषय है। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम' भारत की आत्मा, स्वतंत्रता आंदोलन की प्रेरणा और करोड़ों देशवासियों की राष्ट्रनिष्ठा का प्रतीक रहा है।

चुनाव परिणाम के बाद बंगाल में हिंसा, अब तक 5 मौत, नई सरकार की शपथ की तैयारी तेज

बंगाल गवर्नर ने भंग की विधानसभा ममता के इस्तीफे पर अभी भी सस्पेंस

कोलकाता/एजेंसी। पश्चिम बंगाल में चुनाव नतीजे आने के तीन दिन बाद राज्यपाल आरएन रवि ने विधानसभा भंग कर दी है। 4 मई को आए नतीजों में भाजपा को बहुमत मिला है। शुक्रवार को भाजपा विधायक दल की बैठक होगी। जिसमें सीएम का ऐलान हो सकता है।

इधर सीएम ममता बनर्जी के इस्तीफे और विधानसभा के कार्यकाल को लेकर चल रही खींचतान में 'अगले दो दिन कौन संभालेगा बंगाल?' जैसे गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने के बेहद करीब होने के बावजूद अब तक नई सरकार के गठन या पुरानी सरकार के इस्तीफे की प्रक्रिया स्पष्ट नहीं हो पाई है।

जानकारों का मानना है कि यदि आज मुख्यमंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया, तो राज्य में एक ऐसी कानूनी और संवैधानिक स्थिति बन जाएगी जो भारतीय लोकतंत्र में विरले ही देखी गई है। राज्य में पैदा हुए ■ शेष पृष्ठ 8 पर

मैंने ममता बैनर्जी को हराया, इसीलिए पीए चंद्रनाथ की हत्या: सुवेंदु

चंद्रनाथ की मां बोलीं- हार का बदला बेटे से लिया, पुलिस को हत्या में इस्तेमाल बाइक मिली

कोलकाता/एजेंसी। भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि उनके पर्सनल असिस्टेंट चंद्रनाथ रथ की हत्या इसलिए हुई, क्योंकि उन्होंने ममता को हराया है। सुवेंदु ने कहा- इस हत्या को जिस तरह से अंजाम दिया गया, उसकी जितनी भी निंदा करें वह कम है। हत्या की वजह भवानीपुर से ममता की हार हो सकती है। उधर चंद्रनाथ की मां ने कहा कि इस हार का बदला मेरे बेटे की हत्या कर लिया गया। कुछ नेताओं ने पहले धमकी दी थी कि 4 तारीख के बाद कोई बचा नहीं पाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया है कि रथ को चार गोलियां लगीं थीं। इस मामले में पुलिस ने 3 लोगों को हिरासत में लिया है। वहीं हत्या में इस्तेमाल की गई बाइक मिल गई है।

चंद्रनाथ रथ की कार पर गोलियों की बौछार

बता दें कि चंद्रनाथ की हत्या बुधवार देर रात 10.30 बजे की गई थी। वे कोलकाता से मध्यमग्राम अपने घर लौट रहे थे। कोलकाता से करीब 20 किमी दूर डोलतला में एक कार रथ की स्कॉर्पियो के सामने खड़ी हो गई। इसी बीच बाइक पर आए हमलावरों ने 6 से 10 राउंड फायरिंग की। दो गोलियां चंद्रनाथ के सीने से आर-पार हो गईं। एक गोली पेट में लगी। उनके ड्राइवर बुद्धदेब बेरा को भी गोली लगी। हत्या के बाद हमलावर कार छोड़कर बाइक से फरार हो गए। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने चंद्रनाथ को मृत घोषित कर दिया। उनके ड्राइवर का इलाज जारी है।

हिंसा को लेकर सीबीआई जांच की मांग

कोलकात (ए.)। मध्यग्राम में शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की हत्या के बाद सियासत तेज हो गई है। तृणमूल कांग्रेस ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। तृणमूल कांग्रेस सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर अपने बयान में कहा कि मध्यग्राम में चंद्रनाथ रथ की निर्मम हत्या की वह कड़ी निंदा करती है। पार्टी ने दावा किया कि पिछले तीन दिनों में पोस्ट-पोल हिंसा की घटनाओं में तीन अन्य तृणमूल कार्यकर्ताओं की भी हत्या हुई है, जिनके पीछे भाजपा समर्थित असामाजिक तत्वों का हाथ बताया गया है।

लोकतंत्र में हिंसा व राजनीतिक हत्याओं की जगह नहीं: टीएमसी

तृणमूल कांग्रेस ने मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि इस पूरे प्रकरण की कोर्ट की निगरानी में सीबीआई जांच कराई जानी चाहिए, ताकि दोषियों की पहचान कर उन्हें जल्द से जल्द सजा दिलाई जा सके। पार्टी ने अपने बयान में कहा कि लोकतंत्र में हिंसा और राजनीतिक हत्याओं की कोई जगह नहीं है और दोषियों को जल्द से जल्द जवाबदेह ठहराना जरूरी है।

सम्राट कैबिनेट का विस्तार, नीतीश के बेटे निशांत समेत 32 मंत्री बने

पीएम मोदी ने पूर्व सीएम नीतीश को बुलाया, हाथ पकड़कर पास लाए

पटना/एजेंसी। सम्राट चौधरी के सीएम बनने के 22 दिन बाद आज गुरुवार को कैबिनेट का विस्तार किया गया। मेगा इवेंट में नीतीश के बेटे निशांत कुमार समेत 32 मंत्री सम्राट कैबिनेट में शामिल हुए।

नई कैबिनेट में बीजेपी से 15, जेडीयू से 13, एलजीपी 2, हम और आरएलएम से एक-एक मंत्री हैं। 25 मिनट चले इस कार्यक्रम में एक साथ 5-5 विधायकों ने शपथ ली है। पहली बार में निशांत कुमार, श्रवण कुमार, विजय सिन्हा, लेसी सिंह और दिलीप जायसवाल ने शपथ ली। निशांत कुमार पहली बार मंत्री बने हैं। आज 32 लोगों ने शपथ ली है। इसके साथ ही सम्राट कैबिनेट में कुल 34 मंत्री हो चुके हैं। जेडीयू कोटे से 2 डिप्टी सीएम मुख्यमंत्री के साथ पहले ही शपथ ले चुके हैं। समारोह में पीएम मोदी भी शामिल हुए। कार्यक्रम के बाद प्रधानमंत्री ने नीतीश कुमार को अपने पास बुलाया। मंच पर उनसे हाथ मिलाया, इस दौरान नीतीश कुमार ने पीएम का कंधा पकड़कर हिला दिया। दो बार बिहार के स्वास्थ्य मंत्री रहे मंगल पांडेय इस बार कैबिनेट में जगह नहीं मिली है, खबर है कि पार्टी में उन्हें बड़ी जगह दी जाएगी।

घर से मिला बम बनाने का रॉ-मटेरियल

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर के रावाभाठा इलाके में एक मकान से देसी बम बनाने में इस्तेमाल होने वाला संदिग्ध रॉ मटेरियल, तार और अन्य सामान मिला है। सूचना मिलते ही रायपुर नॉर्थ थाना पुलिस, बम स्क्वॉड और फॉरेंसिक टीम वार्ड नंबर-13 में मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मौके पर डीसीपी नॉर्थ जोन मयंक गुर्जर भी पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। जांच के दौरान एक संदिग्ध बैग से बैटरी, वायर, एयरगन, दो बोतल कैमिकल और डेटोनेटर नुमा सामान बरामद किया गया, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। डीसीपी ने मामले की पुष्टि ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सीएम साय की पहल: सरगुजा की पहाड़ी कोरवा बस्तियों में 113 हैंडपंप-बोरवेल से बुझेगी प्यास

कलेक्टर ने विभागों को दिए एक माह में काम पूरा करने के निर्देश, दूरस्थ ग्रामीणों को मिलेगा पेयजल संकट से राहत

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। सरगुजा जिले की सुदूर और पहाड़ी कोरवा बस्तियों में पेयजल संकट के समाधान के लिए प्रशासन ने बड़ी पहल की है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिले में 113 नए हैंडपंप और बोरवेल खोदे जाएंगे। इस योजना से दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सकेगा और उन्हें पारंपरिक जल स्रोतों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

हाल ही में मुख्यमंत्री ने सरगुजा जिले में पेयजल समस्या को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा था कि शासन की प्राथमिकता है कि दूर-दराज के वन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक भी बुनियादी सुविधाएं पहुंचें और कोई भी व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद सरगुजा कलेक्टर एवं जिला खनिज संस्थान न्यास के अध्यक्ष अजीत वसंत ने संबंधित विभागों को सभी स्वीकृत कार्य एक माह के भीतर पूरा ■ शेष पृष्ठ 8 पर

एंटी-रेबीज इंजेक्शन की कमी पर हाईकोर्ट सख्त

आवारा कुत्तों का 'आतंक'
सुप्रीम कोर्ट सख्त, प्रशासन मस्त और जनता त्रस्त

नव प्रदेश लगातार

मरीजों के जान का खतरा, स्वास्थ्य सचिव से शपथ पत्र में मांगा जवाब

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर के जिला अस्पताल में एंटी-रेबीज और टिटनेस इंजेक्शनों की कमी के मामले को लेकर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। चीफ जस्टिस की डिवीजन बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव को विस्तृत शपथपत्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

कोर्ट ने इस मामले को जन स्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर विषय मानते हुए ■ शेष पृष्ठ 8 पर

मेडिकल सप्लाई के लिए टेंडर जारी

वहीं छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन (सीजीएमएससी) की ओर से जानकारी दी गई कि एंटीजन और अन्य आवश्यक मेडिकल सामग्री की सप्लाई के लिए टेंडर जारी कर दिया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए हाईकोर्ट ने अस्पताल की वास्तविक स्थिति का पता लगाने के लिए कोर्ट कमिश्नर नियुक्त किया है। कोर्ट कमिश्नर अस्पताल में दवाओं और इंजेक्शनों की उपलब्धता समेत व्यवस्थाओं की जांच कर अपनी रिपोर्ट पेश करेंगे।

इंजेक्शन की कमी से मरीज और परिजन हो रहे थे परेशान

हाई कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि मरीजों को जीवनरक्षक इंजेक्शन के लिए भटकना नहीं पड़ना चाहिए और स्वास्थ्य विभाग को इस दिशा में तत्काल प्रभाव से ठोस कदम उठाने होंगे। हाईकोर्ट की सख्ती के बाद स्वास्थ्य विभाग में हलचल तेज हो गई है। लंबे समय से जिला अस्पताल में एंटी-रेबीज इंजेक्शन की कमी को लेकर मरीज और उनके परिजन परेशान थे। कई लोगों को निजी मेडिकल स्टोर से महंगे दामों पर इंजेक्शन खरीदने पड़ रहे थे। अब कोर्ट की निगरानी में इस मामले में जल्द सुधार की उम्मीद जताई जा रही है।

गरमा-गरम

साइंस : 'बस्तर बीयर' को हेल्थ ड्रिंक बनाने की तैयारी, जीआई टैग तक पहुंचाने का सपना

इनोवेशन में छाया देसी प्रयोग, बस्तर की सल्फी अब बनेगी 'सुपर ड्रिंक'

सल्फी की बढ़ी उम्र और बदली पहचान, युवा हर्षवर्धन ने परंपरा को दिया साइंस का साथ

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर की पहचान मानी जाने वाली सल्फी अब केवल पेड़ से उतरने वाला पारंपरिक पेय भर नहीं रहेगी, बल्कि आने वाले समय में यह 'नेचुरल हेल्थ ड्रिंक' के रूप में देश-दुनिया में नई पहचान बना सकती है। इस दिशा में बस्तर के युवा नवाचारक हर्षवर्धन बाजपेयी का प्रयोग इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है।

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में आयोजित 'इनोवेशन महाकुंभ 1.0' में हर्षवर्धन ने सल्फी की गुणवत्ता और उसकी 'सेल्फलाइफ' बढ़ाने से जुड़ा अपना अनोखा प्रयोग प्रस्तुत किया, जिसे खूब सराहना मिली। उनके इस इनोवेशन को 'न्यू इनोवेशन अवार्ड' में तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

हर्षवर्धन 'बस्तर इंडिजीनियस नेक्टर एग्रीकल्चर्स' के माध्यम से सल्फी के प्राकृतिक स्वाद और पोषक गुणों को लंबे समय तक सुरक्षित रखने पर काम कर रहे हैं। दरअसल, पेड़ से निकलने के कुछ ही समय बाद सल्फी में प्राकृतिक किण्वन शुरू हो जाता है, जिससे उसका स्वाद और स्वरूप बदलने ■ शेष पृष्ठ 8 पर

परंपरा, स्वाद व रोजगार का संगम बनी सल्फी

सल्फी बस्तर की आदिवासी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा मानी जाती है। 'कैरियोटा यूरेन्स' प्रजाति के ताड़ वृक्ष से निकलने वाला इसका मीठा रस ग्रामीण जीवन, उत्सव और पारंपरिक आयोजनों से गहराई से जुड़ा है। ताजा सल्फी का स्वाद नारियल पानी जैसा मीठा और ताजगीभरा होता है, लेकिन कुछ घंटों बाद इसमें प्राकृतिक खमीर बनने लगता है। बस्तर के कई गांवों में यह आजीविका का प्रमुख साधन भी है। स्थानीय समुदाय इसे पारंपरिक स्वास्थ्यवर्धक पेय के रूप में भी उपयोग करते हैं।

सऊदी के 'नो' से अटका ट्रंप का 'प्रोजेक्ट फ्रीडम', होर्मुज में जहाजों का रेस्क्यू मिशन फेल

तेल अवीव/वॉशिंगटन। खाड़ी देशों में अमेरिका की कूटनीति को उस वक्त बड़ा झटका लगा, जब उसके सबसे करीबी सहयोगी सऊदी अरब ने 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' के लिए अपना एयरस्पेस देने से साफ इनकार कर दिया। सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की नाराजगी के बाद राष्ट्रपति ट्रंप को न केवल यह बड़ा सैन्य ऑपरेशन रोकना पड़ा, बल्कि होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की सुरक्षा को लेकर भी सवालिया निशान खड़े हो गए हैं।

सऊदी ने क्यों दिखाया कड़ा रुख?: एनबीसी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी अरब इस बात से नाराज था कि ट्रंप ने इस संवेदनशील ऑपरेशन का ऐलान सोशल मीडिया पर किया, जिसके लिए खाड़ी के सहयोगियों को भरोसे में नहीं लिया गया था। क्राउन प्रिंस और ट्रंप के बीच बातचीत के बावजूद ■ शेष पृष्ठ 8 पर

राजधानी में बस्तर का जलवा, कयाकिंग-कैनोइंग में 60 पदक जीत खिलाड़ियों ने लहराया परचम

- इंद्रावती की लहरों से निकले चैंपियन, राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बस्तर का दबदबा
- 9 स्वर्ण,16 रजत और 35 कांस्य पदक जीत खिलाड़ियों ने बढ़ाया जिले का मान

जगदलपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर के बूढ़ा तालाब में आयोजित राज्य स्तरीय कयाकिंग एंड कैनोइंग प्रतियोगिता में बस्तर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे प्रदेश में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा दिया। बस्तर के खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में दमदार प्रदर्शन करते हुए कुल 60 पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में 9 स्वर्ण, 16 रजत एवं 35 कांस्य पदक जीतकर खिलाड़ियों ने न केवल जिले बल्कि पूरे संभाग को गौरवान्वित किया। इंद्रावती नदी की तेज धाराओं में नियमित अभ्यास करने वाले खिलाड़ियों का आत्मविश्वास और तकनीकी कौशल प्रतियोगिता में साफ दिखाई दिया। प्राकृतिक जलधारा में सुबह-शाम किए गए कठिन प्रशिक्षण ने खिलाड़ियों की सहनशक्ति,संतुलन और गति को नई मजबूती दी,जिसका परिणाम राज्य स्तर पर ऐतिहासिक सफलता के रूप में सामने आया।

प्रतियोगिता में सोनम पुजारी ने के 1 200 मीटर में स्वर्ण पदक, के 1 1000 मीटर एवं के 1 500 मीटर में रजत पदक तथा मिक्स के 2 200 मीटर में स्वर्ण पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। सतेदव बघेल ने के 4 1000 मीटर और मिक्स के 2 200 मीटर में स्वर्ण पदक हासिल किया,वहीं के 1 500 मीटर में रजत और कांस्य पदक भी अपने नाम किए। शिव पुजारी ने एक रजत और दो कांस्य पदक जीतकर प्रतिभा का दम दिखाया। मिक्स के 2 स्पर्धा में सोनम पुजारी और सतेदव बघेल की जोड़ी ने स्वर्ण पदक जीतकर प्रतियोगिता में बस्तर का गौरव बढ़ाया। मालती, ईशा, अंजना, रोशनी, मुस्कान, सुमनी, अमित, अनुज और बली ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर जिलेभर में उत्साह का माहौल है। जगदलपुर विधायक एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि बस्तर के खिलाड़ियों ने मेहनत और प्रतिभा के दम पर पूरे प्रदेश में अपनी अलग पहचान बनाई है। महापौर संजय पांडे ने कहा कि बस्तर के युवा लगातार खेलों में नई ऊंचाइयां हासिल कर रहे हैं।

बस्तर की ऐतिहासिक उपलब्धि

बस्तर के खिलाड़ियों ने राजधानी रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कयाकिंग एंड कैनोइंग प्रतियोगिता में कुल 60 पदक जीतकर नया इतिहास रचा। इंद्रावती नदी में नियमित अभ्यास करने वाले खिलाड़ियों ने कठिन मेहनत और अनुशासन के दम पर 9 स्वर्ण, 16 रजत और 35 कांस्य पदक हासिल किए। सोनम पुजारी और सतेदव बघेल जैसे खिलाड़ियों ने कई स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन कर बस्तर को गौरवान्वित किया। कोच अशोक साहू के मार्गदर्शन और प्रभारी कोटेश्वर राव नायडू के सहयोग से खिलाड़ियों ने राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इस सफलता के बाद जिलेभर में खेल प्रतिभाओं को लेकर नया उत्साह देखने को मिल रहा है।

किरण देव ने 2026-27 का जमा किया ऑनलाइन टैक्स

- ऑनलाइन संपति कर जमा कर 6.25 प्रतिशत छूट का उठाया लाभ

जगदलपुर/नवप्रदेश। नगर पालिका निगम जगदलपुर में डिजिटल व्यवस्था को बढ़ावा देने की दिशा में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव ने वित्तीय वर्ष 2026-27 का संपत्ति कर ऑनलाइन माध्यम से जमा कर नई पहल का संदेश दिया। उन्होंने शासन के निर्देशानुसार निर्धारित अवधि में कर भुगतान कर 6.25 प्रतिशत की छूट का लाभ भी प्राप्त किया। विधायक किरण सिंह देव ने कहा कि नगर निगम द्वारा करदाताओं को घर बैठे डिजिटल सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे अब नागरिक आसानी से अपने मकानों और दुकानों का समेकित संपत्ति कर ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। उन्होंने नगरवासियों से समय पर संपत्ति कर और जलकर जमा कर शासन द्वारा दी जा रही छूट का लाभ लेने की अपील की। नगर निगम अध्यक्ष खेम सिंह देवांगन ने भी डिजिटल माध्यम से अपना संपत्ति कर जमा किया। महापौर संजय पांडे ने कहा कि निगम क्षेत्र के सभी संपत्ति करदाता 1 अप्रैल 2026 से 31 मई 2026 तक कर भुगतान कर 6.25 प्रतिशत की विशेष छूट प्राप्त कर सकते हैं। इस दौरान राजस्व सभापति संग्राम सिंह राणा,पीडब्ल्यूडी सभापति निर्मल पानीग्राही,त्रिवेणी रंधारी,पितामह नायक, आयुक्त प्रवीण कुमार वर्मा,राजस्व निरीक्षक कुलदीप पाणिग्राही, सहायक राजस्व निरीक्षक राकेश नाग,गेब्रियल सिरहा,अभिषेक शेट्टी सहित निगम का राजस्व अमला उपस्थित रहा।

इंद्रावती पर बन रहा विकास का नया द्वार

बदलेगी बस्तर की तस्वीर मटनार बैराज से सिंचाई के साथ बनेगी बिजली

- 1269 करोड़ की बहुउद्देशीय परियोजना से सिंचाई, बिजली और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगा नया संबल
- निरीक्षण के दौरान वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने गुणवत्ता और समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर अंचल के किसानों और ग्रामीण विकास के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही मटनार बैराज सह उद्वहन बहुउद्देशीय परियोजना तेजी से आकार ले रही है। विकासखंड लोहंडीगुड़ा अंतर्गत ग्राम पंचायत मटनार के आश्रित ग्राम मेदरी में इंद्रावती नदी पर निर्माणाधीन इस महत्वाकांक्षी परियोजना का बुधवार को वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने निरीक्षण किया। लगभग 1269 करोड़ रुपये की लागत से विकसित हो रही इस परियोजना को बस्तर के कृषि और ऊर्जा क्षेत्र के लिए मील का पत्थर माना जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान वित्त मंत्री ने परियोजना की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली और निर्माण कार्य में गुणवत्ता बनाए रखते हुए तय समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के पूरा होने से बस्तर के किसानों को बड़े पैमाने पर सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे खेती का रकबा बढ़ेगा और कृषि उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिलेगी।

वित्त मंत्री ने बताया कि परियोजना केवल सिंचाई तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे 21 मेगावाट विद्युत उत्पादन भी किया जाएगा। इससे क्षेत्र की ऊर्जा जरूरतों को मजबूती मिलेगी और विकास कार्यों को नई दिशा प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और ऐसी बहुउद्देशीय योजनाओं के जरिए गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है।

परियोजना से होंगे बहुआयामी लाभ

मटनार बैराज सह उद्वहन बहुउद्देशीय परियोजना के पूर्ण होने के बाद हजारों किसानों को सिंचाई सुविधा मिलने की संभावना है। परियोजना से कृषि उत्पादन बढ़ने के साथ-साथ बिजली उत्पादन और जल संसाधनों के बेहतर उपयोग का मार्ग भी प्रशस्त होगा। इससे बस्तर में विकास और रोजगार के नए अवसर सृजित होने की उम्मीद जताई जा रही है।

16 साल का बकाया एक साथ जमा कर पेश की मिसाल

- समय पर कर भुगतान की अपील, अधिभार से बचने की सलाह

जगदलपुर/नवप्रदेश। नगर पालिका निगम जगदलपुर में एक करदाता ने 16 वर्षों का बकाया संपत्ति कर एकमुश्त जमा कर मिसाल पेश की है। बुधवार को निगम कार्यालय में आयोजित प्रक्रिया के दौरान कुल 68 हजार 264 रुपये की राशि निगम को प्राप्त हुई। इस दौरान राजस्व सभापति संग्राम सिंह राणा एवं सहायक राजस्व निरीक्षक साधु राम बघेल उपस्थित रहे।

नगर निगम द्वारा अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाली आवासीय एवं व्यावसायिक संपत्तियों पर प्रतिवर्ष संपत्ति कर लगाया जाता है। यह कर संपत्ति के मूल्यांकन,स्थान,आकार तथा निर्माण के प्रकार के आधार पर निर्धारित किया जाता है। निगम के राजस्व का यह प्रमुख स्रोत माना जाता है, जिससे विभिन्न विकास एवं जनसुविधा कार्य संचालित किए जाते हैं। राजस्व सभापति संग्राम सिंह राणा ने करदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नागरिक समय पर कर जमा करें, ताकि अतिरिक्त अधिभार और ब्याज से बचा जा सके। उन्होंने वर्ष 2026-27 के संपत्ति कर में मिलने वाले लाभों का लाभ उठाने की भी अपील की।

नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि समय पर संपत्ति कर जमा नहीं करने पर नियमानुसार ब्याज लगाया जाता है। निगम लगातार करदाताओं को जागरूक करने के साथ-साथ बकाया कर वसूली अभियान भी चला रहा है। प्रशासन का मानना है कि नागरिकों के सहयोग से निगम की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और शहर में विकास कार्यों को गति मिलेगी। अंत में निगम कार्यालय में आरएन ठाकुर एवं प्रसून ठाकुर द्वारा बकाया राशि जमा की गई।

कार्यकर्ताओं के परिश्रम और समर्पण से ही संगठन लगातार कर रहा विस्तार : सतीश लाटिया

- भाजपा पूर्वी नगर मण्डल की बैठक में संगठन विस्तार और सक्रियता पर हुआ मंथन
- कार्यकर्ताओं के समर्पण और नियमित बैठकों को बताया जीत की कुंजी

जगदलपुर/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं बस्तर जिला प्रभारी सतीश लाटिया ने बुधवार को भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित जगदलपुर पूर्वी नगर मण्डल की बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत और सक्रिय बनाने पर जोर दिया। बैठक में मण्डल के अधीन आने वाले सभी बूथों की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए आगामी संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक को संबोधित करते हुए सतीश लाटिया ने कहा कि किसी भी चुनावी सफलता की नींव बूथ स्तर से तैयार होती है। कार्यकर्ताओं के निरंतर संवाद,नियमित बैठकें और सक्रिय भागीदारी संगठन की सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी विधानसभा चुनावों में भाजपा को मिली सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं के परिश्रम और समर्पण से ही संगठन लगातार विस्तार कर रहा है। उन्होंने शक्ति केन्द्रों और बूथ समितियों की नियमित बैठकों को आवश्यक बताते हुए कार्ययोजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने पर बल दिया।

पूर्वी नगर मण्डल अध्यक्ष अविनाश श्रीवास्तव ने प्रारंभिक उद्बोधन में मण्डल की गतिविधियों और संगठनात्मक कार्यों की जानकारी दी। जिला उपाध्यक्ष एवं मण्डल प्रभारी आयेंद्र आर्य ने भी कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक मजबूती और जनसंपर्क अभियान को लेकर मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम का संचालन मण्डल महामंत्री दिग्म्बर राव ने किया तथा आभार प्रदर्शन संतोष बाजपेयी ने किया। बैठक में जिला उपाध्यक्ष सफीरा साहू, आलोक अवस्थी, विक्रम सिंह यादव, गीता नाग, डाकेश्वरी पाण्डेय,शेखर शर्मा, राजा यादव, अभय दीक्षित, केतन महानंदी, राधा बघेल, रेखा सिंह, शंकर राव, शैलेष श्रीवास्तव, संतोष पाण्डेय, किरण दीवान, सूरज केसरवानी, नीलम यादव, चंद्रमौली राव, नागेश्वर राव, मनी विक्रम नायडू, मधुमिता कश्यप, लक्ष्मी कश्यप, मनीष सकलेचा, प्रभात चौहान, सुप्रीमो मुखर्जी, रवि गहलोत,राहुल पासवान, घनश्याम बघेल, लिलिमा दता, भारती राव, श्रद्धा रूद्र, नेहा भारती, वेंकटेश राव, वीरनारायण दुधी और कमला सेठिया सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अबूझमाड़ में शुरू हुई डिजिटल कनेक्टिविटी ताहकाडोंड में पहली बार गूंजी मोबाइल की घंटी

जगदलपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग का वह हिस्सा, जिसे कभी 'अबूझ' (अनजान) कहा जाता था, अब डिजिटल संकेतों से जुड़कर अपनी नई पहचान लिख रहा है। नारायणपुर जिले के ओरछा विकासखंड अंतर्गत सुदूर वनांचल ग्राम ताहकाडोंड में मोबाइल टावर की स्थापना ने सदियों के संचार सन्नाटे को तोड़ दिया है। अब यहाँ के ग्रामीण अपनों से बात करने के लिए पहाड़ियों की ऊंचाइयों पर नहीं चढ़ते, बल्कि घर बैठे दुनिया से जुड़ रहे हैं। छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ जैसे दुर्गम क्षेत्र में संचार क्रांति का यह अध्याय वास्तव में सराहनीय है। 'नो सिग्नल' से सीधे 'कनेक्टिविटी' तक का यह सफर केवल तकनीक का नहीं, बल्कि विकास की मुख्यधारा से जुड़ने का है।

ग्राम पंचायत मेटानार के आश्रित ग्राम ताहकाडोंड और उसके आसपास के क्षेत्र लंबे समय से 'नो नेटवर्क ज़ोन' में थे। ग्रामीणों के लिए एक फोन कॉल करना किसी चुनौती से कम नहीं था; उन्हें सिग्नल खोजने के लिए ऊंचे पहाड़ों पर चढ़ना पड़ता था या कई किलोमीटर पैदल चलकर मुख्य सड़क तक आना पड़ता था। टावर की स्थापना के साथ ही अब ताहकाडोंड, कदेर और ब्रेहबेड़ा जैसे गांवों के लगभग 400 ग्रामीण सीधे तौर पर लाभान्वित हो रहे हैं। कनेक्टिविटी का यह विस्तार केवल बातचीत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन रक्षक भी सिद्ध हो रहा है।

अब आपात स्थिति में ग्रामीण तुरंत 108 एंबुलेंस को कॉल कर सकते हैं। त्वरित स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध होने और समय पर इलाज मिलने से मातृ-शिशु मृत्यु

दर में कमी और गंभीर बीमारियों के प्रबंधन में मदद मिलेगी।

इंटरनेट के माध्यम से ग्रामीण अब ऑनलाइन बैंकिंग, डिजिटल भुगतान और विभिन्न सरकारी योजनाओं के लिए आवेदन घर बैठे कर पा रहे हैं। यह डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में ठोस कदम का संकेत है। ?पारदर्शिता और ई-गवर्नेंस के साथ शासन की योजनाओं की जानकारी अब सीधे हितग्राहियों तक पहुँच रही है, जिससे बिचौलियों की भूमिका खत्म हो रही है और कार्यों में तेजी आई है। अबूझमाड़ जैसे दुर्गम क्षेत्रों में मोबाइल टावर की स्थापना शासन की सेवाओं को अंतिम छोर तक पहुँचाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह न केवल संचार सुविधा है, बल्कि विकास का एक सशक्त माध्यम है।

ताहकाडोंड के ग्रामीणों ने इस पहल पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे एक नए युग की शुरुआत बताया है। मोबाइल नेटवर्क आने से न केवल शिक्षा और स्वास्थ्य में सुधार होगा, बल्कि स्थानीय उत्पादों के बाजार और युवाओं के लिए सूचना के नए द्वार भी खुलेंगे। शासन का यह प्रयास सिद्ध करता है कि भौगोलिक बाधाएं अब विकास के आड़े नहीं आएंगी।

गांव का स्टार्टअप मॉडल भी बन सकता है

आधा एकड़ ने बदल दी तकदीर, तुलसा की बाड़ी बनी बस्तर की 'ग्रीन एटीएम'

- 7 हजार के छोटे कर्ज से शुरू हुई कहानी, अब सालभर दे रही कमाई
- बारिश भरोसे खेती करने वाली महिला आज तकनीक से उगा रही सफलता

जगदलपुर/नवप्रदेश। कभी बारिश का इंतजार कर खेती करने वाली बस्तर की एक साधारण महिला किसान आज अपनी आधा एकड़ बाड़ी से ऐसी मिसाल गढ़ रही हैं,जिसकी चर्चा गांव से लेकर कृषि विभाग तक हो रही है। कलचा गांव की तुलसा बघेल ने साबित कर दिया कि खेती केवल परंपरा नहीं,बल्कि समझदारी और तकनीक से किया जाए तो यह गांव का स्टार्टअप मॉडल भी बन सकता है।

साल 2020 में स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद तुलसा के जीवन ने नया मोड़ लिया। संसाधनों की कमी और सीमित जानकारी के बीच उन्होंने केवल 7 हजार रुपए का छोटा ऋण लेकर बाड़ी विकास की शुरुआत की। शुरुआत में यह कदम छोटा जरूर था, लेकिन यही उनके आत्मनिर्भर बनने की नींव साबित हुआ। कृषि विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में तुलसा ने मचान विधि और लाइन कतार पद्धति जैसी आधुनिक तकनीकों को अपनाया। धीरे-धीरे उत्पादन बढ़ा और आमदनी आने लगी। इसके बाद उन्होंने बैंककतार पद्धति जैसी आधुनिक तकनीकों को अपनाया। धीरे-धीरे उत्पादन बढ़ा और आमदनी आने लगी। इसके बाद उन्होंने बैंक लिंकेज से 60 हजार रुपए का ऋण लेकर खेत में बोरवेल लगवाया। सिंचाई सुविधा मिलने के बाद उनकी खेती मौसम पर निर्भर नहीं रही और अब उनकी बाड़ी सालभर हरी रहने लगी।

आज तुलसा पत्ता गोभी, मटर और भिंडी की सफल खेती कर रही हैं। आगामी सीजन में वे तोरई और खीरा की फसल लगाने की तैयारी में जुटी हैं। खेती से होने वाली कमाई ने उनके परिवार की तस्वीर भी बदल दी है। कच्चा मकान अब पक्के घर में बदल चुका है और बेटी की शादी की तैयारी भी इसी मेहनत की कमाई से हो रही है।

'बाड़ी' से बदली जिंदगी,गांव की महिलाओं के लिए बनी प्रेरणा

तुलसा बघेल की कहानी यह बताती है कि छोटे संसाधनों और सीमित जमीन के बावजूद तकनीक, प्रशिक्षण और आत्मविश्वास से खेती को लाभकारी बनाया जा सकता है। स्वयं सहायता समूह से मिली सीख, बैंक लिंकेज की मदद और आधुनिक खेती पद्धति ने उनकी जिंदगी बदल दी। गांव की कई महिलाएं अब उनकी बाड़ी देखने पहुंच रही हैं और उसी मॉडल को अपनाने की तैयारी कर रही हैं। बस्तर के ग्रामीण इलाकों में तुलसा का यह सफर महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर खेती का जीवंत उदाहरण बन गया।

तिरंगा चौक में चाकू लहराकर दहशत फैलाने वाला गिरफ्तार

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर चाकू लहराकर लोगों में दहशत फैलाने वाले एक युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त बटनदार चाकू भी जब्त किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार थाना बोधघाट क्षेत्र में टाउन पेट्रोलिंग के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि तिरंगा चौक मिशन स्कूल के पास एक युवक बटनदार चाकू लेकर राहगीरों को डरा-धमका रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक शलभकुमार सिन्हा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक माहेश्वर नाग तथा नगर पुलिस अधीक्षक डी. धोत्रे सुमित कुमार दत्ता हरिराव के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी टामेश्वर चौहान के नेतृत्व में टीम गठित कर मौके पर कार्रवाई की गई। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को चाकू लहराते हुए पकड़ा। पूछताछ में उसने अपना नाम हरीश तांती पिता मानसिंह तांती उम्र 26 वर्ष निवासी नया मुंडा तिरंगा चौक जगदलपुर बताया।

बालाजी गैस एजेंसी पर फूटा गुस्सा, मनमानी वितरण के खिलाफ कार्रवाई की मांग

बिलासपुर/नवप्रदेश। शहर में घरेलू गैस वितरण को लेकर बालाजी गैस एजेंसी एक बार फिर विवादों के घेरे में आ गई है। एजेंसी के बाहर मंगलवार को बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं ने हंगामा करते हुए सिलेंडर वितरण में गड़बड़ी और कथित कालाबाजारी के गंभीर आरोप लगाए।

लोगों का कहना है कि सरकार और प्रशासन बार-बार यह स्पष्ट कर चुके हैं कि जिले में गैस की कोई कमी नहीं है, इसके बावजूद बालाजी गैस एजेंसी अपनी मनमानी से उपभोक्ताओं को परेशान कर रही है। उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि एजेंसी में ऑनलाइन बुकिंग और भुगतान वास्तविक उपभोक्ता के नाम से होता है, लेकिन सिलेंडर किसी दूसरे व्यक्ति को दे दिया जाता है। इससे जिन लोगों ने समय पर बुकिंग और भुगतान किया, वे घंटों लाइन में खड़े रहने के बाद भी खाली हाथ लौटने को मजबूर हैं। लोगों का कहना है कि एजेंसी के बाहर कुछ चुनिंदा लोगों को सीधे सिलेंडर उपलब्ध करा दिए जाते हैं, जबकि आम उपभोक्ताओं को 'स्टॉक खत्म' होने का बहाना देकर टाल दिया जाता है। इस कथित खेल को लेकर महिलाओं और बुजुर्गों में भारी नाराजगी देखने को मिली। उपभोक्ताओं का कहना है कि यदि जांच में आरोप सही साबित होते हैं तो केवल नोटिस या चेतावनी पर्याप्त नहीं होगी। एजेंसी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लाइसेंस निरस्त करने जैसी कठोर कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई भी एजेंसी आम लोगों की जरूरतों के साथ खिलवाड़ न कर सके।

कलेक्टर के निर्देशों के बावजूद मनमानी

महत्वपूर्ण बात यह है कि हाल ही में कलेक्टर संजय अग्रवाल ने जिले में गैस वितरण व्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक की थी। बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि किसी भी उपभोक्ता को गैस की कमी का सामना नहीं करना पड़े और शिकायत मिलने पर संबंधित एजेंसी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। यहां तक कि लाइसेंस निरस्तीकरण की चेतावनी भी दी गई थी। इसके बावजूद बालाजी गैस एजेंसी पर लगे आरोपों ने प्रशासनिक निर्देशों की गंभीरता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पीड़ित पहुंचे कलेक्टर कार्यालय

मामले से नाराज उपभोक्ता कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और अपर कलेक्टर शिवकुमार बनर्जी से मुलाकात कर पूरी स्थिति बताई। शिकायत सुनने के बाद अपर कलेक्टर ने तत्काल संबंधित विभाग को निर्देशित किया कि आम लोगों को अनावश्यक परेशान न किया जाए और मामले की गंभीरता से जांच की जाए। उन्होंने साफ कहा कि जिले में गैस की कोई कमी नहीं है, इसलिए किसी एजेंसी द्वारा उपभोक्ताओं को परेशान करना स्वीकार नहीं किया जाएगा।

न्यूज गैलरी

डीईओ ने समग्र शिक्षा के संबंध में डाइट पेण्ड्रा में ली बैठक

पेण्ड्रा/नवप्रदेश। समग्र शिक्षा योजना अंतर्गत एसएनए स्पर्श (एकीकृत वित्तीय प्रणाली) के प्रभावी संचालन के लिए जिला शिक्षा अधिकारी रजनीश तिवारी ने डाइट पेण्ड्रा में बैठक ली। कार्यशाला में सभी डीडीओ, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, बीआरसी, प्राचार्य व लेखापाल उपस्थित रहे। बैठक में लेखापाल द्वारा एसएनए स्पर्श प्रणाली के उद्देश्य, भुगतान प्रक्रिया, राशि के उपयोग, रिकॉर्ड संधारण, केंद्रांश-राज्यांश सीलिंग, ई-बिल एवं ई-कोष ऑनलाइन कार्यों की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने प्रणाली के पारदर्शी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन पर जोर दिया।

पेंड्रा तहसीलदार को हटाने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

मरवाही/नवप्रदेश। जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष गजमति भानु के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पेंड्रा में पदस्थ तहसीलदार अविनाश कुजूर के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। कांग्रेसियों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर तहसीलदार को तत्काल प्रभाव से हटाने की मांग की है। प्रदर्शनकारियों ने तहसीलदार की कार्यप्रणाली को निरंकुश, गैर-जिम्मेदाराना और जनविरोधी करार दिया है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि तहसील कार्यालय में नामांतरण, सीमांकन सहित आय, निवास और जाति प्रमाण पत्र जैसे प्रकरण महीनों से लंबित हैं। आम जनता को छोटे-छोटे कार्यों के लिए बार-बार कार्यालय के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। तहसीलदार न तो जनता की समस्याएं सुनते हैं और न ही फोन कॉल उठाते हैं। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि राज्य शासन द्वारा 1 मई से 15 जून तक चलाया जा रहा सुशासन तिहार कार्यक्रम पेंड्रा तहसील में पूरी तरह विफल साबित हुआ है। जिलाध्यक्ष गजमति भानु ने कहा कि यदि तत्काल सक्षम अधिकारी की पदस्थापना नहीं की गई, तो कांग्रेस सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 7 दिनों के भीतर कार्रवाई नहीं हुई, तो कांग्रेस सुशासन तिहार के कार्यक्रमों में काले झंडे दिखाकर उग्र जनआंदोलन करेगी।

भाजपा कार्यालय में ढोल-ताशे और आतिशबाजी के साथ मनाई खुशी

तीन राज्यों में ऐतिहासिक जीत पर भाजपाइयों ने मनाया जश्न

बिलासपुर/नवप्रदेश। तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत के बाद बिलासपुर में पार्टी कार्यकर्ताओं का उत्साह चरम पर नजर आया। भाजपा जिला बिलासपुर शहर द्वारा भाजपा कार्यालय में भव्य जश्न का आयोजन किया गया, जहां पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने ढोल-ताशों की धुन पर नाचते-गाते हुए आतिशबाजी की और एक-दूसरे को मिठाई व झालमुड़ी खिलाकर जीत की खुशी साझा की।

कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक सिंह ने किया। इस दौरान पूरे कार्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल रहा और कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को बधाई देते हुए जीत का जश्न मनाया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष दीपक सिंह ने कहा कि यह शानदार जीत देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व, भाजपा की जनहितकारी नीतियों और कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जनता ने विकास, सुशासन और सुरक्षा के मुद्दों पर भरोसा जताते हुए भाजपा को समर्थन दिया है। उन्होंने विशेष रूप से पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणाम का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां की जनता ने परिवर्तन के पक्ष में मतदान कर नई दिशा देने का काम किया है। यह जनादेश विकास और बेहतर शासन की उम्मीद का प्रतीक है। दीपक सिंह ने सभी कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए भविष्य में भी संगठन को मजबूत करने और जनसेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रदेश मंत्री हर्षिता पाण्डेय सहित पार्टी के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से सोमेश तिवारी, प्रदीप कौशिक, गुलशन ऋषि, अजीत सिंह भोग, किशोर राय, दुर्गेश पाण्डेय, वैभव गुप्ता, स्नेहलता शर्मा, घनश्याम कौशिक, तुलसी बघेल, चंद्रप्रकाश मिश्रा, शैलेन्द्र यादव, देवेन्द्र पाठक, राकेश लालवानी, मनोज सोनी, एस. श्रीनिवास राव, जुगल अग्रवाल, शेखर पाल, गणेश रजक, नारायण गोस्वामी, बल्लू हरियाणी, प्रवीर सेन गुप्ता, दिनेश देवांगन, अशोक मिथुन, सचिन कायरवार, देवेश खत्री, केतन वर्मा

विजयपुर, टिकरापारा और बोदरी में सुशासन शिविर आज

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में जिले में 1 मई से सुशासन तिहार का सफल आयोजन किया जा रहा है। गांव सहित नगरीय निकायों में भी जनसमस्या निवारण शिविरों के माध्यम से शासकीय योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने एवं लोगों की समस्याओं का निराकरण करने का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में 8 मई को तखतपुर विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत विजयपुर में सुशासन शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में क्षेत्र से लगे हुए ग्राम पोड़ीकला, परसाकापा, निगारबंद, पूरा, बहुरता, टिहुलाडीह, पड़रिया, चोरमा, पकरिया, बेलपान, टिकरी, दर्री, विजयपुर, लिम्हा, सिलतरा, ठाकुरकापा एवं करनकापा के ग्रामीण भी शामिल हो सकते है। साथ ही नगर निगम बिलासपुर क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्र 38, 39 एवं 41 के वार्डवासियों के लिए गुजराती समाज भवन टिकरापारा एवं नगर पालिका परिषद बोदरी में वार्ड क्र. 1,2,3 हेतु वार्ड क्रमांक 2 शासकीय प्राथमिक शाला बोदरी में शिविर का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों में आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र, पेंशन, राशन कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, ड्राईविंग लाईसेंस, स्वास्थ्य सेवाएं तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं सहित अन्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही है। कलेक्टर ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे अपने निकटतम शिविर में पहुंचकर अधिक से अधिक संख्या में इसका लाभ उठाएं और शासन की योजनाओं से जुड़कर अपनी समस्याओं का समाधान कराएं। सुशासन तिहार-2026 का उद्देश्य आम जनता की समस्याओं का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करना, शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करना तथा विकास कार्यों में गति लाने के साथ ही आम जनता, जनप्रतिनिधियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों से सीधा संवाद स्थापित करना है।

पेड़ों को हटाने और व्यवस्था सुचारू करने चल रहा अभियान

बिलासपुर/नवप्रदेश। मंगलवार की रात अचानक मौसम बिगड़ने से आए आंधी-तूफान ने शहर के कई हिस्सों में जनजीवन को अस्त व्यस्त कर दिया। शहर के अलग-अलग स्थानों में पेड़ गिर गए और कहीं कहीं पेड़ की टहनियां टूटकर लटक गए थे। सड़क, बिजली के खंभे और तार में पेड़ गिरने की सूचना पर निगम कमिश्नर श्री प्रकाश कुमार सर्वे के निर्देश पर तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया जिसमें आठों जोन से टीम और मुख्य कार्यालय से दो टीम को शहर में उतारा गया। रात आठ बजे से शुरू हुआ अभियान दूसरे दिन बुधवार को भी जारी रहा। नगर निगम द्वारा लगभग 70 से अधिक स्थानों से गिरे हुए पेड़ों को हटाया गया,यें पेड़ सड़क,डिवाइडर और बिजली के तारों पर गिरे थे। जनहानि की संभावित आशंका और ट्रैफिक समेत अन्य अवरोधों को देखते हुए तत्काल हटाने का कार्य शुरू किया गया। जिसमें रात भर में अधिकांश जगहों से पेड़ों को हटा लिया गया था,शेष को बुधवार को हटाने का कार्य किया गया। इस कार्य में लगभग 10 जेसीबी,3 ट्री कटर वाहन समेत अन्य संसाधनों से नगर निगम ने सभी जोन के 8 और सेंट्रल से 2 टीम के साथ इस कार्य को अंजाम दिया।इसके अलावा आंधी तूफान में शहर में पेड़ पत्तियां और कचरा भी फैल गया था,जिस पर त्वरित अमल करते हुए सुबह 5 बजे से सफाई की टीम शहर में सफाई कार्य में जुट गई थी। रात भर बिजली गुल और कई स्थानों में सुबह भी बिजली व्यवस्था सुचारू नहीं होने से पानी की भी समस्या थी,जिसे देखते हुए वैकल्पिक व्यवस्था के तहत पानी आपूर्ति की गई और बिजली व्यवस्था बहाल होने पर जरूरतमंद स्थानों पर पानी टैंकर के माध्यम से पानी पहुंचाई गई।

क्षेत्र के विकास के लिए केंद्र व राज्य सरकार लगातार कर रही कार्य: तोखन

बोदरी में मंत्री तोखन व उप मुख्यमंत्री साव ने विकास कार्यों का किया लोकार्पण

बिलासपुर/नवप्रदेश। केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू एवं उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज नगर पालिका परिषद बोदरी में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण कर क्षेत्रवासियों को महत्वपूर्ण सौगात दी। लोकार्पित कार्यों में लगभग 99.97 लाख रुपये की लागत से निर्मित नगर पालिका परिषद का नवीन कार्यालय, 25 लाख रुपये की लागत से साहू समाज का सामुदायिक भवन तथा 16.92 लाख रुपये की लागत से निर्मित आकांक्षीय शौचालय शामिल हैं। इन कार्यों से स्थानीय नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

कार्यक्रम में बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक, क्रेडा के अध्यक्ष भूपेन्द्र सवन्नी, नगर पालिका परिषद बोदरी की अध्यक्ष नीलम विजय वर्मा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रदीप मिश्रा, पार्षदगण सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने सभी नागरिकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है और आने वाले समय में भी विकास की गति और तेज की जाएगी। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि आज बोदरी के लिए ऐतिहासिक दिन है। नगर पालिका परिषद का नवीन कार्यालय नागरिकों की आशा और विश्वास का केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय एवं एयरपोर्ट जैसी महत्वपूर्ण संस्थाओं के अनुरूप क्षेत्र का समग्र विकास किया जाएगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि विकास कार्यों के प्रस्ताव प्राप्त होते ही लगभग 3 करोड़ रुपये की राशि शीघ्र स्वीकृत की जाएगी। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने विकास कार्यों के लिए शासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

37 नग बकरी-बकरा चोरी के तीन आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर/नवप्रदेश। चकरभाठा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सेवार व ग्राम सारधा में 37 नग बकरी-बकरा चोरी के 2 प्रकरण में अब तक 3 आरोपियों को चकरभाठा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों द्वारा चोरी की गई संपत्ति 16 नग बकरा, 15 नग बकरी, 6 नग पट्ठी 37 नग जिसकी कीमती 77000 रुपए बताई जा रही है। आरोपियों से संपत्ति, बकरे-बकरी को दुकान में काटने का औजार, तराजू ,बिक्री की गई रकम व वारदात में उपयोग किए गए मोटर साइकल जब्त की है। प्रकरण के अन्य आरोपीगण फरार हैं जिनकी पतासाजी किया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार थाना चकरभाठा क्षेत्र अंतर्गत 15 मार्च को ग्राम सेवार एवं ग्राम सारधा में कुल 37 नग बकरी बकरा को किसी अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ले गाया है कि दोनों प्रकरण में पूर्व में 02 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया था। उक्त प्रकरण में विवेचना दौरान चोरी के बकरी बकरा को खरीदकर कर दुकान में काटकर बिक्री करने वाले आरोपी रहीस उर्फ टीरू उर्फ मुंडा खान निवासी चिल्हाटी सरकंडा बिलासपुर को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ किया गया जो 10 नग बकरा बकरी को खरीद कर अपने दुकान में काटकर बेचना बताया। आरोपी के कब्जे से घटना में उपयोग किए मोटर साइकल एवं बकरा बकरी काटने औजार, तराजू,बिक्री की गई रकम जुमला कीमती 63000 रुपए को जप्त किया गया है। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय भेजा जा रहा है। प्रकरण के अन्य आरोपियों का पतासाजी किया जा रहा है। पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों में हेमराज उर्फ हेमू उर्फ राहुल साहू पिता परस राम साहू उम्र 18 वर्ष निवासी ग्राम चिलहाटी धनुहार पारा स्कूल के पीछे हाल मुकाम चिंगराजपारा बजरंगबली मंदिर के पास थाना सरकंडा जिला बिलासपुर। नजीर खान उर्फ मजीद खान पिता शहीद खान उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम चिलहाटी थाना सरकंडा जिला बिलासपुर। आज गिरफ्तार आरोपी में रहीस उर्फ टीरू उर्फ मुंडा खान पिता हामिद खान उम्र 25 साल निवासी चिल्हाटी धनुहार मोहल्ला थाना सरकंडा जिला बिलासपुर।

राहत: भीषण गर्मी में यात्रियों को राहत दिलाने रेलवे मंडल का विशेष अभियान

नागपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों में छाछ व शीतल जल वितरित

बिलासपुर/नवप्रदेश। ग्रीष्मकालीन भीड़ एवं लगातार बढ़ती गर्मी के बीच दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल द्वारा यात्रियों को राहत प्रदान करने हेतु विशेष सेवा अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मंडल के भंडारा, चांदाफोर्ट, छिंदवाड़ा, गोंदिया, कामठी एवं वडसा रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों के बीच निशुल्क छाछ एवं शीतल पेयजल का वितरण किया गया।

इस जनहितकारी पहल के अंतर्गत भंडारा स्टेशन पर गायत्री फूड्स की ओर से यात्रियों को छाछ वितरित की गई। वहीं कामठी स्टेशन पर पूजा सेल्स पार्किंग कॉन्ट्रैक्टर एवं ताजीम टी स्टॉल के सहयोग से यात्रियों के बीच छाछ वितरण किया गया। गोंदिया स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 5/6 पर आने-जाने वाली गाड़ियों में वीएसएस ग्रुप एवं डीआरयूसीसी सदस्य विनोद चांदवानी के सौजन्य से यात्रियों को निःशुल्क छाछ वितरित कर गर्मी से राहत पहुंचाई जा रही है। इस दौरान विशेष रूप से सामान्य श्रेणी के कोचों में यात्रा कर रहे यात्रियों को छाछ एवं पानी उपलब्ध कराया गया, जिससे यात्रियों ने काफी संतोष व्यक्त किया। भीषण गर्मी के बीच रेलवे एवं सामाजिक सहभागिता से किए जा रहे इस प्रयास की यात्रियों द्वारा सराहना की जा रही है। मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक दिलीप सिंह के निर्देशन में वाणिज्य विभाग द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु लगातार विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल यात्रियों को सुरक्षित, सुगम एवं आरामदायक यात्रा अनुभव उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है तथा भविष्य में भी इस प्रकार की यात्री-हितैषी एवं जनसेवा संबंधी पहलें निरंतर जारी रखी जाएंगी।

आधुनिक खेती से किसान कुनाल को मिली बेहतर आमदनी

बिलासपुर/नवप्रदेश। जिले के तखतपुर विकासखंड के ग्राम बहतराई निवासी किसान कुनाल कश्यप ने राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के अंतर्गत संरक्षित खेती अपनाकर सफलता की नई मिसाल पेश की है। वर्ष 2024-25 में उद्यान विभाग की सहायता से उन्हें 4000 वर्ग मीटर में शेडनेट हाउस निर्माण हेतु अनुदान प्राप्त हुआ। इसके बाद उन्होंने शेडनेट हाउस के अंदर हाईब्रिड पत्तागोभी के लगभग 20 हजार पौधों का रोपण किया, जिससे उन्हें पारंपरिक खेती की तुलना में अधिक लाभ मिलने लगा है। किसान कुनाल कश्यप ने बताया कि पहले वे सामान्य तरीके से सब्जी की खेती करते थे, लेकिन उतना लाभ नहीं मिल पाता था।

संरक्षित खेती तकनीक अपनाने के बाद उत्पादन और गुणवत्ता दोनों में सुधार हुआ है। वर्तमान में 0.40 हेक्टेयर कृषि भूमि में की जा रही खेती से लगभग 70 से 90 क्विंटल उत्पादन का अनुमान है। इस खेती में लगभग 1 से 1.50 लाख रुपये की लागत आई है, जबकि बिक्री से 3 से 3.50 लाख रुपये तक की आय होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि उद्यान विभाग के मार्गदर्शन और नई तकनीक के उपयोग से कम क्षेत्र और कम लागत में अधिक मुनाफा प्राप्त किया जा सकता है। किसान की इस सफलता से क्षेत्र के अन्य किसान भी संरक्षित खेती की ओर प्रेरित हो रहे हैं।

सुविचार

कुछ नादान लोग ही जिंदगी का असली आनंद लेते हैं। वे बुद्धिमानों की तरह भूत और भविष्य की चिंता नहीं करते वर्तमान में जीते हैं।

फिर निशाने पर चुनाव आयोग

बंगाल में भाजपा की जीत के बाद एक बार फिर चुनाव आयोग न सिर्फटीएमसी के बल्कि सारे विपक्षी दलों के निशाने पर आ गया है?। तमिलनाडु और केरल में हुए सत्ता परिवर्तन को लोकतंत्र की जीत बताया जा रहा है लेकिन बंगाल में बही बदलाव की बयार को लोकतंत्र की हत्या करार दिया जा रहा है। असम में भाजपा ने जीत की जो हैट्रिक लगाई है उस पर भी सवालिया निशान लगाया जा रहा है। इसे ही कहते हैं मीठा- मीठा गप - गप और कडवा - कड़वा थू - थू। जो राजनीतिक धुरंधर यह मुगालते पाले बैठे रहते हैं कि वे तो पैदा ही शासन करने के लिए हुए हैं और कोई प्रदेश या देश उनकी बपौती है वे चुनाव में अपनी पराजय को स्वीकार ही नहीं कर पाते। ऐसे में चुनाव प्रक्रिया पर तो कभी ईवीएम पर और कभी चुनाव आयोग पर अपनी हार का ठीकरा फोड़कर अपनी खीज निकालते हैं। वे अपने गिरेबान में झांकने की जहमत उठाना ही नहीं चाहते। बंगाल की निवृत्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी अगर अपनी पराजय को नहीं पचा पा रही हैं तो इसमें आश्चर्य वाली कोई बात नहीं है। वैसे भी वो बहुत बड़ी नौटंकीबाज़ हैं उन्हें अच्छे से पता है कि उनके पाप का घड़ा भर चुका था जिसे फूटना ही था। बंगाल को बांग्लादेश बनाने की उनकी मंशा बंगाल के बाशिंदे समझ गए थे और इस बार उनको निपटाने का मन बना चुके थे। जब सारा देश मानकर चल रहा था कि इस बार बंगाल से टीएमसी का बोरिया बिस्तर बंधना तय है तो यह बात खुद को राजनीति की सबसे शातिर खिलाड़ी समझने वाली ममता बनर्जी न समझी हो यह भी भला मानने की बात है। ममता बनर्जी को अपनी करारी शिकस्त का बहुत पहले ही अहसास हो चुका था और उसी समय से वे एफआईआर को लेकर हल्ला मचाने लगी थी और चुनाव आयोग को गरियाने लगी थी ताकि अपनी हार के लिए वे चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहरा कर लोगों की सहानुभूति बगैर सके। यही वो कर रही हैं। अपनी शर्मनाक पराजय को अपनी जीत बताकर कर बेशर्मी की पराकाष्ठा पार कर रही हैं। ऐसा वे एक सोची समझी रणनीति के तहत कर रही हैं। उन्हें पता है कि अब बंगाल में उनकी दुकानदारी नहीं चलने वाली क्योंकि बंगाल का इतिहास रहा है कि वहां के भद्रक जब एक बार किसी राजनीतिक पार्टी पर भरोसा जताते हैं उससे उनका मोहभंग जल्दी नही होता। वे कई बार उसे मौका देते हैं और जब वह उनकी उम्मीदों पर खरा नहीं उतरती तो उसे न सिर्फसत्ता से उखाड़ फेंकते हैं बल्कि फिर कभी पीछे मुड़कर उसकी तरफनहीं देखते। बंगाल में कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टी की दयनीय दशा इसका ज्वलंत प्रमाण है। अंततोगत्वा टीएमसी का भी यही हश्र होना है यह ममता बनर्जी भली भाँति जानती है। इसलिए अब वे एक बार फिर राष्ट्रीय राजनीति में आने की अपनी महत्वाकांक्षा को पूरा करने की कवायद कर रही हैं। बंगाल विधानसभा चुनाव परिणाम को वे बड़ा मुद्दा बनाना चाहती हैं और चुनाव आयोग की सबसे बड़ी विरोधी नेता के रूप में अपनी छवि बनाकर आईएनडीआई की कमान अपने हाथों में लेकर खुद का कद बढ़ाना चाहती हैं जो अब घट चुका है। जिस इंडी गठबंधन की गांठे खुद ममता बनर्जी ने ढीली की हैं और एकला चलो रे की नीति पर चलते हुए बंगाल में कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टी को दरकिनार कर के रखा था अब वे उसी गठबंधन को मजबूत करने की बात कर रही हैं। अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, स्टालिन और अरविंद केजरीवाल जैसे हारे हुए जुआरियों को जमात उन्हें समर्थन दे सकती हैं क्योंकि ये सभी आईएनडीआई की अगुवाई करने वाली कांग्रेस से असंतुष्ट हैं। किंतु ये सभी यह भूल रहे हैं कि कांग्रेस संसद में सबसे बड़ी पार्टी है और चार राज्यों में उसकी सरकार है। इसलिए आईएनडीआई की अगुवाई करने की वह स्वाभाविक दावेदार है। बहरहाल देखना दिलचस्प होगा कि बंगाल की जनता द्वारा नकार दिए जाने के बाद ममता बनर्जी राष्ट्रीय राजनीति में कितना सफल होती हैं?

सोमनाथ: भारत की अजेय आत्मा का प्रतीक!

वर्ष 2026 की शुरुआत में मुझे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला। यह सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष बाद भी मंदिर के शाश्वत और अविनाशी होने का पर्व था। अब 11 मई को मुझे एक बार फिर सोमनाथ जाने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है। इस बार यह यात्रा पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में है। मैं उस क्षण को फिर जीने जा रहा हूं जब भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी ने मंदिर का लोकार्पण किया था। उस दिन, सोमनाथ में विध्वंस से सृजन तक की यात्रा फिर से जीवंत होगी। छह महीनों के भीतर सोमनाथ के इतिहास से जुड़े इन दो अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ावों का साक्षी बनना मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है। सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, हमारी सभ्यता का अटूट संकल्प है। इसके सामने लहराता विशाल समुद्र अनंत काल की अनूभूति कराता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

इसकी लहरें हमें सिखाती हैं कि तूफान चाहे कितने भी विकराल क्यों न हों, मनुष्य का साहस और आत्मबल हर बार फिर से उठ खड़ा होने में सक्षम है। तट से टकराती लहरें सदियों से यह उद्घोष कर रही हैं कि मानवीय चेतना को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता है। हमारे प्राचीन शास्त्रों में लिखा हैः प्रभासं च परिक्रम्य पृथिवीक्रमसंभवम। अर्थात दिव्य प्रभास (सोमनाथ) की परिक्रमा पूरी पृथ्वी की परिक्रमा के समान है! जब लोग यहां दर्शन-पूजन के लिए आते हैं, तब उन्हें उस सभ्यता की अद्भुत निरंतरता का भी अनुभव होता है, जिसकी ज्योति कभी बुझाई नहीं जा सकी। कई साम्राज्य आए और गए, समय बदला और इतिहास ने ढेरों उतार-चढ़ाव देखे, फिर भी सोमनाथ हमारे हृदय में हमेशा बना रहा। यह समय उन असंख्य महान विभूतियों के स्मरण का भी है, जो क्रूर आक्रांताओं के सम्मुख अडिग रहे। लकुलीश और सोम शर्मा जैसे मनीषियों ने प्रभास को शैव दर्शन का महान केंद्र बनाया। चक्रवर्ती महाराज धारसेन चतुर्थ ने सदियों पहले वहां दूसरा मंदिर बनवाया था। समय की कठिन परीक्षा के बीच भीम प्रथम, जयपाल और आनंदपाल जैसे शासकों ने आक्रमणों के विरुद्ध अपनी सभ्यता की ढाल बनकर मंदिर की रक्षा की थी। ऐसा माना जाता है कि महान राजा भोज ने भी इस पावन स्थल के पुनर्निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया था। कर्णदेव सोलंकी और जयसिंह सिद्धराज ने गुजरात की राजनीतिक और सांस्कृतिक शक्ति को पुनर्स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। भाव बृहस्पति, कुमारपाल सोलंकी और पाशुपताचार्यों ने इस तीर्थ को आराधना और ज्ञान के केंद्र के रूप में स्थापित करने में अमूल्य योगदान दिया।

विशालदेव वाघेला और त्रिपुरांतक ने इसकी बौद्धिक और आध्यात्मिक परंपराओं की रक्षा की। महिपाल चूड़ासमा और राव खंगार चूड़ासमा ने विध्वंस के बाद पूजा-पाठ की परंपरा को पुनर्जीवित किया। पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर, जिनकी 300वीं जयंती मनाई जा रही है, उन्होंने सबसे चुनौतीपूर्ण समय में भी भक्ति की परंपरा को जीवंत रखा। बड़ौदा के गायकवाड़ों ने तीर्थयात्रियों के अधिकारों की रक्षा की। इसके साथ ही हमारी यह धरती वीर हमीरजी गोहिल, वीर वेगड़ाजी भील जैसे पराक्रमियों से धन्य हुई है। उनके साहस और बलिदान को आज भी याद किया जाता है। 1940 के दशक में स्वतंत्रता की भावना पूरे भारत में फैल रही थी। सरदार पटेल जैसे महान नेताओं के नेतृत्व में स्वतंत्र भारत की नींव रखी जा रही थी। ऐसे में एक बात जो उन्हें बहुत व्यथित करती थी, वह थी- सोमनाथ की दुर्दशा। 13 नवंबर 1947 को, दिवाली के समय, उन्होंने सोमनाथ के जर्जर अवशेषों के सामने खड़े होकर, समुद्र का जल हाथ में लेकर संकल्प लिया, ''इस (गुजराती) नववर्ष पर हमारा निश्चय है कि सोमनाथ का पुनर्निर्माण होगा। सौराष्ट्र के लोगों को इसके लिए हर तरह से अपना योगदान देना होगा। यह एक पावन कार्य है, जिसमें हर किसी को भागीदारी निभानी होगी।'' उनके इस आह्वान ने सिर्फ गुजरात ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतवर्ष को नए उत्साह से भर दिया। दुर्भाग्यवश, सरदार पटेल अपने उस सपने को साकार होते नहीं देख सके,

जिसके लिए उन्होंने स्वयं को समर्पित कर दिया था। इससे पहले कि जीर्णोद्धार के बाद सोमनाथ मंदिर भक्तों के लिए खुलता, उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। इसके बावजूद, प्रभास पाटन की पावन धरती पर उनका प्रभाव निरंतर महसूस किया जाता रहा है। उनके विजन को के.एम. मुंशी ने आगे बढ़ाया, जिन्हें नवानगर के जामसाहेब का समर्थन मिला। 1951 में मंदिर का पुनर्निर्माण पूरा होने पर राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया गया।

तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू के विरोध के बावजूद, डॉ. प्रसाद ने समारोह में हिस्सा लेकर इसे ऐतिहासिक बना दिया। मुझे अक्टूबर 2001 का वह समय आज भी अच्छे से याद है, जब मैंने मुख्यमंत्री के रूप में दायित्व संभाला था। 31 अक्टूबर 2001 को, सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर गुजरात सरकार ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की 50वीं वर्षगांठ का भव्य आयोजन किया। इसी समय सरदार पटेल की 125वीं जयंती भी मनाई जा रही थी। इस कार्यक्रम में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी और तत्कालीन गृहमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी जी की मौजूदगी ने इसे और भी गरिमापूर्ण बना दिया। 11 मई 1951 को अपने भाषण में डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि सोमनाथ मंदिर दुनिया को यह संदेश देता है कि अद्वितीय श्रद्धा और विश्वास को कभी नष्ट नहीं किया जा सकता। उन्होंने आशा व्यक्त की, कि यह मंदिर सदैव लोगों के हृदय में बसा रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि मंदिर के पुनर्निर्माण से सरदार पटेल का सपना साकार हुआ है। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि सरदार पटेल की भावनाओं के अनुरूप लोगों के जीवन में समृद्धि भी लानी होगी। इसको लेकर उनके संदेश अत्यंत प्रेरणादायी रहे हैं। पिछले एक दशक से हम इसी मार्ग पर चल रहे हैं। 'विकास भी, विरासत भी' के मंत्र से प्रेरित होकर सोमनाथ से काशी, कामाख्या से केदारनाथ, अयोध्या से उज्जैन और त्र्यंबकेश्वर से श्रीशैलम तक, हमने अपने आध्यात्मिक केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया है। इसके साथ ही उनकी पारंपरिक पहचान को भी बनाए रखा है। आज बेहतर कनेक्टिविटी से ज्यादा से ज्यादा लोग यहां आ पा रहे हैं।

इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है, आजीविका सुरक्षित हो रही है, साथ ही 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना और सशक्त हो रही है। सोमनाथ की रक्षा और इसके पुनर्निर्माण के लिए जिन्होंने अपना सर्वस्व बलिदान किया, उनका संघर्ष हम कभी नहीं भुला सकते। भारत के विभिन्न हिस्सों से आए लोगों ने इसकी भव्यता और दिव्यता को लौटाने में अपना अद्भुत योगदान दिया। उनकी ऐसी ही आस्था पूरे भारतवर्ष को लेकर भी थी। वे एकता की ऐसी अद्भुत डोर से बंधे थे, जिसे जमीनी सीमाओं में नहीं बांटा जा सकता। आज की विभाजित दुनिया में, सोमनाथ से मिलने वाली एकता की यह सीख पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। सोमनाथ अपनी गौरवशाली परंपरा के साथ हमेशा खड़ा रहेगा, क्योंकि यह हमारी साझा सभ्यता का प्रतीक है। इसी गौरव को नमन करते हुए बलिदान देने वाले वीरों की स्मृति में और दानवीरों की उदारता को याद करते हुए अगले एक हजार दिनों तक यहां विशेष पूजा आयोजित की जाएगी। यह देखकर बहुत प्रसन्नता हो रही है कि बड़ी संख्या में लोग इस पुनीत कार्य में अपना योगदान दे रहे हैं। सोमनाथ हमें याद दिलाता है कि जब कोई समाज अपनी आस्था, अपनी संस्कृति और अपनी एकता से जुड़ा रहता है, तब उसे लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता। आज भी हमारी सबसे बड़ी शक्ति यही साझा चेतना है, यही एकात्म भाव है।

यही भावना हमें विभाजन से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में साथ चलने की प्रेरणा देती है। मैं सभी देशवासियों से आग्रह करता हूं कि इस पावन अवसर पर पवित्र सोमनाथ धाम की यात्रा करें और इसकी भव्यता के साक्षात दर्शन करें। जब आप सोमनाथ के तट पर खड़े होंगे, तब उसकी प्राचीन प्रतिध्वनियों को अपने भीतर महसूस करेंगे। वहां आपको केवल भक्ति का अनुभव नहीं होगा, बल्कि उस सभ्यतागत चेतना की सशक्त धड़कन भी सुनाई देगी, जो कभी रुकी नहीं, जिसकी तीव्रता कभी कम नहीं हुई। वहां आप भारत की उस अपराजित आत्मा का अनुभव करेंगे, जिसने हर आघात के बावजूद अपनी पहचान और अपनी संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए रखा। आप समझ पाएंगे कि इतने प्रयासों के बाद भी क्यों हमारी सभ्यता मिट नहीं सकी। वहां आपको चिर विजय के उस दर्शन का अनुभव होगा, जो सदियों से भारत की शक्ति बना हुआ है। मुझे पूरा विश्वास है कि आपके लिए यह एक अविस्मरणीय अनुभव होगा।

चुनाव हारने के बाद ममता दीदी की ओछी राजनीति

महेन्द्र तिवारी

पश्चिम बंगाल की पावन धरती पर 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद जो दृश्य उभरा है वह भारतीय राजनीति के इतिहास में एक अत्यंत जटिल और अभूतपूर्व अध्याय के रूप में दर्ज हो चुका है। वर्ष 2011 में जब ममता बनर्जी ने 34 वर्षों के सुदृढ़ वामपंथी शासन को उखाड़ फेंका था तब इसे एक बड़े परिवर्तन के रूप में देखा गया था। उस समय उन्होंने स्वयं को निर्धन वर्ग, कृषकों और बंगाल की अस्मिता के रक्षक के रूप में प्रस्तुत किया था। परंतु समय का चक्र ऐसा घूमा कि 15 वर्षों के उनके शासन के पश्चात 2026 में जनता ने एक ऐसा निर्णय सुनाया जिसने सत्ता के गलियारों को हिलाकर रख दिया। इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने अपनी संगठनात्मक शक्ति का परिचय देते हुए 294 निर्वाचन क्षेत्रों में से 207 क्षेत्रों पर विजय प्राप्त कर स्पष्ट बहुमत का जादुई आंकड़ा पार कर लिया। दूसरी ओर राज्य में लंबे समय से शासन कर रही तृणमूल कांग्रेस मात्र 80 स्थानों पर सिमट कर रह गई। यह परिणाम न केवल चौंकाने वाला था अपितु इसने राज्य की राजनीतिक दिशा को पूरी तरह से बदल दिया। इस बार मतदान का स्तर 92.93 प्रतिशत तक पहुंच गया जो बंगाल के निर्वाचन इतिहास में अब तक का सर्वाधिक मतदान माना जा रहा है। इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं का घर से बाहर

निकलना इस बात का संकेत था कि जनता के मन में परिवर्तन की तीव्र आकांक्षा थी। जैसे ही चुनाव परिणाम आधिकारिक रूप से घोषित हुए राज्य में राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का एक ऐसा दौर आरंभ हुआ जिसने पूरे राष्ट्र का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया। विपक्षी दलों और राजनीति के जानकारों ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने लोकतांत्रिक परंपराओं का सम्मान करने के स्थान पर टकराव का मार्ग चुन लिया है। निर्वाचन परिणामों के तत्काल पश्चात उन्होंने जो वक्तव्य दिया उसने एक नया विवाद खड़ा कर दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यह उनकी हार नहीं है बल्कि एक सुनियोजित षड्यंत्र की जीत है। उन्होंने भारत के निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़े करते हुए दावा किया कि लगभग 100 निर्वाचन क्षेत्रों में जनादेश को लूटा गया है। इसके अतिरिक्त उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रों की विश्वसनीयता पर भी संदेह व्यक्त किया। उनके अनुसार कई मतदान यंत्रों में विद्युत संचय की क्षमता अर्थात बैटरी का स्तर असामान्य रूप से 99 प्रतिशत पाया गया जो उनकी दृष्टि में किसी बड़ी गड़बड़ी का संकेत था। उन्होंने इस पूरे चुनाव को एक पूर्व निर्धारित खेल की संज्ञा दी जिसे सुनकर विपक्षी खेमे में भारी रोष व्याप्त हो गया। राजनीतिक विश्लेषकों का तर्क था कि यदि चुनाव प्रक्रिया में कोई विसंगति थी तो उसके लिए निर्धारित कानूनी और संवैधानिक मंच उपलब्ध हैं लेकिन सार्वजनिक रूप से पूरी लोकतांत्रिक संस्था पर प्रश्न उठाना जनमत का अनादर करने जैसा है। विवाद उस समय और अधिक गहरा गया जब ममता बनर्जी ने मुख्यमंत्री के पद से त्यागपत्र देने से स्पष्ट मना कर दिया। संसदीय लोकतंत्र की यह एक स्थापित मर्यादा रही है कि जब कोई सरकार विधानसभा में अपना बहुमत खो देती है तो वह नई सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त करने के लिए तत्काल पद छोड़ देती है। परंतु ममता बनर्जी ने तर्क दिया कि वह एक राजनीतिक और कानूनी लड़ाई लड़ रही हैं और वह तब तक पद नहीं छोड़ेंगी जब तक कि स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो जाती। इस निर्णय ने एक गंभीर संवैधानिक संकट को जन्म दिया। देश के प्रमुख संवैधानिक विशेषज्ञों ने इस पर चिंता व्यक्त की कि यदि निर्वाचन आयोग ने नई विधानसभा के गठन की अधिसूचना जारी कर दी है तो निवर्तमान सरकार का पद पर बने रहना अनैतिक और अवैध हो सकता है।

सद्गुरू बोधामृतम्

सद्गुरू ऋतेश्वर

◆ ये परमात्मा का सिद्धांत है कि हमारे ही कर्मों के फल हमें हमारे जीवन में मिलते हैं, तो जिस परेशानी का वर्तमान समय में सामना कर रहे हो वह तुम्हारे कर्मों की देन है।

◆ हम सब कुछ पावर और पैरों की निगाह से देखते हैं, अब जन्मों की आदत लग गई है। बचपन से हमारी आंखें जब भी कुछ देखती हैं तो पावर और पैसे के चश्में से देखती है; हमारा क्या लाभ है? वह आदमी हमें क्या दे सकता है? यहां संबंध नहीं बनते ऐसे, यह मजबूरियों का एक गठबंधन होता है जो टूट जाता है इसलिए परिवार टूट रहे हैं, प्रेमी टूट रहे हैं, जो प्रेमी कहते हैं अपने आप को, संबंधी टूट रहे हैं; एक ही कारण है बस यह दो चश्में और जैसे ही आप की दृष्टि उसके भीतर में यह ढूंढती है कि यह कृष्ण का कितना प्यारा है? यह जगतपिता से कितना प्रेम करता है? मनुष्यता से इसका कितना लगाव है? तो आपकी दृष्टि बदल जाएगी। अपनी दृष्टि को अंतिम दृष्टि मानकर धोखा मत खाना, यहां प्रतिपल सब कुछ बदलता रहता है।

आज का इतिहास

नई दिल्ली(वार्ता)। 1541: स्पेनिश खोजकर्ता फर्नांडो डी सोटो मिसिसिपी नदी तक पहुँचने वाले पहले यूरोपीय बने।1886: अमेरिकी फार्मासिस्ट जॉन एस. पैम्बर्टन ने अटलांटा में पहली बार कोका-कोला को एक टॉनिक के रूप में बेचा।1902: कैरेबियन द्वीप मार्टीनिक पर माउंट पेली के ज्वालामुखी विस्फोट से सेंट पियरे शहर नष्ट हो गया, जिससे हजारों लोगों की मौत हो गई।1933: महात्मा गांधी ने आत्म-शुद्धि के लिए 21 दिनों का उपवास शुरू किया।1945: द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनी के आत्मसमर्पण के बाद यूरोप में विजय दिवस (ड्ढश्व छ्वड्4) मनाया गया।1959: भारत के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने चीन को भारत के खिलाफ युद्ध जैसी धमकियों से बाज आने की चेतावनी दी।1978: राइनहोल्ड मेसनर और पीटर हेबलर ने ऑक्सीजन के बिना माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने का पहला कीर्तिमान बनाया।8 मई को मनाए जाने वाले दिवस:विश्व रेड क्रॉस दिवस: रेड क्रॉस के संस्थापक और पहले नोबेल शांति पुरस्कार विजेता हेनरी ड्यूनेंट के जन्मदिन (1828) के उपलक्ष्य में।

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

जाने कहां से आकर यहां तुमने नए से हौसले दिए गीतों के थके से चराग़ थे तुमने चराग झिलमिला दिए। किसको सुनाएं ये दर्दे दिल किसने हैं कितने जख्म दिए कई शाम आंधियों ने इधर आ कर नए रंजोगम दिये तुमने नेह वाले दुआ के स्वर हवाओं में, मिला दिए गीतों के थके से चराग....तड़पती रही,सिसकती रही दुनियां तपी रेगिस्तान सी जलती जलती किसी थार की ग़मे नदी की दास्तान सी बुझते हुए चिरागों को तुम खिले गुलों सा खिलखिला दिये गीतों के थके से चराग...। - **अजय कुमार सिंह भदौरिया**

यकीन था मुझे खुद पर तुम मना लोगे मुझे.... पर नफ़रतों ने तुम्हारी मेरे यकीन से यूँ बगावत कर दी जैसे लहरों को कोई सरोकार न हो साहिल से।

- वर्षा वार्ष्णेय

सोशल मीडिया में देख रहा हूँ– ÷धरती का स्वर्ग ÷ स्वर्गलोक के देवता जगमग उजेरे में देवदूतों के घेरे में गिरते-पड़ते, लुढ़कते-फुदकते भाग रहे हैं तहखाने की ओर; और एक सुरबाला, गुडुकते-गुडुकते कर रही है उनका अनुसरण ! 'स्वर्गलोक' की शिक्षा में– अद्भुत है नियम-- मार्ग-प्रशस्तिकरण ! - **पंकज कुमार बसंत**

समय बदलते देर न लगती, आज प्रशंसक कल आलोचक हो जाता है। दबे स्वर में कहा गया, एक दिन विस्फोटक हो जाता है। आग लगी जिसके घर में, उससे पूछो उसका दुख, जानोगे जो गैरों से, तो मसला रोचक हो जाता है।

- अलका अग्रवाल

माल वाले लोग किसी चीज का दाम 100 रुपये न रख के 99 रुपये रखते है ताकि मानसिकता तीन डिजिट यानि 100 तरफन जाकर दो डिजिट तरफजाने से सस्ता लगे मोदी सरकार ने इसे ध्यान रख कर कमर्शियल सिलेंडर को 1000 रुपये न करके 993 वृद्धि करके हजार वाली तीन डिजिट की मानसिकता से होने वाली परेशानी से देशवासियों को बचा लिया। बहुत बहुत आभार 7 रुपये की बम्पर छूट देने के लिए साहेब । - **संत आर थवाइत**

कैसे हैं अब रिश्ते - नाते , कैसी ये दुनियादारी है । दिल में ख़ार चुभाते ताने हैं और गरदन पर आरी है । ये घड़ियाली आँसू आँखों के , काम निकाले अपना बस , काम निकल जाने के बाद , शिकायत ही हर दिन जारी है ।

- ऐनुल बरौलवी

जिंदगी के आधी सेंचुरी बीत जाने के बाद बचपन के दोस्तों से मिलने खुशी अतुलनीय है। रविवार के दिन हम दोस्तों का मिलन हुआ।सच बोलें तो मजा आ गया। बहुत कुछ जो कुछ हम भूल गए थे सब फिर से याद आ गया। पता ही नही चला कब हम बच्चे से अधेड़ हो गए। उम्र कोई भी बचपन साथ रहना चाहिए।

- प्रीति श्रीवास्तव

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा धर्म कर्म आध्यात्म में रुचि बढ़ेगी। परोपकार के लिये भी तैयार रहेंगे लेकिन परिस्थिति इन सबको करने में बाधक बनेगी।

वृष: आज के दिन आप दिन भर शारीरिक कारणों से परेशान रहेंगे शरीर मे कोई ना कोई व्याधि लगी रहेगी एक को ठीक करेंगे तो दूसरी समस्या उभर आएगी सेहत ठीक भी रहे तो मानसिक तनाव निर्णय लेने मे व्यवधान डालेगा।

मिथुन: आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा आज दिन भर बीच बीच मे किसी की उद्दंडता पर क्रोध भी आएगा लेकिन इससे बचने का प्रयास करें अन्यथा सार्वजनिक क्षेत्र पर सम्मान में कमी आएगी।

कर्क: आज का दिन मानसिक रूप से उठा पटक वाला रहेगा। दिमाग मे आज कुछ न कुछ खुरापात लगी ही रहेगी लेकिन मन के भेद आज किसी से बताना पसंद नही करेंगे।

सिंह: आज आपका दिन पिछले दिनों की तुलना में अच्छा रहेगा लेकिन मानसिक क्लेश आज भी किसी न किसी कारण से लगा ही रहेगा। कोई भी काम बिना झंझट में पड़े सफल नही हो सकेगा।

कन्या: आपको आज का दिन सावधानी से बिताने की सलाह है दिमाग तो आज बात बात पर गर्म रहेगा ही किसी से अनजाने में कुछ ऐसा बोल देंगे जिसका बाद में पश्चाताप होगा लड़ाई होने पर प्रेम संबंध खराब होंगे वह अलग।

तुला: आज आपका पराक्रम बढ़ा हुआ रहेगा किसी भी काम मे जल्दी से हार नही मानेंगे। लेकिन कार्य व्यवसाय में अन्य के ऊपर निर्भर रहने के कारण चाहते हुए भी कुछ नही कर पाएंगे।

वृश्चिक: आज दिन के आरंभ में आप परिश्रम करने से बचेंगे लेकिन जितना इससे दूर भागेंगे उतने ही काम बढ़ेगे। शारीरिक रूप से ठीक रहेंगे क्रोध के समय किसी से बात ना करें।

धनु: आज के दिन आपका व्यक्तित्व निखरा हुआ रहेगा सार्वजनिक क्षेत्र पर आज आप जैसी छवि बनाएंगे।

मकर: आज के दिन आपको आर्थिक व्यावसायिक एवं घरेलू संबंधित विविध समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। सेहत भी नरम गरम बनी रहेगी।

कुंभ: आज का दिन लाभदायक रहेगा सोचा हुआ लाभ पाने के लिये प्रातः काल से ही योजना बनाकर कार्यो में लगना पड़ेगा। सेहत ठीक ही रहेगी।

मीन: आज के दिन आपकी दिनचर्या में सुधार आयेगा। दिन के आरंभ में किसी कारण से व्यर्थ की उलझन रहेगी परन्तु धीरे धीरे स्थिति सामान्य हो जाएगी।

QUIZ TIME

1) भारत का सबसे छोटा हवाई अड्डा का नाम क्या है?

2) 1858 में किस शहर को 1 दिन के लिए भारत की राजधानी बनाया गया था?

3) प्राचीन भारतीय ग्रंथ पंचसिद्धांतिका किसके 5 सिद्धांतों से संबंधित है?

4) 2025 में पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में खो खो विश्व कप किस देश ने जीता?

5) पोस्टोजन्या गुफा, जो हाल ही में खबरों में थी, किस देश में स्थित है?

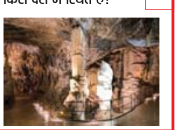

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) अगत्ती हवाई अड्डा, लक्षद्वीप (2) इलाहाबाद (3) वराहमिहिर (4) भारत (5) स्लोवेनिया

पहेली

शब्द सामर्थ्य -031

आम की छांव में बदले सपनों के मायने, करोड़पति दीदी बनने का सोचिए

■ सुशासन तिहार में वनांचल की महिलाओं से आत्मीय संवादरू संघर्ष की कहानियों में दिखी आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ की तस्वीर

रायपुर/नवप्रदेश। कबीरधाम जिले के दूरस्थ वनांचल क्षेत्र में 4 मई को सुशासन तिहार के दौरान एक ऐसा दृश्य देखने को मिला, जिसने सरकारी योजनाओं के असर को आंकड़ों से निकालकर मानवीय संवेदनाओं से जोड़ दिया। घने जंगलों और पहाड़ियों के बीच बसे ग्रामपंचायत लोखान के कमराखोल में जब मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय अचानक ग्रामीणों के बीच पहुंचे, तो वहां मौजूद महिलाओं के लिए यह केवल मुख्यमंत्री से मुलाकात नहीं थी, बल्कि अपने संघर्षों को पहचान मिलने का भावुक क्षण था।

आम के पुराने विशाल पेड़ की छांव में चौपाल सजी। मुख्यमंत्री महिलाओं और ग्रामीणों के बीच बैठकर उनसे सहज बातचीत कर रहे थे। गांव की महिलाएं खुलकर अपनी जिंदगी की कहानियां साझा कर रही थीं - कभी आर्थिक तंगी, सीमित अवसर और संघर्षों से भरी जिंदगी, तो आज स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने तक का सफर। जब मुख्यमंत्री को बताया गया कि बिहान योजना से जुड़कर यहां की कई महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं, तो उनके चेहरे पर संतोष और गर्व दोनों दिखाई दिए।

उन्होंने कहा - आप लोगों ने मेहनत और आत्मविश्वास से अपनी जिंदगी बदली है। अब यहीं मत रुकिए। बड़ा सोचिए, आगे बढ़िए। अब आपको करोड़पति दीदी बनने का सपना देखना है। मुख्यमंत्री के ये शब्द चौपाल में मौजूद नारीशक्ति के लिए किसी प्रेरणा से कम नहीं थे। ग्राम कुकदूर की श्रीमती कचरा तेलगाम ने अपनी कहानी साझा की। श्रीमती कचरा तेलगाम ने बिहान योजना से मिले दो लाख रुपये के ऋण से शटरिंग प्लेट्स खरीदीं और नया व्यवसाय शुरू किया। शुरुआत आसान नहीं थी, लेकिन मेहनत और लगन ने धीरे-धीरे उनकी जिंदगी बदल दी। आज उनके पास लगभग 1700 वर्गफुट शटरिंग सामग्री है और वे 22 से अधिक मकानों के निर्माण कार्य में सहयोग कर चुकी हैं।

चंद घंटों में कौशिल्या को मिला आयुष्मान कार्ड

रायपुर/नवप्रदेश। राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप आम जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु आयोजित सुशासन तिहार शिविर ग्रामीणों के लिए वरदान साबित हो रहे हैं। इसी क्रम में बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के ग्राम पंचायत मोहतरा में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में प्रशासन की संवेदनशीलता का एक अनूठा उदाहरण देखने को मिला, जहाँ ग्राम मोहतरा निवासी महिला कौशिल्या साहू को आवेदन करते ही तत्काल आयुष्मान कार्ड प्रदान किया गया।

महिलाओं को मिला 6-6 लाख का आर्थिक संबल

■ आत्मनिर्भरता की ओर बढ़े कदम

■ जन समस्या निवारण शिविर में महिलाओं को मिला आर्थिक सशक्तिकरण, सुशासन तिहार बना रोजगार का आधार

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा आयोजित सुशासन तिहार 2026 ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक प्रभावी पहल साबित हो रहा है। मोहला मानपुर अम्बागढ़ चौकी जिले के विकासखंड मानपुर के अंतर्गत ग्राम साल्हेभट्टी में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर इसका जीवंत उदाहरण बनकर सामने आया, जहां एनआरएलएम बिहान योजना के तहत स्व सहायता समूह की महिलाओं को बैंक लिंकेज के माध्यम से स्वरोजगार हेतु ऋण स्वीकृत कर लाभान्वित किया गया। इस शिविर में ग्राम जामड़ी की पदम वैष्णव देवी स्व सहायता समूह की 11 महिलाओं को सामूहिक मक्का खेती के लिए 6 लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया। समूह की सभी महिलाएं मध्यमवर्गीय किसान परिवारों से जुड़ी हैं और लंबे समय से खेती-किसानी में संलग्न रही हैं। अब इस आर्थिक सहयोग से वे संगठित होकर आधुनिक तरीके से सामूहिक मक्का उत्पादन करेंगी, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी और वे आर्थिक रूप से अधिक मजबूत बन सकेंगी। इसी प्रकार ग्राम औंधी की संत मरियम स्व सहायता समूह की 10 महिलाओं को भी 6 लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया।

जनसमस्या शिविर में त्वरित कार्रवाई से हाथों-हाथ हुआ राशन कार्ड जारी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेशभर में आयोजित सुशासन तिहार आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बन रहा है। शासन की संवेदनशील पहल से अब ग्रामीणों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं, बल्कि प्रशासन स्वयं गांव-गांव पहुंचकर लोगों की समस्याओं का निराकरण कर रहा है। सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत लक्ष्मणगढ़ में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में ग्राम पंचायत मरेया निवासी श्रीमती अनीता को नया राशन कार्ड प्रदान किया गया। उन्होंने शिविर में आवेदन प्रस्तुत किया था, जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर ही राशन कार्ड जारी कर दिया गया। अनीता ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि पहले राशन कार्ड नहीं होने के कारण परिवार को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि अब शासन की खाद्यान्न योजना का लाभ नियमित रूप से मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि इतनी जल्दी उनका काम हो जाएगा। गांव में ही समस्या का समाधान मिलने से वे बेहद संतुष्ट हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण सरल और सहज तरीके से हो रहा है।

सुशासन की मोटरसाइकिल से दुर्गम पहाड़ों तक पहुँचे कलेक्टर-एसपी, लगाई चौपाल

छत्तीसगढ़ सरकार के सुशासन तिहार 2026 अभियान के तहत अब विकास की किरण केवल दफ्तरों तक सीमित नहीं है, बल्कि सीधे सुदूर वनांचलों तक पहुँच रही है। इसी क्रम में छत्तीसगढ के सुकमा जिला प्रशासन ने संवेदनशीलता की एक नई मिसाल पेश की। बुधवार को कलेक्टर श्री अमित कुमार और पुलिस अधीक्षक श्री किरण चव्हाण ने किसी प्रोटोकॉल की परवाह न करते हुए, खुद मोटरसाइकिल चलाकर 30 किलोमीटर लंबे उबड़-खाबड़ और दुर्गम रास्तों को पार किया और पहुंचविहीन ग्राम गोंडेरास व नीलावाया पहुँचे।

जिला प्रशासन सुशासन तिहार के माध्यम से 31 व्यक्तिगत योजनाओं और 14 सामुदायिक सुविधाओं को सीधे ग्रामीणों के द्वार तक पहुँचा रहा है। कलेक्टर और एसपी का यह दौरा साबित करता है कि जब प्रशासन संवेदनशीलता के साथ दूरी मिटाता है, तो जनता के मन में व्यवस्था के प्रति विश्वास और बदलाव की नई उम्मीद जागती है।

गोंडेरास गांव में कलेक्टर और एसपी ने किसी आलीशान मंच के बजाय इमली के पेड़ के नीचे बिछी खाट पर बैठकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। ग्रामीणों द्वारा सोलर प्लेट्स के खराब होने की शिकायत पर कलेक्टर ने तत्काल क्रेडा विभाग को सभी घरों में मरम्मत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गाँव में आंगनबाड़ी और पंचायत भवन जैसे बुनियादी कार्यों के लिए 70 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई, जिसकी जिम्मेदारी ग्राम पंचायत को ही सौंपी गई है। शिविर में 17 किसान क्रेडिट कार्ड, 12 जाति प्रमाण पत्र और 11 पीएम-किसान प्रकरणों का निराकरण, 2 किसान किताब, 2 पटवारी प्रतिवेदन सहित कई दस्तावेज मौके पर ही वितरित किए गए।

स्वास्थ्य सुरक्षा और पुलिया की सौगात

ग्राम नीलावाया पहुँचकर अधिकारियों ने जमीन पर बैठकर चौपाल लगाई। बारिश के दिनों में ग्रामीणों को होने वाली 15 किमी की अतिरिक्त दूरी को खत्म करने के लिए कलेक्टर ने मौके पर ही नाले पर पुलिया निर्माण की स्वीकृति दी। 4 मोतियाबिंद मरीजों को जिला अस्पताल भेजने और गर्भवती महिलाओं के सुरक्षित प्रसव के लिए सचिव को कड़े निर्देश दिए गए।

सुशासन तिहार 2026 से किसानों को मिल रहा वैज्ञानिक खेती का मार्गदर्शन

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आयोजित सुशासन तिहार 2026 के माध्यम से किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती के लिए प्रेरित किया जा रहा है। शासन की पहल से अब कृषि विभाग की टीम गांव-गांव पहुंचकर किसानों को उन्नत खेती की तकनीकों और मृदा परीक्षण के प्रति जागरूक कर रही है। सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत मानपुर निवासी किसान श्री लालजी यादव ने कृषि विभाग के मार्गदर्शन में अपनी भूमि की मिट्टी का परीक्षण कराया है। इससे अब उन्हें खेत की मिट्टी में उपलब्ध पोषक तत्वों की सही जानकारी मिल सकेगी और वे आवश्यकता अनुसार संतुलित मात्रा में खाद एवं उर्वरकों का उपयोग कर सकेंगे। किसान लालजी यादव ने बताया कि पहले बिना जानकारी के खाद का उपयोग किया जाता था, जिससे लागत बढ़ती थी। अब मिट्टी परीक्षण के आधार पर खेती करने से कम लागत में बेहतर उत्पादन मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि कृषि अधिकारी नियमित रूप से किसानों तक पहुंचकर वैज्ञानिक खेती की जानकारी दे रहे हैं, जिससे किसानों का आत्मविश्वास बढ़ रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से किसानों को सीधे गांव में ही आवश्यक मार्गदर्शन और सुविधाएं मिल रही हैं, जिससे खेती को लाभकारी बनाने में मदद मिल रही है।

केबिनेट मंत्री टंक राम वर्मा का कल सारंगढ़ और झुमका दौरा

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, पुनर्वास तथा उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा शुक्रवार 08 मई 2026 को सारंगढ़-बिलाईगढ़ और झुमका के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे विभिन्न सामाजिक और शासकीय कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मंत्री टंक राम वर्मा सुबह 08.30 बजे रायपुर स्थित शासकीय आवास (शंकर नगर) से सारंगढ़-बिलाईगढ़ के लिए प्रस्थान करेंगे और मुख्यमंत्री कन्या विवाह कार्यक्रम (मण्डी प्रांगण) में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। दोपहर 1 बजे रेस्ट हाउस, सारंगढ़ में कार्यकर्ताओं से भेंट-मुलाकात करने के बाद दोपहर 03.15 बजे झुमका पहुंचेंगे और सुशासन तिहार कार्यक्रम में शामिल होंगे। राजस्व मंत्री शाम 5.30 बजे झुमका से वापस रायपुर के लिए रवाना होंगे।

सिंचाई योजना के कार्यों के लिए 2.67 करोड़ की राशि स्वीकृत

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा कोण्डागांव जिले के अंतर्गत भण्डारसिवनी, लंजोड़ा, नारंगी उद्वहन सिंचाई योजना के मोटर पंप बदलने, पुनः विद्युतीकरण कार्य एवं सोलर एल.ई.डी. हाईमास्ट लाईट लगाने 2 करोड़ 67 लाख 52 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। सिंचाई योजना के प्रस्तावित कार्यों को पूर्ण हो जाने के बाद योजना के अंतर्गत 1391 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी। योजना के कार्यों को पूरा कराने के लिए मुख्य अभियंता महानदी परियोजना जल संसाधन विभाग रायपुर को प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है।

सिमड़ा ग्राम पंचायत में श्रमदान कर दिया स्वच्छता का संदेश

रायपुर/नवप्रदेश। जशपुर कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में सुशासन तिहार 2026 के तहत ग्राम पंचायतों एवं नगरीय क्षेत्रों में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में दुलदुला विकासखंड के ग्राम पंचायत सिमड़ा में सामूहिक स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। सुशासन तिहार के अवसर पर आयोजित इस अभियान में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं ग्रामीणों ने मिलकर गांव में साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। श्रमदान के माध्यम से गांव के सार्वजनिक स्थलों और परिसर की सफाई की गई तथा लोगों को स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए जागरूक किया गया।

समोदा बैराज तट बचाव कार्य के लिए 4.95 करोड़ रुपये स्वीकृत

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा महासमुंद जिले के विकासखण्ड-महासमुंद में महानदी स्थित समोदा बैराज के अपस्ट्रीम में दाँयी तट में निर्मित महामाया मंदिर एवं तट का बचाव कार्य हेतु 4 करोड़ 95 लाख 47 हजार रुपये स्वीकृत किये गये हैं। सिंचाई योजना के तहत समोदा बैराज के अपस्ट्रीम में दाँयी तट में कटाव रोकने हेतु तटबंध का निर्माण किया जायेगा।

सुदूर व पहाड़ी कोरवा बसाहटों में 113 हैंडपंप व बोरवेल की होगी खुदाई

कोरवा बसाहटों में पेयजल संकट के स्थायी समाधान की दिशा में बड़ा कदम'

रायपुर/नवप्रदेश। सरगुजा जिले के सुदूर एवं पहाड़ी कोरवा बसाहटों में पेयजल संकट के स्थायी समाधान की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। अब इन क्षेत्रों में कुल 113 हैंडपंप एवं बोरवेल की खुदाई की जाएगी, जिससे ग्रामीणों को पारंपरिक स्रोतों से पानी लाने की मजबूरी से राहत मिलेगी। विगत दिनों मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सरगुजा जिले में पेयजल समस्या को गंभीरता से लेते हुए जिला कलेक्टर को तत्काल प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री ने कहा था कि दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को मूलभूत सुविधाओं से वंचित नहीं होना पड़े। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया था कि शासन की योजनाओं खासकर बुनियादी जरूरतों का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना यह सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी क्रम में सरगुजा कलेक्टर एवं जिला खनिज संस्थान न्यास अध्यक्ष श्री अजीत वसंत ने मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित विभागों को एक माह के भीतर सभी 113 हैंडपंप एवं बोरवेल कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने बताया कि स्थलीय सर्वे पहले ही कर लिया गया है जिले के लुण्ड्रा में 34, बतौली में 06, लखनपुर में 22, अम्बिकापुर में 11, सीतापुर में 16, मैनपाट में 20 तथा उदयपुर में 04 इस तरह इन विकासखण्डों में डीएमएफ मद से 113 हैंडपंप एवं बोरवेल खनन की जाएगी। 24 अप्रैल को आयोजित जिला खनिज संस्थान न्यास की शासी परिषद की बैठक में पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, सहित अन्य सदस्यों की सहमति से यह कार्य की स्वीकृति दी गई है। हैंडपंप खनन, बोरवेल खनन कर दीर्घकालिक समाधान के लिए पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

'आदिवासी किसान रैनु राम को मिला अपनी भूमि का अधिकार'

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा आयोजित सुशासन तिहार 2026 आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान और पारदर्शी प्रशासन का एक सशक्त उदाहरण बनकर सामने आया है। इसी कड़ी में मोहला मानपुर अम्बागढ़ चौकी जिले के विकासखंड मानपुर के अंतर्गत ग्राम साल्हेभट्टी में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में ग्राम सेण्डेवाही के आदिवासी किसान श्री रैनु राम, जो वर्षों से अपनी भूमि के स्वामित्व संबंधी दस्तावेज़ के अभाव में कई प्रकार की परेशानियों का सामना कर रहे थे, उनकी समस्या को गंभीरता से लेते हुए राजस्व विभाग ने स्वामित्व योजना के अंतर्गत उन्हें भूमि का पट्टा पत्रक प्रदान किया गया।

कच्ची मकान, टपकाती छत से मिली मुक्ति वर्षों का सपना हुआ पक्का

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सुशासन की सरकार और संवेदनशील सरकार ने आवासहीन परिवारों को पक्की छत देने के लिए कृतसंकल्पित है। यह योजना न केवल लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने में सहायक है, बल्कि उन्हें एक सुरक्षित और स्थिर आवास भी प्रदान करती है। राज्य सरकार की इसी पहल से न केवल चौतलाल मरावी एवं सुखयारिन बाई मेरावी का सपना साकार हुआ है,बल्कि यह पहल पूरे राज्य में एक नई उम्मीद और उज्ज्वल भविष्य की किरण साबित हो रही है। आशाएं जब जीवंत रूप लेती हैं तो उसकी खुशी पूरे घर में साझा की जाती है। ऐसा ही एक दृश्य विगत दिनों खैरागढ़ छुईखदान गंडई जिले के ग्राम सरोधी निवासी में देखने को मिला.जहां प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत लोगों का आवास का सपना साकार हुआ है। चौतलाल मरावी ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना उनके लिए वरदान साबित हुई है। वे पुराने दिनों की कठिनाइयों को याद करते हुए बताती हैं कि कच्चे मकान में रहना काफी तकलीफदायक था। मौसम के अनुसार विभिन्न परेशानियों का सामना करना पड़ता था। कभी छत टपकती थी तो कभी ठंड से रात भर नींद पूरी नहीं होती थी। अब पक्का मकान मिलने से उनकी ये समस्याएं दूर हो गई हैं।

खाद्यान्न की बर्बादी में रोक लगेगी, किसानों को उनकी उपज का सही दाम मिलेगा

विश्व की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना में धमतरी ने गढ़ा कीर्तिमान

■ प्रदेश के कुल चने का 50 प्रतिशत अकेले खरीदा

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में विश्व की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना को धरातल पर उतारने में धमतरी जिला एक मॉडल बनकर उभरा है। सहकारी क्षेत्र को मजबूती देने वाली केंद्र और राज्य शासन की इस महत्वाकांक्षी पहल के तहत धमतरी ने न केवल भंडारण बुनियादी ढांचे में विस्तार किया है, बल्कि चना खरीदी के क्षेत्र में नया इतिहास रचते हुए पूरे प्रदेश को पीछे छोड़ दिया है।

धमतरी जिले ने कृषि क्षमता और प्रशासनिक मुस्तैदी का लोहा मनवाते हुए

अब तक 97 हजार क्विंटल चने की खरीदी पूरी कर ली है। प्रारंभिक लक्ष्य 1 लाख क्विंटल रखा गया है,जिसमे वर्तमान स्थिति लक्ष्य के करीब होने के बावजूद खरीदी निरंतर जारी है। पूरे छत्तीसगढ़ राज्य में हुई कुल चना खरीदी का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा अकेले धमतरी जिले से दर्ज किया गया है।

'क्या है विश्व की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना?': भारत सरकार द्वारा 31 मई 2023 को शुरू की गई इस योजना का मुख्य उद्देश्य गांवों में ही पीएसीएस के माध्यम से भंडारण, प्रोसेसिंग यूनिट और कस्टम हायरिंग सेंटर स्थापित करना है। इससे न केवल परिवहन लागत में कमी आएगी, बल्कि भंडारण के अभाव में होने वाली अनाज की बर्बादी पर भी लगाम लगेगी।

'4 पैक्स समितियों में बनेंगे 2500 मीट्रिक टन के महा-गोदाम'

योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु एनसीसीएफ रायपुर द्वारा जिले की चार प्रमुख प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों को गोदाम हायरिंग एश्योरेंस लेटर जारी कर दिए गए हैं। अंवरी, कोसमर्रा, पोटियाडीह और कोलियारी समितियों में अत्याधुनिक भंडारण व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। प्रत्येक गोदाम की क्षमता 2500 मीट्रिक टन होगी, जिसे विशेष रूप से चने के वैज्ञानिक भंडारण के लिए तैयार किया जा रहा है।

प्रशासनिक सक्रियता और रणनीति

योजना को गति देने के लिए एग्रीमेंट और एमओयू की प्रक्रिया तेजी से पूर्ण कर ली गई है। जमीनी स्तर पर तकनीकी समस्याओं के समाधान हेतु एनसीसीएफ मुख्यालय, नई दिल्ली के साथ आरसीएस अधिकारियों और पैक्स प्रबंधकों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उच्च स्तरीय बैठक की तैयारी की जा रही है। गौरतलब है कि धमतरी जिले ने चना खरीदी और भंडारण व्यवस्था में जो उत्कृष्टता दिखाई है, वह किसानों की मेहनत और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय का परिणाम है।

नए पर्यटन केंद्र के रूप में उभर रहा पिच्चेकट्टा का मावली हिल्स

■ **सांसद ने किया वॉटर एडवेंचर का शुभारंभ**

कांकेर/नवप्रदेश। प्रकृति के अप्रतिम सौंदर्य से भरपूर कांकेर जिले में पर्यटन की अपार संभावनाएं है। इसी क्रम में भानुप्रतापपुर क्षेत्र की ग्राम पंचायत मुल्ला के पिच्चेकट्टा जलाशय भी नए वॉटर एडवेंचर के रूप में विकसित हो रहा है। बुधवार को सांसद भोजराज नाग ने यहां मावली हिल्स के नाम से विकसित किए गए नए वॉटर एडवेंचर का शुभारंभ किया। इस दौरान भानुप्रतापपुर विधायक सावित्री मंडावी भी उपस्थित थीं।

मुख्य अतिथि की आसंदी से सांसद नाग ने संबोधित करते हुए कहा कि कांकेर जिले में पिच्चेकट्टा जैसे सैकड़ों पिकनिक स्पॉट है लेकिन पिछ्ले कई दशकों तक माओवादियों के आतंक के चलते यहां की पर्यटन केंद्रों का समुचित विकास नहीं हो पाया। उन्होंने कहा कि पहले बस्तर की पहचान गोला-बारूद से होती थी।अब यह पर्यटन केंद्र के तौर पर जाना जाएगा। सांसद नाग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी केंद्रीय गृहमंत्री

अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की दृढ़ इच्छाशक्ति से नक्सलवाद खत्म हो गया है।भानुप्रतापपुर विधायक ने कहा कि पिच्चेकट्टा जलाशय प्राकृतिक सुंदरता से परिपूर्ण है और इससे सैलानियों की आवाजाही बढ़ने से स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने कहा कि माओवादियों की मौजूदगी के कारण कुछ क्षेत्र में विकास कार्य नहीं हो पाए थे किन्तु अब ऐसे सभी जगहों का प्राथमिकता से विकास होगा। उन्होंने बताया कि जनप्रतिनिधियों के निर्देश पर विकास कार्य पर्यटन स्थलों में कार्य कराए जा रहे हैं यहां जो भी मूलभूत सुविधाओं की आवश्यकता होगी।उसे जिला प्रशासन द्वारा प्राथमिकता से पूर्ण किया जाएगा। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य देवेंद्र टेकाम निखिल सिंह राठौर जनपद सदस्य विष्णु कचलाम जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी सहित स्थानीय सरपंच एवं जनप्रतिनिधिगण और ग्रामीणजन काफी संख्या में मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

आंगनबाड़ी बच्चों संग विधायक न्योता भोज में हुए शामिल

बच्चों संग विधायक ने लिया भोजन का आनंद

कांकेर/नवप्रदेश। गुरुवार को कांकेर विधानसभा के लोकप्रिय विधायक आशा राम नेताम ने अपने पैतृक गृहग्राम बेवरती के आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक 2 में आयोजित न्यौता भोज कार्यक्रम में शामिल हुए।न्यौता भोज कार्यक्रम में विधायक आशा राम नेताम शामिल होकर नन्हे बच्चों को खुद भोजन परोसा उसके बाद आंगनबाड़ी केंद्र में अध्यनरत नन्हें बच्चों के साथ बैठकर भोजन किया।इस दौरान विधायक आशा नेताम सरपंच विष्णु नेताम सहित आंगनबाड़ी सहायिका कार्यकर्ता उपस्थित थे।

उच्चतम न्यायालय में किया जाएगा 21 से 23 अगस्त को विशेष लोक अदालत का आयोजन

कांकेर/नवप्रदेश। उच्चतम न्यायालय द्वारा 21.22 एवं 23 अगस्त 2026 को विशेष लोक अदालत (समाधान समारोह) का आयोजन किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य न्यायालयों में लंबित मामलों का त्वरित, सुलभ एवं आपसी सहमति के आधार पर प्रभावी निराकरण करना है। इस विशेष लोक अदालत में विभिन्न प्रकार के सुलह योग्य मामलों का निपटारा किया जाएगा, जिनमें बैंक संबंधी प्रकरण चेक बाउंस, उपभोक्ता विवाद सिविल एवं दाण्डिक सुलह योग्य मामले पारिवारिक विवाद मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण श्रम एवं औद्योगिक विवाद भूमि अधिग्रहण सेवा संबंधी मामले तथा स्थानांतरण याचिकाएं शामिल हैं। इसके अलावा अन्य ऐसे प्रकरण भी लिए जाएंगे, जिनका आपसी समझौते के आधार पर समाधान संभव है। जिन पक्षकारों के मामले वर्तमान में उच्चतम न्यायालय में लंबित हैं, वे इस विशेष लोक अदालत के माध्यम से अपने मामलों का शीघ्र निराकरण करवा सकते हैं। इसके लिए इच्छुक पक्षकारों को निर्धारित गूगल फॉर्म भरकर अपने प्रकरण को लोक अदालत में सूचीबद्ध कराना होगा। इस विशेष लोक अदालत की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि पक्षकारों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए वर्चुअल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई की व्यवस्था भी की गई है। इससे देश के विभिन्न स्थानों पर रहने वाले पक्षकार बिना व्यक्तिगत उपस्थिति के अपने अधिवक्ताओं के साथ ऑनलाइन जुड़कर अपने मामलों का निपटारा कर सकेंगे। यह सुविधा समय धन एवं संसाधनों की बचत के साथ प्रक्रिया को अधिक सरल और सुलभ बनाती है। सभी संबंधित पक्षकारों अधिवक्ताओं एवं हितधारकों से अपील की गई है कि वे इस विशेष लोक अदालत का अधिकतम लाभ उठाकर अपने लंबित प्रकरणों का शीघ्र एवं सौहार्द्रपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें।

जिले के 4 मेधावी छात्र 10 मई को देखेंगे रायपुर में आईपीएल मैच

कांकेर/नवप्रदेश। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले के मेधावी छात्रों को रायपुर के स्टेडियम में 10 मई को आयोजित होने वाले आईपीएल मैच का सीधा प्रसारण दिखाया जाएगा। इसी क्रम में राज्य की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले जिले के 4 विद्यार्थियों को मैच दिखाने के लिए रायपुर भेजा जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार चारामा विकासखण्ड के हायर सेकण्डरी स्कूल लखनपुरी की कुमारी महेश्वरी, कोयलीबेड़ा के हायर सेकण्डरी स्कूल कन्या कापसी की कुमारी अपर्णा विश्वास और कांकेर विकासखण्ड के पीएमश्री उत्कृष्ट विद्यालय नरहरदेव के यश खोब्रागढ़े तथा कक्षा 10वीं में चारामा के निजी स्कूल की एक छात्रा कुमारी ईशा दुर्गाशी को 10 मई को रायपुर भेजा जाएगा। उन्हें लाने, ले जाने के लिए शिक्षकों को नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

नदी के पानी पर निर्भर पशु पक्षी मवेशियों पर छाया संकट, ग्रामीणों ने कलेक्टर से लगाई गुहार

हाराडुला एनीकेट बंद होने से आधा दर्जन गांव निस्तारी समस्या से जूझ रहा

कांकेर/नवप्रदेश। चारामा के ग्राम पंचायत हाराडुला एनीकट गेट बंद होने से नीचे के गाँव से लगे महानदी में जल की कमी की समस्या से ग्रामीण निस्तारी निराकरण के लिए कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर उचित कार्यवाही की मांग किया गया है।

चारामा विकासखंड के ग्राम हाराडुला के ग्रामीणों ने बताया कि प्रशासन के द्वारा समय-समय पर दुधावा बाँध से नदी के सटे गाँवो में निस्तारी के लिए पानी छोडा जाता है मगर हाराडुला एनीकट गेट बंद होने के वजह से नीचे के गाँव में निस्तारी के लिए पानी नहीं पहुँच पाता है।इसके अलावा गांव के मवेशीयो के पीने के पानी की विकट समस्या आन पड़ी है।

सबसे अहम बात यह है कि एनीकट के नीचे बसे हुए गाँव में वर्तमान समय में पानी की अत्यधिक कमी हो गई है।इस कारण नीचे के गाँवों जैसे सराधुनवागाँव करिहा जैसाकर्रा

माहुद मचान्दुर के आम नागरिकों को दैनिक उपयोग हेतु जल की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही नदी पर निर्भर पशु पक्षियों एवं अन्य जीव. जंतुओं के लिए भी पेयजल संकट उत्पन्न हो गया है।गर्मी के मौसम को देखते हुए यह समस्या और भी गंभीर रूप ले सकती है जिससे जनजीवन प्रभावित होने की आशंका है।अतः आपसे निवेदन है कि इस समस्या के त्वरित निराकरण हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएं जैसे कि नदी में जल संरक्षण/जल आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

कलेक्टर से निवेदन है कि उक्त समस्या पर शीघ्र कार्यवाही कर जनहित में समाधान करने की मांग किया गया है। ज्ञापन सौंपने वालो में घनश्याम भारद्वाज गौरव निशाद अशोक जैन जग्गद निषाद ललित साहू आशीष उइके प्रकाश लोहले टीकम तारम, महावीर सिन्हा भुनेश्वर सिन्हा प्रह्लाद साहू चुम्मन निषाद साथ और भी गार्मिन मोजूद थे।

रेत निकालने गेट बंद, ग्रामीणों की निस्तारी समस्या बढ़ी !

बता दे कि चारामा के सराधुनवागाँव करिहा जैसाकर्रा माहुद मचान्दुर जैसे नदियों में रेत होने के कारण रेत के ठेकेदार रेत निकालने के लिए गेट बंद करने का ग्रामीणों ने आरोप लगाया है। पानी की निकासी बंद होने से करीब आधा दर्जन गांव के ग्रामीणों को निस्तारी की समस्या उत्पन्न हो चुकी है। इसके अलावा इन गांव के मवेशीयो पर भी पीने के पानी का संकट छाया हुआ है।गांव के मवेशीयो के अलावा इस भीषण गर्मी में छोटे छोटे जीव जंतु पशु पक्षियों के लिए सुखी नदी से संकट गहरा गया है। ग्रामीणों ने मांग किया है कि समय रहते इस भीषण गर्मी में निस्तारी का निराकरण नहीं होने से गांव पर और भी संकट गहराता नज़र आ रहा है।

सुप्रीम कोर्ट में अगस्त 2026 में आयोजित होगी विशेष लोक अदालत

कोरिया/नवप्रदेश। सुप्रीम कोर्ट द्वारा न्याय प्रक्रिया को अधिक सरल, सुलभ एवं त्वरित बनाने के उद्देश्य से 'समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत) 2026 की शुरुआत 21 अप्रैल 2026 से की गई है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बैकुंठपुर से मिली जानकारी के अनुसार इस विशेष अभियान के अंतर्गत देशभर में सुलह एवं आपसी सहमति के माध्यम से लंबित मामलों के निराकरण की प्रक्रिया संचालित की जा रही है। अभियान का समापन 21,22 एवं 23 अगस्त 2026 को सुप्रीम कोर्ट परिसर, नई दिल्ली में आयोजित विशेष लोक अदालत के साथ होगा। इस पहल का उद्देश्य न्यायिक प्रक्रिया को अधिक सहभागी एवं प्रभावी बनाते हुए विवादों का समाधान संवाद और सहमति के माध्यम से करना है। इससे न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के भार को कम करने के साथ.साथ पक्षकारों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने में भी सहायता मिलेगी। अभियान के तहत 21 अप्रैल 2026 से राज्यए जिलाए तालुका एवं उच्च न्यायालय स्तर पर विधिक सेवा प्राधिकरणों तथा मध्यस्थता केंद्रों में पूर्व.सुलह बैठकों का आयोजन किया जा रहा है।

अवैध रेत उत्खनन पर बड़ी कार्रवाई

■ **माइनिंग विभाग ने 10 हाइवा किए जब्त**

■ **बिना पीटपास परिवहन कर रहे वाहन पर हुई कार्यवाही...**

■ **भानुप्रतापपुर-दुर्गूकोंदल सहित मचांदूर नाके पर भी कई गाड़ियों पर कारवाई**

कांकेर/नवप्रदेश। जिले में लगातार बढ़ रहे अवैध रेत उत्खनन और खनिज परिवहन के खिलाफ माइनिंग विभाग ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए 10 हाइवा वाहनों को जब्त किया है। इनमें सात हाइवा रेत से भरे हुए थे, जबकि तीन हाइवा गिट्टी का परिवहन कर रहे थे। सभी वाहनों के पास वैध पीटपास नहीं मिलने पर माइनिंग विभाग ने उन्हें जब्त कर थाना परिसर में खड़ा करा दिया। कार्रवाई के बाद अवैध खनिज कारोबारियों में हड़कंप मच गया है।

माइनिंग अधिकारी ने बताया कि विभाग को पिछले कई दिनों से ग्रामीणों एवं मीडिया के माध्यम से लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि जिले के कई क्षेत्रों में अवैध रूप से रेत उत्खनन कर बिना अनुमति परिवहन किया जा रहा है। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए विभागीय टीम को भानुप्रतापपुर एवं दुर्गूकोंदल क्षेत्र में जांच और कार्रवाई के लिए रवाना किया गया था।

जांच के दौरान विभागीय टीम ने कई हाइवा वाहनों को रोका। दस्तावेजों की जांच करने पर सात हाइवा रेत से भरे मिले, लेकिन उनके पास वैध पीटपास नहीं था। इसी प्रकार तीन अन्य हाइवा गिट्टी का परिवहन करते पाए गए, जिनके पास भी आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं थे। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर सभी वाहनों को जब्त कर संबंधित थाना में खड़ा करा दिया गया।

कार्रवाई यहीं नहीं रुकी। माइनिंग विभाग की टीम ने मचांदूर नाके के पास भी सघन जांच अभियान चलाया, जहां लगभग पांच से सात अन्य गाड़ियों की जांच की गई। इनमें भी कई वाहन बिना पीटपास खनिज परिवहन करते पाए गए, जिन पर विभाग द्वारा नियमानुसार कार्रवाई की गई। हालांकि विभाग ने इन वाहनों की अंतिम संख्या की पुष्टि नहीं की है। लगातार हो रही कार्रवाई से यह साफ संकेत मिला है कि प्रशासन अब अवैध खनिज उत्खनन और परिवहन के खिलाफ सख्त रुख अपनाने के मूड में है। जिले के कई ग्रामीण इलाकों में लंबे समय से रात के अंधेरे में रेत उत्खनन और भारी वाहनों की आवाजाही को लेकर स्थानीय लोग परेशान थे। ग्रामीणों का आरोप है कि अवैध उत्खनन से नदी-नालों का अस्तित्व खतरे में पड़ रहा है, वहीं भारी वाहनों के कारण सड़कों की स्थिति भी खराब हो रही है।

आगे भी जारी रहेगी कार्रवाई

माइनिंग अधिकारी ने स्पष्ट किया कि अवैध खनिज परिवहन करने वालों के खिलाफआगे भी लगातार अभियान जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि बिना वैध दस्तावेजों के खनिज परिवहन करने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद जिले में अवैध रेत कारोबार से जुड़े लोगों में बेचैनी देखी जा रही है।

सड़क निर्माण और शौर्य लाइट से जल्द रोशन होगी अंतागढ़ की सड़के: उसेंडी

■ **विधायक विक्रम उसेंडी के प्रयास से लोगों को मिलेगी राहत**

अंतागढ़/नवप्रदेश। अंतागढ़ नगर के मद्रासी पारा क्षेत्र में लंबे समय से खराब सड़क और धूल-धक्कड़ की समस्या से लोग परेशान थे। जिससे अब जल्द ही निजात मिलेगी उल्लेखनीय है नगर के मद्रासी पारा मुख्य सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे होने के कारण आए दिन छोटी-मोटी दुर्घटनाएं होना आम बात हो गई थी। वहीं सड़क से उड़ने वाली धूल ने स्थानीय लोगों का जीना मुश्किल कर दिया था। राहगीरों, दुकानदारों, विद्यार्थियों और आसपास रहने वाले परिवारों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

फिलहाल यह मार्ग निर्माणाधीन है, लेकिन नगर क्षेत्र की सड़क होने के कारण लोगों की दिक्कतें और बढ़ गई थीं। लोगों की लगातार शिकायतों और परेशानी को देखते हुए दो दिवसीय दौरे पर आए क्षेत्रीय विधायक विक्रम उसेंडी ने मामले को गंभीरता से लिया। स्थानीय फॉरेस्ट रेस्ट हाउस में सड़क निर्माण से जुड़े ठेकेदार और संबंधित विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। विधायक ने विशेष रूप से मद्रासी पारा से संजय निकुंज तक सड़क निर्माण कार्य जल्द पूरा करने को कहा है ताकि आम नागरिकों को राहत मिल सके। जानकारी के अनुसार, सड़क निर्माण के साथ-साथ अब अंतागढ़ के उन्मुक्त खेल मैदान से अटल चौक मद्रासी पारा तक सड़क किनारे शौर्य लाइट भी लगाई जाएगी। इसकी तैयारी लगभग पूरी कर ली गई है और आने वाले कुछ दिनों में कार्य शुरू कर दिया जाएगा। आधुनिक शौर्य लाइट लगने से पूरे मार्ग पर बेहतर रोशनी उपलब्ध होगी, जिससे रात के समय आवागमन और अधिक सुरक्षित हो जाएगा।

'कांकेर के गौरव' समारोह में वित्त मंत्री ने विद्यार्थियों को दिया सफलता का मूलमंत्र

कांकेर/नवप्रदेश। कांकेर जिला बस्तर की बौद्धिक राजधानी है, जहां साल-दर-साल शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार स्थापित हुए हैं। उत्तीर्ण विद्यार्थियों के मामले में कांकेर जिला राज्य में तीसरे स्थान पर है, वहीं प्रावीण्य सूची में चार बच्चों ने जगह बनाई। जीवन में नये और सकारात्मक बदलाव शिक्षा से ही संभव है, लेकिन यह सफलता का अंतिम पड़ाव नहीं है। इतिहास देखें तो पता चलता है कि अभाव और आगे बढ़ने की दृढ़ इच्छाशक्ति से ही वास्तविक कामयाबी मिली है।''

उक्त बातें प्रदेश के वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण तथा योजना एवं सांख्यिकी मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने जिला पंचायत के सभाकक्ष में उपस्थित प्रतिभावान विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहीं। अवसर था- स्कूल शिक्षा विभाग 'कांकेर के गौरव' कार्यक्रम अंतर्गत विद्यार्थियों एवं प्राचार्यों के सम्मान समारोह का। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने अपने सफल जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए विद्यार्थियों से कहा कि जीवन में कुछ बड़ा करना हो तो सोच और लक्ष्य भी बड़ा होना चाहिए। हर सफल व्यक्ति अपने व्यक्तिगत अनुभवों और जीवन की कठिनाइयों से सीख लेकर आगे बढ़ता है और खुद को स्थापित करता है।

कमजोरियों पर विजय पाकर ही मिलती है सफलता

उन्होंने सभी मौजूद विद्यार्थियों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए आगे बताया कि अपनी मां की प्रेरणा से आगे बढ़ने की राह मिली और सफलता का मुकाम हासिल किया। आज के प्रतियोगी वाले दौर में इनोवेशन और मोटिवेशन दोनों ही बहुत जरूरी है। इसके बिना लक्ष्य

हासिल करना असंभव होता है और वास्तव में कामयाबी तभी मिलती है जब व्यक्ति अपनी कमजोरियों पर विजय पा लेता है। मंत्री श्री चौधरी ने उपस्थित प्राचार्यों को भी नसीहत देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ सृजनात्मक एवं आजीविकामूलक गतिविधियों के लिए भी प्रेरित और प्रोत्साहित करें।इसके पहले सांसद भोजराज नाग और विधायक श्री आशा राम नेताम ने भी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कांकेर जिले के साथ-साथ प्रदेश और देश में भी अपना और जिले का नाम रौशन करने की बात कही तथा उन्हें सफल बनाने में अथक प्रयास करने वाले शिक्षकों को भी बधाई दी। कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने जानकारी देते हुए बताया कि विगत वर्षों की तुलना में कांकेर जिला ने इस वर्ष बेहतर प्रदर्शन किया गया है तथा 'हमर लक्ष्य' अभियान के तहत शिक्षकों के अथक परिश्रम से विद्यार्थियों को बेहतर अंक प्राप्त हुए।

जिला प्रशासन के तत्वावधान में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 'कांकेर के गौरव - हाई एवं हायर सेकेण्डरी बोर्ड परीक्षा में राज्य तथा जिले की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों एवं शत प्रतिशत उत्तीर्ण वाले विद्यालयों के सम्मान समारोह में आज वित्त मंत्री श्री चौधरी द्वारा सम्मानित किया गया। इनमें माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर द्वारा जारी प्रावीण्य सूची में स्थान बनाने वाले जिले के चार विद्यार्थी (कक्षा 12वीं की कु. महेश्वरी, कुमारी अपर्णा विश्वास और पीएमश्री उत्कृष्ट विद्यालय नरहरदेव के श्री यश खोब्रागढ़े और कक्षा 10वीं की कुमारी ईशा दुर्गाशी) को लैपटॉप, स्मार्ट वॉच, स्मृति चिन्ह तथा प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

एकलव्य आदर्श विद्यालय की कु. कृतिका टेकाम देशभर में प्रथम

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय कांकेर में कक्षा 10 वीं अध्ययनरत कु. कृतिका टेकाम ने देशभर के 750 एकलव्य आदर्श विद्यालयों में सीबीएसई पैटर्न में प्रथम स्थान पर रहीं। संस्था के प्राचार्य ने बताया कि कु. कृतिका एक मेधावी छात्रा है। उनके पिता का निधन हो चुका हो चुका है, जबकि माता आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हैं। विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने 97 प्रतिशत अंक के साथ पूरे देशभर में प्रथम स्थान पर रहीं। वित्त मंत्री ने उन्हें इस उपलब्धि के लिए अपनी शुभकामनाएं दी। कु. कृतिका को भी जिला प्रशासन की ओर से लैपटॉप, स्मार्ट वॉच, स्मृति चिन्ह तथा प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके अलावा कक्षा 10वीं और कक्षा 12वीं की परीक्षा में शत-प्रतिशत परिणाम देने वाले क्रमशः 142 हाई स्कूल तथा 63 हायर सेकेण्डरी स्कूलों के संस्था प्रमुखों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एसपी श्री निखिल राखेचा, नगरपालिका अध्यक्ष कांकेर अरूण कौशिक, जिला पंचायत के उपाध्यक्ष श्रीमती तारा ठाकुर नागरिक महेश जैन सहित जिला पंचायत के सीईओ हरेश मंडावी, जिला शिक्षा अधिकारी रमेश निषाद, डीएमसी नवनीत पटेल सहित विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के प्रमुख और अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे।

आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड और केसीसी का वितरण कर हितग्राहियों को किया लाभान्वित

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने उदयपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत लक्ष्मणगढ़ में आयोजित 'सुशासन तिहार' के तहत आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए।

इस अवसर पर उन्होंने शासन की मंशा के अनुरूप अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने के संकल्प को दोहराया और विभिन्न योजनाओं के तहत पात्र हितग्राहियों को प्रमाण पत्र व सामग्री का वितरण किया। शिविर में मंत्री अग्रवाल ने समाज कल्याण विभाग की परिवार सहायता योजना और मुख्यमंत्री पेंशन योजना के हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र सौंपे। इसके साथ ही खाद्य विभाग के अंतर्गत राशन कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रमाण पत्र, स्वास्थ्य विभाग के आयुष्मान कार्ड तथा कृषि विभाग के अंतर्गत किसान क्रेडिट कार्ड एवं सॉइल हेल्थ कार्ड का वितरण किया गया। योजना का लाभ पाकर ग्रामीणों ने हर्ष व्यक्त किया। शिविर के दौरान बताया गया कि सुशासन तिहार के अंतर्गत उदयपुर विकासखंड की विभिन्न पंचायतों से पूर्व में प्राप्त 4740 आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा में शत-प्रतिशत निराकरण किया जा चुका है।

शिविर में मांग 956 एवं शिकायत 65 कुल 1021 नए आवेदन प्राप्त हुए, जिन्हें संबंधित विभागों को समय-बद्ध निराकरण हेतु प्रेषित किया गया है। शिविर स्थल में ही 43 आधार कार्ड, 70 आयुष्मान कार्ड, 32 श्रम कार्ड और 5 नवीन राशनकार्ड बनाएं गए। ग्रामीणों को

संबोधित करते हुए मंत्री अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में प्रशासन स्वयं जनता के द्वार पहुँच रहा है। जन समस्या निवारण शिविर में ग्रामीणों की समस्या का समाधान हो रहा है उन्होंने कहा सुशासन तिहार 10 जून तक जारी रहेगा, जहां ग्रामीण मांग और शिकायत आवेदन दे सकते हैं। वहीं उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शेष आवेदनों का अति शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें। मंत्री अग्रवाल ने युवाओं को आश्वस्त करते हुए कहा कि वर्तमान में शिक्षा, स्वास्थ्य और पुलिस सहित सभी प्रमुख विभागों में भर्ती की प्रक्रिया गतिमान है, जिससे जल्द ही स्टाफ की कमी दूर होगी और शासकीय सेवाओं में और अधिक सुगमता आएगी।

विभागीय प्रदर्शनी और अधिकारियों की उपस्थिति

शिविर में कुल 32 विभागीय स्टॉल लगाए गए थे, जहाँ अधिकारियों द्वारा शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश, जिला पंचायत सदस्य राय मुनिया करियाम, बीडीसी अर्जुन राम, मुन्नाराम, नागेश्वरी सहित 23 पंचायतों के सरपंच प्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रशासनिक स्तर पर अपर कलेक्टर सुनील नायक, एसडीएम, जनपद पंचायत सीईओ वेद प्रकाश गुप्ता एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

न्यूज गैलरी

राष्ट्रीय पाण्डुलिपि सर्वेक्षण अभियान में मिली साहित्यिक धरोहर

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। सरगुजा की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विरासत को संजोने की दिशा में राष्ट्रीय पाण्डुलिपि सर्वेक्षण अभियान के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। डी.सी. रोड निवासी रासबिहारी मिश्र के पास सुप्रसिद्ध साहित्यकार स्वर्गीय पंडित लक्षण धारी मिश्र की दुर्लभ पाण्डुलिपियों का समृद्ध भंडार सुरक्षित पाया गया है। इन पाण्डुलिपियों को संरक्षित एवं डिजिटल रूप में सुरक्षित करने का कार्य गौरव पाठक एवं उनके सहयोगियों द्वारा अत्यंत कुशलता एवं समर्पण के साथ किया गया। उल्लेखनीय है कि 'कृपमयी कृपा करो प्रणाम बार-बार है' जैसी लोकप्रिय एवं अद्वितीय मां महामाया आरती के रचयिता पं. लक्षण धारी मिश्र सरगुजा के शीर्षस्थ साहित्यकारों में गिने जाते हैं। चर्चा के दौरान श्री रासबिहारी मिश्र ने बताया कि हरिवंशराय बच्चन की 'मधुशाला' से प्रेरित होकर पं. मिश्र ने 'मृगछाला' की रचना की थी। वे महाप्राण निराला के समकालीन साहित्यकार थे तथा 'मसान' उनका प्रसिद्ध खण्ड काव्य माना जाता है। पं. लक्षण धारी मिश्र का व्यक्तित्व केवल साहित्य तक सीमित नहीं था, बल्कि वे राष्ट्रवादी चिंतन से भी जुड़े रहे। बताया जाता है कि वे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ जेल में भी रहे थे। जेल प्रवास के दौरान ही उन्होंने 'बंदी जीवन का गान' नामक काव्य की रचना की थी। साहित्य की लगभग प्रत्येक विधा में उनकी लेखनी चली और उन्होंने सरगुजा की साहित्यिक पहचान को नई ऊंचाई प्रदान की। राष्ट्रीय पाण्डुलिपि सर्वेक्षण अभियान के सुखद परिणाम अब धीरे-धीरे सामने आ रहे हैं। इन दुर्लभ पाण्डुलिपियों का संरक्षण शासन स्तर पर किया जाएगा। साथ ही समाज के प्रबुद्ध एवं संपन्न वर्ग से भी अपेक्षा की गई है कि वे स्वस्फूर्त आगे आकर ऐसी पाण्डुलिपियों को पुस्तकाकार प्रकाशित कराने में सहयोग दें, ताकि यह साहित्यिक धरोहर भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत बन सके।

मैनपाट के कमलेश्वरपुर में 17 ग्राम पंचायतों में आज निवारण शिविर

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार 'सुशासन तिहार-2026' अंतर्गत 'जन समस्या निवारण शिविर' का आयोजन किया जा रहा है। जन शिकायतों का समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने तथा आम जनता को सुगम, पारदर्शी एवं त्वरित रूप से सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत 10 जून तक जिले के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसी कड़ी में शुक्रवार 8 मई को ग्रामीण क्षेत्र में एक एवं नगरीय क्षेत्र में दो शिविर लगेंगे। ग्रामीण क्षेत्र में विकासखण्ड मैनपाट अंतर्गत कमलेश्वरपुर में शिविर होगा। जिसमें 17 ग्राम पंचायतों सरभंजा, रोपाखार, कमलेश्वरपुर, कुदारीडीह, सपनादर, बिरसरपानी, करम्हा, अमगांव, समनिया, कदनई, पैगा, सुपलगा, असगंवा, केसरा, पथरई, लुरेना, परपटिया के ग्रामीण अपने मांगो एवं शिकायतों सम्बन्धी आवेदन देंगे। शिविर प्रभारी अधिकारी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सीतापुर एवं सहायक प्रभारी अधिकारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मैनपाट होंगे। इसी प्रकार नगर पालिक निगम अम्बिकापुर में शिविर स्थल पुराना नगर पालिक निगम अम्बिकापुर कार्यालय प्रशासनिक भवन केदारपुर पानी टंकी के पास 08 वार्डों हेतु शिविर होगा। जिसमें वार्ड क्रमांक 15,17,18,19,20,25,26,28 वार्ड शामिल है। शिविर प्रभारी अधिकारी उप अभियन्ता रत्नेश कंवर एवं सहायक शिविर प्रभारी प्लेसमेंट मोहन सिंह एवं राजेश कश्यप होंगे। नगर पंचायत लखनपुर में शिविर स्थल प्रतीक्षा बस स्टैण्ड के पास वार्ड क्रमांक 8 एवं 9 के वार्डवासियों के लिए शिविर होगा, शिविर प्रभारी अधिकारी नगर पंचायत लखनपुर के उप अभियंता प्रदीप कुमार एक्का होंगे।

सहायक व उप अभियंता को 'कारण बताओ' नोटिस जारी

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। कलेक्टर अजीत वसंत ने जिले के मैनपाट विकासखण्ड के कदनई से लौटा भावना मार्ग पर निर्माणाधीन सड़क की खराब गुणवत्ता और तकनीकी मापदंडों की अनदेखी करने पर संबंधित सहायक अभियंता और उप अभियंता को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ था, जिसमें मैनपाट विकासखण्ड में बन रही एक सड़क को एक स्थानीय महिला द्वारा अपने हाथों से उखाड़ती नजर आ रही थी। इस वीडियो के संज्ञान में आते ही कलेक्टर ने मामले को गंभीरता से लिया। प्रथम दृष्टया यह पाया गया कि सड़क निर्माण में विभागीय मानकों का पालन नहीं किया गया है, जो सीधे तौर पर पदीय दायित्वों के निर्वहन में गंभीर लापरवाही और स्वेच्छाचारिता को दर्शाता है। कलेक्टर द्वारा छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण, परियोजना क्रियान्वयन इकाई-01, अम्बिकापुर के चार्ल्स रोशन एक्का, सहायक अभियंता एवं कार्तिक केरकेट्टा, उप अभियंता को नोटिस जारी कर तीन दिवस के भीतर जवाब तलब किया गया है। जारी नोटिस में उल्लेख किया गया है कि अधिकारियों का यह कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 3 का स्पष्ट उल्लंघन है। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि संबंधित अधिकारी पत्र प्राप्ति के तीन दिवस के भीतर स्वयं उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें। समय-सीमा में संतोषजनक जवाब प्राप्त न होने की स्थिति में छत्तीसगढ़ सिविल सेवा नियम 1966 के प्रावधानों के तहत उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए प्रस्ताव उच्च कार्यालय को प्रेषित किया जाएगा। कलेक्टर श्री वसंत ने संबंधित विभाग के मुख्य कार्यपालक अभियंता को निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने एवं निर्माण कार्य की गुणवत्तापूर्ण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

शिविर के माध्यम से समस्याओं का निराकरण पहली प्राथमिकता: पैंकरा

बलरामपुर/नवप्रदेश। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविरों का लगातार आयोजन किया जा रहा है, जिसके माध्यम से शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ दूरस्थ अंचलों के गांवों तक पहुंचाया जा रहा है।

इसी क्रम में बुधवार को जिले के विकासखंड राजपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत कोटडीह एवं कुसमी अंतर्गत चांदो में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीणों को शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं से लाभान्वित किया गया। चांदो शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज एवं सामरी विधायक उद्देश्वरी पैंकरा उपस्थित रहीं। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष हीरामुनी निकुंज, जनपद अध्यक्ष बसंती भगत, उपाध्यक्ष अशोक सोनी, जिला पंचायत सदस्य, जनपद सदस्य, स्थानीय

जनप्रतिनिधिगण, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनमोल विवेक टोप्पो, जनपद सीईओ अभिषेक पांडेय सहित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण जन मौजूद थे। शिविर को संबोधित करते हुए सांसद हाराज ने कहा कि मुख्यमंत्री साय के सुशासन में प्रशासन आपके द्वार तक पहुंच रहा है।

जहां पर आम नागरिकों के समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। जनसमस्या निवारण शिविर के माध्यम से विभागों के स्टॉल लगाए गए और वहां पर समस्याओं का निराकरण भी तुरंत किया जा रहा है। जिला प्रशासन की टीम की पहुंच हर गांवों तक हो गई है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए इन शिविरों में आकर लाभ लेना चाहिए। सांसद महाराज ने शासन की योजनाओं को स्थानीय बोली में जन-जन तक पहुँचाकर अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करने की बात कही।

उन्होंने कहा कि आवेदन का इंतजार करने के बजाय अधिकारी एवं कर्मचारी ग्राम पंचायतों के माध्यम से सीधे आमजन से संपर्क करें और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। उन्होंने ग्रामीणों से सीधा संवाद करते हुए केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। इस दौरान सरगुजा सांसद ने कहा कि गौरलाटा को राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस पहल से स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे तथा देश-विदेश से पर्यटकों का आगमन बढ़ेगा। सामरी विधायक उद्देश्वरी पैंकरा ने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से शासन-प्रशासन आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए एक ही स्थान पर पहुंचा है। उन्होंने बताया कि 1 मई से जनसमस्या निवारण शिविर प्रारंभ हो चुके हैं, जो प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित किए जा रहे हैं। विधायक पैंकरा ने आमजनों से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी किसी भी समस्या या मांग से संबंधित आवेदन शिविर में प्रस्तुत करें।

अंधेरे से उजाले की ओर-कृष्णा व अनिता के जीवन में भरी उम्मींद की रोशनी

बलरामपुर/नवप्रदेश। जब हौसले बुलंद हों और शासन का साथ मिल जाए, तो शारीरिक बाधाएं भी प्रगति का रास्ता नहीं रोक सकतीं।

जिले के ग्राम गोविंदपुर (सरगड़ी) में रहने वाले कृष्णा पहाड़ी कोरवा और उनकी पत्नी अनिता की कहानी आज सुशासन और संवेदनशीलता की जीवंत मिसाल बन चुकी है। विशेष पिछड़ी जनजाति से ताल्लुक रखने वाला यह दंपति दृष्टिबाधित है, लेकिन आज इनके चेहरे की मुस्कान सरकार की अंतिम व्यक्ति तक विकास की प्रतिबद्धता को बयां कर रही है। कृष्णा और अनिता के परिवार के जीवन का सबसे ऐतिहासिक मोड़ राज्य स्थापना की रजत जयंती (2025) के अवसर पर आया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं अपने हाथों से कृष्णा को प्रधानमंत्री जनमन योजना अंतर्गत पीएम आवास योजना (ग्रामीण) के तहत निर्मित पक्के घर की चाबी सौंपी। यह मात्र एक कंक्रीट का ढांचा नहीं, बल्कि वर्षों के अभाव और असुरक्षा के बाद मिला वह सम्मान था, जिसकी इस दंपति ने कल्पना की थी। अपनी मेहनत और शासकीय अनुदान के मेल से इन्होंने न केवल घर बनाया, बल्कि अपने भविष्य की सुरक्षित बुनियाद भी रखी। पक्के घर के साथ-साथ आर्थिक स्वावलंबन के लिए महात्मा गांधी नरेगा इस परिवार का सबसे बड़ा संबल बना। दृष्टिबाधित होने के बावजूद कृष्णा और अनिता ने हार नहीं मानी। वे मनरेगा कार्यस्थलों पर श्रमिकों को पानी पिलाने का कार्य करते हैं। वर्ष 2024-25 में 86 दिनों का रोजगार और चालू वित्तीय वर्ष में अब तक 14 दिनों का काम मिलने से उन्हें दैनिक जरूरतों के लिए किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता।

मोबाइल कंपनी द्वारा खोदे गए गड्ढे में गिरकर एक मवेशी की मौत, दूसरे को बचाया

लखनपुर/नवप्रदेश। जंप लखनपुर क्षेत्र के ग्राम लोसंगा के आश्रित ग्राम देवभूडू में मोबाइल कंपनी द्वारा खोदे गए गड्ढे में गीरकर एक बैल की मौत हो गई तथा दूसरा बैल फंस गया जिसे लोगो ने बड़े मशक्कत के बाद बाहर निकाला ग्रामीणों का कहना है कि एयरटेल मोबाइल कंपनी के ठेकेदार द्वारा नेटवर्क लाइन विस्तार के लिए सड़क किनारे गड्ढे की खुदाई जेसीबी मशीन के जरिए से करायी जा रही है। 6 मई बुधवार की शाम भी जेसीबी

मशीन से गड्ढे की खुदाई कार्य कराया गया गड्ढा खुदाई कर बिना मिट्टी पाटे खुला छोड़ दिया गया। रात के समय उसमे दो जोतन बैल (मवेशी) गिर गए जहाँ एक बैल को काफ़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने बाहर निकाल कर बचा लिया वहीं दूसरे बैल की गड्ढे में फँस कर मौत गई। मवेशी मालिक का कहना है कि शाम को लोगो के मना करने के बाद भी देर शाम तक गड्ढे की खुदाई की जाती रही तथा उसे मिट्टी से नही भरा गया जिससे यह गंभीर हादसा हुआ यदि गहरे गड्ढे को पाट दिया गया होता तो यह घटना नहीं हुई होती। फिलहाल मवेशी मालिक को क्षति हुई है मामले में कम्पनी ठेकेदार के खिलाफ लखनपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने की बात कही है वहीं उचित मुवावजा दिलाये जाने मांग की गई है।

घर के समीप मिल रहा जांच, दवा और परामर्श का लाभ

बलरामपुर/नवप्रदेश। सुशासन तिहार के अंतर्गत आज विकासखंड कुसमी के ग्राम चांदो में आयोजित शिविर में मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा ग्राम चांदो एवं आसपास के क्षेत्रों के ग्रामीणों का उपचार किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर अपनी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया। ग्राम चांदो के रामदास सोनवानी दांत दर्द की समस्या के लिए परामर्श एवं दवा प्राप्त की। इसी प्रकार ग्राम धन्जी की समुद्री काशी, जो कमर दर्द से परेशान थीं, उन्होंने शिविर में एमएमयू के माध्यम से राहत महसूस की।

मोबाइल मेडिकल यूनिट में एक अनुभवी चिकित्सक सहित चार सदस्यीय टीम तैनात है, जो प्रतिदिन निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार गांव-गांव पहुंच रही है। इससे ग्रामीणों को त्वरित उपचार मिल रहा है, बल्कि बीमारियों की समय रहते पहचान भी संभव हो पा रही है। टीम द्वारा निःशुल्क मरीजों की जांच, आवश्यक परीक्षण, परामर्श और दवाओं का वितरण किया जाता है। गंभीर रोगियों को आगे के उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्रों में रेफर भी किया जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि पहले छोटी-छोटी बीमारियों के इलाज के लिए भी उन्हें दूरस्थ स्वास्थ्य केंद्रों तक जाना पड़ता था, जिससे समय और धन दोनों की हानि होती थी।

गांव में ही समस्या समाधान से ग्रामीण गदगद: सीएम साय का जताया आभार

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने की मजबूरी अब बीते दौर की बात हो गई है, क्योंकि शासन खुद चलकर ग्रामीणों के दरवाजे तक पहुँच रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की श्सुशासनश् की प्राथमिकता अब धरातल पर रंग ला रही है। इसका एक उदाहरण उदयपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत लक्ष्मनगढ़ में आयोजित शिविर में देखने को मिला, जहाँ ग्राम पंचायत मरेया की रहने वाली श्रीमती अनीता को उनके राशन कार्ड के आवेदन पर तत्काल कार्यवाही करते हुए हाथों-हाथ नया राशन कार्ड प्रदान किया गया। राशन कार्ड मिलने पर हर्ष व्यक्त करते हुए अनीता ने बताया कि उन्होंने सुशासन दिवस के अवसर पर आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में राशन कार्ड के लिए आवेदन दिया था।

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी सीपत, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मूलचंद पिता सुमाडसिंह निवासी ग्राम खम्हरिया प.ह.नं. 13 रा.नि.मं. खम्हरिया तहसील-सीपत जिला-बिलासपुर के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है कि आवेदक के पिता की मृत्यु दिनांक 05/02/2018 को हुआ है जो पंजीयन नहीं होने के कारण प्रमाण पत्र प्रदाय नहीं किया गया है। आवेदक अपने पिता नाम सुमाड सिंह पिता बिसाहू का मृत्यु का प्रमाण पत्र की मांग किया है। अतः इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 13/05/26 को अपना दावा/आपत्ति तहसील सीपत में प्रस्तुत कर सकते हैं म्याद वाद प्राप्त आपत्ति / दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

ईश्तहार आज दिनांक 28/04/26 को न्यायालय की पदमुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील

तहसीलदार
सीपत

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी सीपत, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मूलचंद पिता सुमाड सिंह निवासी ग्राम खम्हरिया प.ह.नं. 13 रा.नि.मं. खम्हरिया तहसील-सीपत जिला-बिलासपुर के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है कि आवेदक के माता की मृत्यु दिनांक 10/05/2015 को हुआ है जो पंजीयन नहीं होने के कारण प्रमाण पत्र प्रदाय नहीं किया गया है। आवेदक अपने माता नाम देवा बाई पति सुमाड सिंह का मृत्यु का प्रमाण पत्र की मांग किया है। अतः इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 13/05/26 को को अपना दावा/आपत्ति तहसील सीपत में प्रस्तुत कर सकते हैं म्याद वाद प्राप्त आपत्ति / दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

ईश्तहार आज दिनांक 28.04.26 को न्यायालय की पदमुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

तहसीलदार
सीपत

न्यायालय तहसीलदार कांकेर जिला उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क/202604140100014/अ-21/2025-26
ग्राम - माटवाडामोदी

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक उमेद कुमार देवांगन पिता रामनंदन निवासी मांझापारा कांकेर द्वारा ग्राम माटवाडमोदी स्थित आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तित भूमि 15000/14 प्लाट नम्बर 167 रकबा 0.0116 हे. भूमि को अनावेदक रूपलेखा सोनी पति गोपाल सोनी निवासी सुभाष वार्ड कांकेर को विक्रय करने की अनुमति बाबत आवेदन श्रीमान कलेक्टर महोदय को प्रस्तुत किया गया है जो अनुविभागीय अधिकारी (रा.) कांकेर के माध्यम से जांच प्रतिवेदनार्थ प्राप्त हुआ है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को दावा/आपत्ति पेश करना हो तो वह स्वंय या आम मुख्तियारनामें से दिनांक 18/5/26 को अथवा उसके पूर्व पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05/05/26 को मेरे हस्ताक्षर मुहर से जारी किया जाता है।

मुहर

तहसीलदार
कांकेर

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER
PUBLIC WORKS DEPARTMENT, E/M CIRCLE, RAIPUR (C.G.)

e-Procurement Tender Notice

Online tenders are invited on behalf of Governor of Chhattisgarh from contractors, **C.G. P.W.D in new Registration system (unified Registration system)** for the following work :-

NIT No.	Name of work	Probable amount of contract
107/SE E/M/2025 **(IICall)** System Tender No. 190425 Registered contractor class in "C" & above For **Form A** (Percantage rate)	AND COMMISSIONING OF NEW DUCTABLE TYPE A.C. AT POLICE HEADQUARTER BUILDING SECTOR 19, NAWA RAIPUR, ATAL NAGAR, C.G. (DEPOSIT WORK)	**Rs 133.19 Lacs**

Date of bid submission will be 21.05.2026
The tender documents can be downloaded from the web-portal **http://eproc.cgstate.gov.in.** Only those contractors/bidders, interested in bidding shall pay the tender document cost online.

G- 262700577/6

Superintending Engineer
P.W.D., E/M Circle Raipur (C.G.)

छत्तीसगढ़ शासन वनविभाग कवर्धा वनमंडल, कवर्धा (छत्तीसगढ़)

- नीलाम की संक्षिप्त सूचना -

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कवर्धा वनमंडल कवर्धा के अंतर्गत काष्ठागार चिल्फी में एकत्रित ईमारती काष्ठ का ई-ऑक्शन द्वारा निर्वर्तन निम्नानुसार किया जावेगा। इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है कि वे ई-आक्शन में भाग लेवें। ई-आक्शन की शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमंडल कार्यालय / काष्ठागार चिल्फी से प्राप्त की जा सकती है।

नीलाम दिनांक	-	14.05.2026
समय	-	9:00 बजे प्रातः से

वनोंपज की अनुमानित मात्रा निम्नानुसार है

प्रजाति	नया काष्ठ			अनबिके काष्ठ			योग		
	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी
सागौन	-	-	-	3.395	26	5	3.395	26	5
साल	-	-	-	957.723	-	205	957.723	-	205
बीजा	16.228	4	5	3.819	-	-	20.047	4	5
साजा	36.344	-	23	2.161	-	-	38.505	-	23
तिंसा	8.922	-	4	4.311	-	7	13.233	0	11
ह.मु.	17.955	12	26	18.184	-	-	36.139	12	26
धावड़ा	30.886	-	14	2.328	-	-	33.214	-	14
कसही	-	-	-	50.406	5	88	50.406	5	88
अन्य	-	-	-	3.282	-	-	3.282	-	-
योग -	**110.335**	**16**	**72**	**1045.609**	**31**	**305**	**1155.944**	**47**	**377**

टीप - (1) क्रेताओ को ई-आक्शन के पूर्व MSTC E-Auction portal में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।
(2) क्रेताओ को ई-आक्शन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई. एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है।
(3) लाट की थप्पीसूची एवं फोटो MSTC E-Auction portal में अपने आई.डी. से लॉगइन करके देख सकते है।
(4) ई-आक्शन में लॉट क्रय करने हेतु प्रथम क्रेता को 40 सेकंड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं को क्रय करने पर 30 सेकंड का समय प्राप्त होगा।
(5) प्रत्येक लॉट 30 सेकंड की अवधि के लिए बोली लगाने के लिए लाइव रहेगा। यदि अंतिम 20 सेकंड में कोई बोली प्राप्त नही होती है तो लॉट बंद कर दिया जायेगा।

जी- 262700567/6

वन मंडलाधिकारी
कवर्धा, वनमण्डल कवर्धा

सरगुजा संभाग में कृषि क्षेत्र में अपार संभावनाएं, फसल विविधीकरण पर दिया जोर

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। कृषि उत्पादन आयुक्त शहला निगार की अध्यक्षता में आज जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में रबी वर्ष 2025-26 की समीक्षा तथा खरीफ वर्ष 2026 के कार्यक्रम निर्धारण हेतु सरगुजा संभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में सर्वप्रथम जिला कलेक्टरों द्वारा रबी वर्ष 2025-26 की प्रगति एवं योजनाओं के क्रियान्वयन पर एजेंडा-वार प्रस्तुतीकरण दिया गया। इसके पश्चात विभागाध्यक्षों ने विभागवार प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की। बैठक में आयुक्त श्रीमती शहला निगार ने कहा कि विभाग का निरंतर प्रयास रहे कि केंद्र एवं राज्य प्रवर्तित योजनाओं में हम आगे रहें, योजनाओं एवं कार्यक्रमों का लाभ वास्तविक हितग्राहियों को मिले।

प्रशासन योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन हेतु योजनाओं के अद्यतन स्थिति की रेगुलर मॉनीटरिंग करें। उन्होंने कहा कि सरगुजा संभाग में कृषि की अपार संभावनाएं हैं। दलहन, तिलहन, प्राकृतिक खेती और हॉर्टिकल्चर के माध्यम से फसल विविधीकरण हेतु प्रयास करें। पारंपरिक फसलों के साथ ही अन्य फसल लेने किसानों को प्रेरित करें, उन्होंने धान के बदले अन्य फसलों का रकबा बढ़ाने कहा। उन्होंने आगे कहा कि कृषि का एजेंडा अब पहले से बदल गया है, कृषि को वह दिशा देनी है, जिसकी आज जरूरत है। पानी की लगातार कमी हो रही है, भूजल स्तर नीचे जा रहा है। जल संरक्षण के उपायों पर और काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमें पशुपालन, मत्स्य पालन एवं उद्यानिकी में भी विशेष प्रयास की जरूरत है, इस ओर ध्यान दें। पशुपालन में चारा और नस्ल

सुधार दो बहुत महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं, जिस पर हमें काम करना है। सरगुजा संभाग में नाशपाती, लीची, कटहल फसल का उत्पादन स्थानीय स्तर पर अच्छा है। गुणवत्ता युक्त फसल उत्पादन पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों को मार्केट मिले। समीक्षा बैठक में सभी जिलों से जिले की आवश्यकतानुसार फसल एवं किस्म अनुसार प्रमाणित बीज में आत्मनिर्भर होने के लिए कार्यक्रम तैयार करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान उर्वरकों के समान एवं संतुलित वितरण सुनिश्चित करने के लिए आगामी खरीफ 2026 हेतु लागू की जाने वाली नवीन ई-उर्वरक वितरण प्रणाली के संबंध में व्यापक चर्चा किया गया। नवीन ई-उर्वरक वितरण प्रणाली में एग्रीस्टेक में पंजीकृत रकबा एवं फसल के आधार पर उर्वरक का वितरण किया जायेगा। उन्होंने कहा कि उर्वरक वितरण में निगरानी की आवश्यकता है, इसके लिए उड़नदस्ता दल गठित कर लगातार निगरानी रखें, जांच करवाएं। कालाबाजारी एवं नकली खाद की स्थिती में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। उर्वरक वितरण का वास्तविक सत्यापन हो, किसानों द्वारा उर्वरक का व्यवसायिक उपयोग ना किया जाए। जिले में उड़नदस्ता दल गठित करें, विक्रय केंद्रों का रोस्टर बनाकर निरीक्षण करें। जिला स्तर पर कंट्रोल रूम का भी निर्माण किया जाए। उन्होंने कहा कि शिविरों के माध्यम से कृषकों को उर्वरकों की जानकारी दें। बैठक में नवीन ई उर्वरक वितरण प्रणाली मॉड्यूल, पी.एम. किसान के लाभार्थियों की फार्मर आई.डी. निर्माण की प्रगति तथा पी.एम. किसान के लाभ से वंचित फार्मर आई.डी. धारक किसानों के पंजीयन की प्रगति, उर्वरकों के वैकल्पिक स्त्रोत की निर्धारित कार्य योजना तथा राज्य स्तर से किये जा रहे प्रयास।

न्यूज गैलरी

विशेष अभियान में 29 बालिकाएं 48 महिलाएं और 17 पुरुष मिले

मुंगेली/नवप्रदेश। जिले के समस्त थाना एवं चौकी क्षेत्रों में गुमशुदा व्यक्तियों एवं बच्चों की पतासाजी हेतु विशेष अभियान संचालित किया गया। अभियान के फ्लस्वरूप 01से 30 अप्रैल तक ऑपरेशन मुस्कान के तहत 29 बालिका, गुमशुदा 48 महिला एवं 17 पुरुषों कुल 94 को विशेष अभियान के तहत सकुशल दस्तयाब किया गया। वरिष्ठ पुलिस अघीक्षक भोजराम पटेल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुश्री नवनीत कौर छाबड़ा एवं उप पुलिस अधीक्षक हरविन्दर सिंह के मार्गदर्शन में इस अभियान के अंतर्गत दिनांक 01 अप्रैल से 30 तक ऑपरेशन मुस्कान÷ को प्राथमिकता देते हुए सुनियोजित एवं प्रभावी कार्यवाही की गई। अभियान के दौरान जिले के सभी थाना प्रभारियों को लंबित गुमशुदगी प्रकरणों की समीक्षा करते हुये पुलिस टीमों का गठन कर उन्हें अलग-अलग स्थानों पर रवाना किया गया। पुलिस टीमों द्वारा गुमशुदा व्यक्तियों की जानकारी एकत्रित कर उनके संभावित स्थानों पर लगातार खोजबीन की जा रही थी, पुलिस द्वारा तकनीकी संसाधनों, मुखबिर तंत्र, एवं अन्य जिलों, राज्यों (उत्तरप्रदेश, दिल्ली, तेलंगाना, हैदराबाद एवं अन्य राज्यों) की पुलिस से समन्वय स्थापित कर खोजबीन की गई। इसके अतिरिक्त बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशन, सार्वजनिक स्थलों एवं संभावित स्थानों पर सतत् निगरानी रखी गई। अभियान के फ्लस्वरूप दिनांक 01.04.2026 से 30.04.2026 तक ऑपरेशन मुस्कान के तहत 29 बालिका, गुमशुदा 48 महिला एवं 17 पुरुषों (कुल 94) को विशेष अभियान के तहत सकुशल दस्तयाब किया गया, दस्तयाब किए गए सभी व्यक्तियों एवं बच्चों को विधिवत कार्रवाई पूर्ण कर उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया, अपने परिजनों को सकुशल पाकर परिवारजनों के चेहरों पर खुशी लौट आई। कई परिजनों ने भावुक होकर मुंगेली पुलिस का आभार व्यक्त किया एवं पुलिस की तत्परता, संवेदनशीलता एवं मानवीय दृष्टिकोण की सराहना की गई।

औषधि विभाग की कार्रवाई, मेडिकल स्टोर्स में दस्तावेजों की जांच

मुंगेली/नवप्रदेश। औषधि विभाग की संयुक्त टीम ने जिले के विभिन्न मेडिकल स्टोर्स में स्वापक एवं मन:प्रभावी औषधियों के क्रय-विक्रय से संबंधित अभिलेखों की जांच की। निरीक्षण के दौरान नियमानुसार दस्तावेजों का संधारण नहीं पाए जाने पर 02 संचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। आइसक्रीम विक्रेताओं, होटल एवं रेस्टोरेंट्स में भी औचक निरीक्षण किया गया। शहर के विभिन्न प्रतिष्ठानों में 16 स्थानों पर जांच करते हुए आइसक्रीम के नमूने संग्रहित किए गए, जिन्हें गुणवत्ता परीक्षण हेतु भेजा जाएगा। निरीक्षण के दौरान स्वच्छता बनाए रखने, तापमान नियंत्रित रखने और आवश्यक खाद्य पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने नागरिकों से खाद्य पदार्थ, विशेषकर आइसक्रीम खरीदते समय निर्माण एवं समाप्ति तिथि अवश्य जांचने तथा खराब या खुली पैकेजिंग वाले उत्पादों से बचने की समझाइश दी है। वहीं दवा विक्रेताओं को निर्देशित किया गया है कि वे स्वापक एवं मनरूप्रभावी औषधियों की खरीद केवल अधिकृत होलसेलर से करें और डिजिटल माध्यम से भुगतान सुनिश्चित करें।

प्रधानमंत्री आवास योजना से साकार हुआ ठीभान का पक्के घर का सपना

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित सुशासन की नीतियों का असर अब ग्रामीण अंचलों में दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत निर्मित पक्के घरों ने न केवल गरीब परिवारों को सिर छुपाने की छत दी है, बल्कि उनके जीवन स्तर में भी सुधार किया है। इसी कड़ी में जिले के उदयपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत मोहनपुर के रहने वाले ठीभान के लिए सुशासन तिहार खुशियों का नया सवेरा लेकर आई है। हितग्राही ठीभान ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि पहले उनका परिवार कच्चे मकान में रहने को मजबूर था। बारिश के मौसम में छत से पानी टपकने और अन्य मौसमी आपदाओं के कारण उन्हें भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष सुशासन तिहार 2025 में उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए आवेदन किया था।जिसका निराकरण हुआ और उन्हें आवास स्वीकृत मिली। उन्होंने अपने परिवार के साथ मिलकर पूरी मेहनत से अपना घर तैयार कराया। अब वे अपने नए और पक्के घर में परिवार के साथ रह रहे हैं। ठीभान का परिवार अब इस नए घर में खुशहाली के साथ समय व्यतीत कर रहा है। उन्होंने बताया कि उनकी दो बेटियों का विवाह हो चुका है और अब उनके दो नाती-पोते भी हैं। वर्तमान में वे अपने पुत्र और उनके परिवार के साथ इसी नवनिर्मित आवास में सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं। ठीभान कहते हैं कि पक्का घर होने से अब बच्चों का भविष्य भी सुरक्षित महसूस हो रहा है। योजना के सफल क्रियान्वयन और पारदर्शी व्यवस्था से उत्साहित होकर ठीभान ने केंद्र व राज्य सरकार की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री की दूरगामी सोच और मुख्यमंत्री साय के सुशासन के कारण आज खुद का पक्का घर संभव हो पाया है। इस सुविधायुक्त आवास के लिए मैं मुख्यमंत्री साय को हृदय से बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ। मुख्यमंत्री साय के सुशासन की मंशा के अनुरूप पात्र हितग्राहियों को समय सीमा के भीतर किश्तें जारी कर उनके आवास पूर्ण कराए जा रहे हैं। ठीभान जैसे हजारों हितग्राहियों का आज अपना पक्का मकान बन कर तैयार है।

उदयपुर विखं में प्राप्त 4740 आवेदनों का हुआ शत-प्रतिशत निराकरण

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। सीएम साय के सुशासन के संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए आयोजित 'सुशासन तिहार' के अंतर्गत उदयपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत लक्ष्मणगढ़ में जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल शामिल हुए। उन्होंने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को प्रमाण पत्र, राशन कार्ड और वित्तीय सहायता कार्डों का वितरण किया। शिविर के दौरान मंत्री अग्रवाल ने अपने हाथों से हितग्राहियों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की सौगात प्रदान की। उन्होंने समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना एवं मुख्यमंत्री पेंशन योजना के हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए। साथ

ही खाद्य विभाग के पात्र परिवारों को नए राशन कार्ड प्रदान किए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हितग्राहियों को आवास स्वीकृति प्रमाण पत्र सौंपे गए। इसके अतिरिक्त ग्रामीणों को आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए।

किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड (स्वाइल हेल्थ कार्ड) एवं किसान क्रेडिट कार्ड प्रदान कर उन्हें कृषि कार्यों में सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की। सुशासन तिहार के तहत उदयपुर विकासखंड अंतर्गत पंचायत वार प्राप्त कुल 4740 आवेदनों का तय समय-सीमा में शत-प्रतिशत निराकरण हुआ। आज आयोजित शिविर में मांग एवं शिकायत के 312 नए आवेदन प्राप्त हुए, जिन्हें तत्काल संबंधित विभागों को प्रेषित कर समय-बद्ध निराकरण के निर्देश दिए गए हैं। शिविर में मौके पर ही 37 आधार कार्ड, 33 आयुष्मान कार्ड और 25 श्रम कार्ड बनाए गए। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए मंत्री अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में 'सुशासन तिहार' जनता और प्रशासन के बीच की दूरी कम करने का सशक्त माध्यम बना है। उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री ने स्वयं बतौली प्रवास के दौरान सरगुजा संभाग की समीक्षा की है। शासन की मंशा है कि शासन की योजनाओं का लाभ गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। यह अभियान लगातार 40 दिनों तक चलेगा, जिससे समस्याओं का पारदर्शी समाधान सुनिश्चित होगा।

स्टॉलों से योजनाओं की मिली जानकारी

शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा 32 स्टॉल लगाए गए थे, जहाँ अधिकारियों ने ग्रामीणों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी और आवेदन प्राप्त किए। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष ओम प्रकाश, जिला पंचायत सदस्य राय मुनिया करियाम, बीडीसी अर्जुन राम, मुन्नाराम, नागेश्वरी, 23 पंचायतों के सरपंच प्रतिनिधि सहित अपर कलेक्टर सुनील नायक, एसडीएम राम राज सिंह, तहसीलदार तारा सिदार, जपं सीईओ वेद प्रकाश गुप्ता एवं अन्य विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैंकों में अव्यवस्था, ग्राहकों को घंटों करना पड़ रहा इंतजार

मुंगेली/नवप्रदेश। जिले के प्रमुख बैंकों में हाईटेक सुविधा के बाद भी ग्राहकों की समस्या कम नहीं हुई है, प्रतिदिन महिलाएं और बुजुर्ग घंटों कतार पर खड़े रहते है। भारतीय स्टेट बैंक सहित पंजाब नेशनल बैंक में राशि जमा एवं निकालने सहित अन्य कार्यो के लिए घंटो कतार में लाईन लगाना पड़ता है, समय पर कार्य नहीं होने से ग्राहकों को परेशान होना पड़ रहा है। बैंकों में गंदगी और परेशानी के कारण कई बार ग्राहकों के साथ विवाद भी होता है। कई बैको मे पार्किग की व्यवस्था नही है, जिसके चलते बैको के सामने यातायात प्रभावित होती है। जिले में लगभग 32 बैंकों के करीब 52 ब्रांच है। उनमें लाखों की संख्या में ग्राहक है। बैंकों में कई अत्याधुनिक मशीन के साथ ग्राहक सुविधा के लिए खास इंतजाम है, लेकिन यह सिर्फ दिखावा है। एटीएम पासबुक प्रिटिंग मशीन तक आए दिन खराब रहती है। जमा या निकासी के लिए घंटों कतार में खड़े रहना पड़ता है। स्टेट बैंक में टोकन सिस्टम व कुर्सी की सहुलियत तो है, पर अधिकांश में यह ठप्प रहता है। पंजाब नेशनल बैंक में एक मात्र काउंटर से ही जमा और पैसे की निकासी होती है। जहां उपभोक्ताओं को लाईन में घंटो खड़े रहना पड़ता है। भीड़ के कारण चोरी की घटनाएं भी होती है। इस वजह से कई ब्रांच में चोरों से बचने बकायदा बोर्ड तक टांगा गया है। जिला बनने के बाद शहर में बैंकों की बाढ़ सी आ गयी है। जिला मुख्यालय होने के कारण नगर में ही लगभग 52 बैंकों की शाखाएं संचालित किए जा रहे है। इनमें से अधिकांश बैंकों में आवश्यक संसाधनों की कमी के साथ-साथ ग्राहकों को मूलभूत सुविधाऐं देने में नाकाम सिद्ध हो रही है। राष्ट्रीयकृत बैंकों में ग्राहकों को मिलने वाले सुविधाओं से भी प्रबंधक बैंक ग्राहकों को सुविधाओं से दूर करते नजर आ रहे है। दूर-दराज से आए हुए आम ग्राहकों को खासी दिक्कत का सामना करना पड़ता है, वहीं व्यापारी वर्ग के लोगों को लाईन में खड़ा होना खराब लगता है,नेता और रसूखदार-व्यापारी अंदर घुसकर अपना काम कराते हुए दिखाई देते है।

किसानों को मिलेगी आधुनिक खेती की जानकारी

मुंगेली/नवप्रदेश। जिले में किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों एवं शासकीय योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से विकसित कृषि संकल्प अभियान-2026 का शुभारंभ किया गया। कलेक्टर के मार्गदर्शन में 05 मई से 20 मई तक चलने वाले इस अभियान के तहत अतिरिक्त कलेक्टर ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अभियान के माध्यम से किसानों को खरीफसीजन की तैयारी, उन्नत बीज, संतुलित उर्वरक उपयोग, आधुनिक कृषि तकनीक एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं की

जानकारी दी जाएगी। साथ ही किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती को अपनाने, मृदा स्वास्थ्य कार्ड के अनुसार उर्वरक उपयोग करने तथा फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीकों से अवगत कराया जाएगा। अभियान के तहत विशेषज्ञों की टीम गांव-गांव पहुंचकर किसानों को मार्गदर्शन प्रदान करेगी। इसके अलावा दलहन, तिलहन एवं अन्य फसलों के उत्पादन बढ़ाने के उपाय भी बताए जाएंगे। किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना सहित अन्य लाभकारी योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें अधिक से अधिक लाभ दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

घर-घर पहुंचकर 33 बिंदुओं पर जानकारी जुटा रहे प्रगणक

मुंगेली/नवप्रदेश। जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत विचारपुर में इन दिनों शासन के आदेशानुसार महत्वपूर्ण राष्ट्रीय जनगणना का कार्य तेजी से चल रहा है।

जिसके तहत प्रगणक नियुक्त किये गए शिक्षक गांव के हर मोहल्ले गली में घर घर दस्तक देकर आम जनों से 33 बिंदुओं पर आवश्यक जानकारियां जुटा रहें है, प्रगणक ने बताया कि ग्राम से जो लोग जीवकोपार्जन के लिए पलायन किये है उनकी आवश्यक जानकारी एकत्र करने में परेशानी हो रही है, जनगणना में पारदर्शिता

और आवश्यक जानकारी कि सटिकता सुनिश्चित करने के लिए प्रगणक मुस्तैदी से काम कर रहें है, ग्रामीणों से आवश्यक बिन्दुओ में चर्चा करजानकारी जुटा रहें है, प्रगणक ने बताया कि अभी 100 घरों का जनगणना एकत्र कर लिए है, इस महत्त्व पूर्ण कार्य में ग्राम वासियों ने भी अपनी जिम्मेदारी बखूबी से निभाते हुए पूरा सहयोग कर रहे है, मांगी जा रही जानकारी को सहर्ष और स्पष्ट रूप से जानकारी आमजन उपलब्ध करा रहे है. ताकि ग्राम की सम्पूर्ण जानकारी शासन प्रशासन तक पहुँच सके।

पेज 1 का शेष...

हर धार्मिक प्रथा को चुनौती...

उठेंगे-मंदिर खुलने या बंद होने तक के मामले कोर्ट में आएंगे। कोर्ट की यह टिप्पणी दाऊदी बोहरा समुदाय से जुड़ी 40 साल पुरानी याचिका पर आई। जस्टिस एमएम सुन्द्रेश ने कहा कि अगर ऐसे विवादों को लगातार अनुमति दी गई, तो हर व्यक्ति हर चीज पर सवाल उठाएगा। इससे धर्म टूट सकते हैं और अदालतों पर भी असर पड़ेगा।

1962 का फैसला रद्द करने की मांग: दाऊदी बोहरा समुदाय के केंद्रीय बोर्ड ने 1986 में जनहित याचिका दायर की थी, जिसमें 1962 के फैसले को चुनौती दी गई थी। उस फैसले में बॉम्बे प्रिवेंशन ऑफ एक्सकम्युनिकेशन एक्ट, 1949 रद्द कर दिया गया था। इस कानून के तहत किसी सदस्य को समुदाय से बाहर करना गैरकानूनी था। 1962 के फैसले में कहा गया था कि धार्मिक आधार पर किसी सदस्य को समुदाय से बाहर करना, समुदाय के धार्मिक मामलों के प्रबंधन का हिस्सा है। इसलिए 1949 का कानून संविधान के अनुच्छेद 26(बी) के तहत मिले अधिकारों का उल्लंघन करता है।

76 जवानों की शहादत...

है। नक्सलियों ने सीआरपीएफ और पुलिस पार्टी पर घात लगाकर हमला किया था, जिसमें 75 सीआरपीएफ जवान और एक पुलिसकर्मी सहित कुल 76 सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए थे। घटना के बाद पुलिस ने कई ग्रामीणों को आरोपी बनाते हुए हत्या, लूट, आर्म्स एक्ट और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया था।

अभियोजन स्वीकृति भी रिकॉर्ड में नहीं थी उपलब्ध: मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने जांच प्रक्रिया में कई गंभीर खामियां पाईं। कोर्ट ने कहा कि न तो कोई प्रत्यक्षदर्शी सामने आया और न ही किसी गवाह ने आरोपियों की पहचान की। पुलिस द्वारा बरामद बताए गए हथियारों और विस्फोटकों की एफएसएल रिपोर्ट तक पेश नहीं की गई। इसके अलावा आरोपियों की टेस्ट आइडेंटिफिकेशन परेड नहीं कराई गई और आर्म्स एक्ट के तहत आवश्यक अभियोजन स्वीकृति भी रिकॉर्ड में उपलब्ध नहीं थी।

दोषियों को कानून के कटघरे में लाया सा सका: चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने टिप्पणी करते हुए कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि 76 जवानों की शहादत जैसे संवेदनशील मामले में भी वास्तविक दोषियों को कानून के कटघरे तक नहीं लाया जा सका। कोर्ट ने जांच एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इतने बड़े आतंकी और नक्सली हमलों की जांच में वैज्ञानिक और तकनीकी साक्ष्य जुटाने में भारी लापरवाही बरती गई।

बंगाल गवर्नर ने भंग...

इस गतिरोध के केंद्र में विधानसभा का निर्धारित कार्यकाल है, जो तकनीकी रूप से समाप्त होने की कगार पर है। नियमों के मुताबिक, कार्यकाल खत्म होने से पहले मुख्यमंत्री को अपना इस्तीफा राज्यपाल को सौंपना होता है, जिसके बाद राज्यपाल उन्हें नई व्यवस्था होने तक 'केयरटेकर' मुख्यमंत्री के रूप में कार्य जारी रखने का आग्रह करते हैं। राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस और ममता सरकार के बीच के तनावपूर्ण संबंधों को देखते हुए यह प्रक्रिया और भी पेचीदा हो गई है। राजभवन की ओर से अब तक किसी भी स्पष्ट निर्देश या बैठक की जानकारी साझा नहीं की गई है, जिससे प्रशासनिक गलियारों में घबराहट बढ़ गई है।

अभूतपूर्व संवैधानिक शून्य की स्थिति: यदि ममता बनर्जी आज अपना इस्तीफा नहीं सौंपती हैं, तो राज्य में 'संवैधानिक शून्य' की स्थिति पैदा हो सकती है। इसका अर्थ यह है कि बिना निर्वाचित सदन और बिना वैध कार्यकाल वाली कैबिनेट के, राज्य का शासन कैसे चलेगा, इस पर कानून मौन हो सकता है। ऐसी स्थिति में राज्यपाल के पास अंतिम विकल्प के रूप में राष्ट्रपति शासन की सिफारिश करने या केंद्र से हस्तक्षेप की मांग करने की शक्ति होती है। कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि विधानसभा भंग होने और नई सरकार के शपथ लेने के बीच के अंतराल को संवैधानिक रूप से भरा जाना अनिवार्य है, अन्यथा अगले दो दिनों तक बंगाल का प्रशासनिक नियंत्रण पूरी तरह अनिश्चित हो जाएगा।

घर से मिला बम बनाने....

करते हुए बताया कि संदिग्ध सामग्री मिलने के बाद जांच शुरू कर दी गई है। शुरुआती जानकारी के अनुसार यह सामान विनय देवांगन नाम के शख्स का बताया जा रहा है, जो किसी कांग्रेस नेता का साला है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही की जाएगी। पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस जल्द ही मामले में खुलासा करेगी। मामला खमतराई थाना क्षेत्र का है।

सीएम साय की पहल: सरगुजा...

करने के निर्देश दिए हैं।

इन जगहों पर खोदे जाएंगे बोर

कलेक्टर ने बताया कि प्रस्तावित स्थलों का सर्वे पहले ही पूरा किया जा चुका है। विकासखंडवार देखें तो लुण्ड्रा में 34, बतौली में 6, लखनपुर में 22, अम्बिकापुर में 11, सीतापुर में 16, मैनपाट में 20 और उदयपुर में 4 हैंडपंप एवं बोरवेल खोदे जाएंगे। यह कार्य जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) मद से कराया जाएगा।

शासी परिषद की बैठक में मंजूरी : 24 अप्रैल को आयोजित जिला खनिज संस्थान न्यास की शासी परिषद की बैठक में पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज सहित अन्य सदस्यों की सहमति से इस योजना को मंजूरी दी गई थी।

जनपद पंचायत सीईओ को निर्देश

कलेक्टर ने सभी जनपद पंचायत सीईओ को निर्देशित किया है कि हैंडपंप और बोरवेल खनन कार्य प्राथमिकता के आधार पर तेजी से पूरे किए जाएं, ताकि पहाड़ी और दूरस्थ कोरवा बस्तियों में स्थायी पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। प्रशासन का मानना है कि मुख्यमंत्री की इस पहल से जिले के सैकड़ों गांवों और हजारों ग्रामीणों को वर्षों पुरानी पेयजल समस्या से राहत मिलेगी।

एंटी-रेबीज इंजेक्शन की...

कहा कि, कुत्ते के काटने के बाद समय पर एंटी-रेबीज और टिटनेस इंजेक्शन नहीं मिलना मरीजों की जान के लिए खतरा बन सकता है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से पेश अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि, जिला अस्पतालों में जरूरी दवाओं और इंजेक्शनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

इनोवेशन में छाया देसी प्रयोग, बस्तर...

लगता है। यही इसकी सबसे बड़ी चुनौती रही है।

युवा नवाचारक ने अपने प्रयोगों के जरिए इस फरमेंटेशन प्रक्रिया को नियंत्रित करने की दिशा में सफलता हासिल की है। उनका दावा है कि इससे सल्फी को लंबे समय तक ताजा और उपयोगी रखा जा सकेगा। यदि यह प्रयोग बड़े स्तर पर सफल होता है तो बस्तर की यह पारंपरिक पेय आधुनिक बाजार में 'ऑर्गेनिक एनर्जी ड्रिंक' के रूप में भी जगह बना सकती है। हर्षवर्धन बाजपेयी ने कहा कि उनका सपना सल्फी को बस्तर की सांस्कृतिक पहचान से आगे बढ़ाकर वैश्विक मंच तक पहुंचाने का है। उन्होंने बताया कि भविष्य में सल्फी को जीआई टैग दिलाने और आदिवासी उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने की दिशा में भी प्रयास किए जाएंगे।

सऊदी के 'नो' से अटका...

सहमति नहीं बन सकी। नतीजतन, दो दिनों में अमेरिका सिर्फ तीन जहाजों को ही सुरक्षा दे पाया और अंततः मिशन रोकना पड़ा।

ईरान-चीन की जुगलबंदी: बीजिंग में हुई हाई-लेवल बैठक में चीन ने ईरान को युद्ध रोकने और पूरा समर्थन देने का भरोसा दिया है। ईरान अब ट्रंप की चीन यात्रा पर नजरें गड़ाए हुए है।

14 सूत्रीय समझौता: अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने के लिए 14 बिंदुओं वाला एक फ्रेमवर्क तैयार है, हालांकि इसे अंतिम रूप दिया जाना अभी बाकी है।

समुद्र में हमले जारी: तनाव का असर अब व्यापारिक जहाजों पर दिख रहा है। फ्रांस के कार्गो जहाज पर हुए मिसाइल हमले में कई क्रू मेंबर घायल हुए हैं, जिससे शिपिंग कंपनियों में दहशत है।

ट्रंप की चेतावनी: ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिकी हमलों से ईरान के रडार और मिसाइल नेटवर्क को भारी क्षति हुई है। उन्होंने साफ कहा- ÷या तो समझौता होगा, या फिर इससे भी बड़ा हमला।

कार्यालय नगरपालिका परिषद् दन्तेवाड़ा, जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

क्रमांक /216 / तक./ नि.आ.सू./ न.पा.परि./2025-26 दन्तेवाड़ा, दिनॉकः 06/05/2026

ई-निविदा निरस्तीकरण सूचना

कार्यालय के द्वारा ई-निविदा जारी सूचना क्रमांक 107 दिनांक 17.04.2026 के द्वारा से सिस्टम टेण्डर क्र. 189274, 189277, 189278, 189289, 189290, 189293, 189295, 189297, 189298, 189299, 189300, 189301, 189302, 189304 एवं 189306 तथा ई-निविदा जारी सूचना क्रमांक 176 दिनांक 30.04.2026 के द्वारा से सिस्टम टेण्डर क्र. 190089, 190092, 190099 एवं 190101 के माध्यम से विभिन्न निर्माण कार्यो हेतु ई-निविदा आमंत्रित किया गया था। अपरिहार्य कारणों से उक्त ई-निविदा को निरस्त किया जाता है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् दन्तेवाड़ा
जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

श्रीराम केयर अस्पताल में आरक्षक की मौत मामले में विधायक लहरिया ने खोला मोर्चा

बिलासपुर/नवप्रदेश। *श्रीराम केयर अस्पताल में पथरी के इलाज के दौरान सरकंडा थाने में पदस्थ आरक्षक सत्यकुमार पाटले की मौत मामले में मस्तूरी विधायक दिलीप लहरिया ने भी अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने अस्पताल क लाइसेंस निरस्त कर आरक्षक के परिवार को न्याय दिलाने की मांग की है। उन्होंने विधानसभा में भी मुद्दा उठाने की चेतावनी भी दी है।*

दरअसल, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट और नायब तहसीलदार आकाश गुप्ता ने परिजनों के बयान दर्ज किए। परिजनों ने बताया कि इलाज के दौरान गंभीर लापरवाही बरती गई, जिसके कारण मरीज की हालत बिगड़ती गई। अस्पताल के डॉक्टरों ने पहले किडनी में इंफेक्शन होने की बात कही थी। जबकि बाद में मौत का कारण हार्ट अटैक बताया गया। वहीं पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं, जिसके चलते सिम्स के चार डॉक्टरों की टीम ने बिसरा जांच कराने की सलाह दी है। परिजनों ने मामले को दबाने की साजिश का आरोप लगाते हुए कहा है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन करेंगे। आरक्षक सत्यकुमार पाटले की मौत को लेकर अब मस्तूरी विधायक दिलीप लहरिया ने श्रीराम केयर अस्पताल के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बता दें कि मस्तूरी थाना क्षेत्र के ग्राम एरमशाही निवासी सत्यकुमार पाटले 36 वर्ष पुलिस विभाग में आरक्षक था। 26 अप्रैल को उसके पेट में असहनीय दर्द हुआ, जिस पर वो इलाज कराने के लिए नेहरू नगर स्थित श्रीराम केयर अस्पताल पहुंचा। जांच के बाद डॉक्टरों ने पथरी की समस्या बताकर ऑपरेशन कराने की सलाह दी। परिजनों का आरोप है कि श्रीराम केयर अस्पताल में बिना चीरा लगाए सत्यकुमार का आपरेशन किया गया था, जिसके बाद दूसरे दिन वह बिल्कुल ठीक था।

लापरवाही से पहले भी हो चुकी है मरीजों की मौत, परिवार को मिले न्यायः विधायक

अस्पताल का खंगाल रहे रिकार्ड, लाइसेंस निरस्त करने की मांग

विधायक दिलीप लहरिया ने कहा कि श्रीराम केयर अस्पताल में इलाज में लापरवाही का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी अस्पताल के खिलाफ विधानसभा में मामला उठ चुका है। आरक्षक को कोई गंभीर बीमारी नहीं था। सामान्य पथरी का इलाज कराने गया था। लेकिन, लापरवाही और गलत इलाज से उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि अस्पताल में हुई मौतों का रिकार्ड निकाल रहे हैं, जिसके बाद इस मामले को विधानसभा में उठाएंगे।

कलेक्टर ने जांच रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई का दिया आश्वासन

इस दौरान विधायक लहरिया ने बताया कि, आरक्षक के इलाज में लापरवाही की चर्चा पूरे प्रदेश में हो रही है। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने इस मामले की जांच कराने और रिपोर्ट आने के बाद वैधानिक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से आरक्षक सत्य कुमार पाटले की लापरवाही से मौत हुई है, उस तरह से किसी और परिवार के साथ न हो। इसलिए अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जा रही है। कार्रवाई नहीं होने पर उन्होंने आंदोलन करने की भी चेतावनी दी है।

न्यूज गैलरी

लायंस स्माइल ने जरूरतमंदों को कराया भोजन

बिलासपुर/नवप्रदेश। लायंस क्लब इंटरनेशनल की इकाई लायंस क्लब बिलासपुर स्माइल द्वारा सेवा कार्य किया गया। कोषाध्यक्ष दीप्ति साहू, एसआर साहू ने मंगला चौक स्थित श्री राम रसोई में जरूरतमंद लोगों को भोजन कराया। यह कार्यक्रम डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट 'फूड फॉर हंगर' के अंतर्गत आयोजित किया गया। इस अवसर पर क्लब पदाधिकारियों ने कहा कि भारतीय संस्कृति में अन्नदान को महादान माना गया है, क्योंकि भूखे व्यक्ति को भोजन कराने से बड़ा कोई पुण्य कार्य नहीं होता। इस अवसर पर अध्यक्ष रीता राजगीर, डॉ. सुरभि राजगीर, अनन्या साहू सहित अन्य मौजूद रहीं।

धन गुरु नानक दरबार में हुआ शबद-कीर्तन

बिलासपुर/नवप्रदेश। धन गुरु नानक दरबार, डेरा संत बाबा थाहिरियां सिंह साहब दरबार में भाई साहब मेहरबान सिंह की मासिक वरसी पर कीर्तन दरबार एवं सुखमणि साहिब का पाठ हुआ। संगत ने गुरबाणी का रसपान किया। कार्यक्रम में यंग मैन ने मधुर कीर्तन और सत्संग से संगत को भावविभोर कर दिया। वहीं बबल ने भी सत्संग के माध्यम से गुरु महिमा का वर्णन किया। दरबार प्रमुख मूलचंद नारवानी ने विश्व शांति, समाज की सुख-समृद्धि और मानव कल्याण के लिए अरदास की। इस अवसर पर सुरेश वाधवानी, सोनू लालचंदानी, नरेश मेहरचंदानी, राजेंद्र, अशोक मतलानी, सुरेश माधवानी, गंगाराम सुखिजा, विकास बजाज, महिला संगत में अनीता नारवानी, प्राची लालचंदानी, वर्षा आदि मौजूद रहीं।

स्वयं को जानना ही सच्चा ध्यान हैः सिन्हा

बिलासपुर/नवप्रदेश। टिकरापारा स्थित प्रभु दर्शन भवन, ब्रह्मकुमारीज में छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा बाल संस्कार शिविर में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि 'स्वयं को जानना ही सच्चा ध्यान है' और मानसिक स्वास्थ्य के बिना शारीरिक स्वास्थ्य अधूरा है। रूपनारायण सिन्हा ने कहा कि योग केवल शारीरिक अभ्यास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मन को नियंत्रित कर श्रेष्ठ जीवन जीने की कला है। उन्होंने कहा कि? अभ्यास ही सबसे बड़ा गुरु है और निरंतर साधना से व्यक्ति अपने विकारों पर विजय प्राप्त कर सकता है। इस अवसर पर अनन्या ने नृत्य व गीतों की प्रस्तुति दी।

संस्कार और सेवा ही सच्ची साधनाः श्रीरामभद्राचार्य

बिलासपुर/नवप्रदेश। बुधवार को शहर में भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनूठा संगम देखने को मिला। जगतगुरु श्रीरामभद्राचार्य का आगमन समाजसेवी प्रवीण झा के रामा वर्ल्ड स्थित निवास पर हुआ, जहां उनके चरण-पादुका पूजन का दिव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। स्वामी के आगमन पर पुष्पवर्षा, तिलक और श्रीराम स्तुति के साथ भव्य स्वागत किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार और भजन-कीर्तन के बीच पूजन की शुरुआत हुई। प्रवीण झा ने सपत्नीक विधि-विधान से पूजन कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर स्वामी रामभद्राचार्य ने कहा कि जिस घर में संस्कार, सेवा और श्रद्धा का दीप जलता है, वहां

निरीक्षण के बाद गोवंश को नए शेड में किया जा रहा शिफ्ट, चारा-पानी और स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा

हाईकोर्ट के संज्ञान के बाद हरकत में आया विभाग, गौधाम में व्यवस्था सुधारने का दावा

***बिलासपुर/नवप्रदेश।** सड़क हादसों को रोकने के उद्देश्य से बनाए गए लाखासर गौधाम की बदहाल स्थिति उजागर होने के बाद प्रशासन और पशुधन विकास विभाग सक्रिय हो गया है। मामले को लेकर प्रकाशित खबर पर हाई कोर्ट ने संज्ञान लेते हुए पशुधन विभाग के सचिव से शपथ पत्र मांगा है। इसके बाद विभागीय अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंची और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।*

पशुधन विकास विभाग के अनुसार लाखासर गौधाम में वर्तमान में 205 गोवंश संरक्षित हैं। अधिकारियों का दावा है कि पशुओं के लिए पर्याप्त चारा, पानी और पशु आहार की व्यवस्था की गई है। परिसर में करीब 5 एकड़ क्षेत्र में नेपियर घास तथा 1 एकड़ में सुडान चारा लगाया गया है। इसके अलावा सूखा चारा, कुट्टी और अन्य पशु आहार का भंडारण भी उपलब्ध बताया गया है। संयुक्त संचालक, पशु चिकित्सा विभाग के मुताबिक गौधाम में पशुओं के लिए तीन शेड बनाए गए हैं, जिनका कुल क्षेत्रफल 3740 वर्गफुट है। पहले सभी पशुओं को एक ही शेड में रखा जा रहा था, लेकिन अब उन्हें अन्य शेडों में भी शिफ्ट किया जा रहा है, ताकि पर्याप्त जगह और सुरक्षा उपलब्ध कराई जा सके। निरीक्षण के दौरान पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण भी किए गए। विभागीय टीम ने सभी पशुओं को स्वस्थ बताया है। देखरेख के लिए एक चरवाहा और एक निजी कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ता की नियुक्ति किए जाने की जानकारी भी दी गई है। संयुक्त संचालक डॉ. जीएसएस तंवर ने कहा कि जिले में गोवंश संरक्षण और प्रबंधन को शासन के मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है।

निरीक्षण में सामने आई थी गंभीर अव्यवस्था

उल्लेखनीय है कि बिलासपुर से लगभग 18 किलोमीटर दूर मुंगेली मार्ग स्थित ग्राम लाखासर के 25 एकड़ क्षेत्र में बने गौधाम का निरीक्षण किए जाने पर स्थिति बेहद चिंताजनक पाई गई थी। यहां 205 गायों को मात्र 10म26 फीट के छोटे कोठे में ठूंसकर रखा गया था। पशुओं के बैठने तक की पर्याप्त जगह नहीं थी और सभी गोवंश एक-दूसरे से सटकर खड़े रहने को मजबूर थे। निरीक्षण के दौरान चारा, पानी और पैरा की पर्याप्त व्यवस्था भी नहीं मिली थी। चौकीदार ने बताया था कि प्रतिदिन 25 से 30 बोझा पैरा आता है, जो तुरंत समाप्त हो जाता है। वहीं पूरे गौधाम की जिम्मेदारी केवल एक कर्मचारी के भरोसे थी। पशुपालन विशेषज्ञों के अनुसार एक गाय के लिए 30 से 40 वर्गफुट ढका हुआ तथा 80 से 100 वर्गफुट खुला क्षेत्र आवश्यक होता है।

पीएससी घोटालाः फरार आरोपी की अग्रिम जमानत आवेदन खारिज

बिलासपुर/नवप्रदेश। पीएससी के अभ्यर्थी से 25 लाख लेकर परीक्षा पास कराने वाले एक आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने खारिज कर दी है। सीबीआई जांच में यह सामने आया है, कि रायपुर शांति नगर के रहने वाले उत्कर्ष चंद्राकर ने बड़ी रकम लेने के बाद 30-35 अभ्यर्थियों को प्री और मेंस के प्रश्न पत्र दिए थे। हालांकि इस डील में कई लोग शामिल थे। उत्कर्ष पर मामला दर्ज होने के बाद से वह फरार है। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने साफ कहा है, पेपर लीक करना मेहनत करने वाले युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। बता दें कि इस घोटाले में सीबीआई ने अपनी अंतिम चार्जशीट में कुल 29 लोगों को आरोपी बनाया है, जिसमें सीजीपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी को मास्टमाइंड बताया है, सोनवानी जेल में हैंआरोप है, उत्कर्ष चंद्राकर ने चयन के बदले उम्मीदवारों से 50 से 60 लाख रुपए तक की मांग की थी परीक्षा से पहले उम्मीदवारों को रायपुर के सिद्धि विनायक पैलेस, बारनवापारा रिजॉर्ट और होटल वेंकटेश इंटरनेशनल में ठहराया गया था।

विधायक अटल ने बैगा आदिवासी बच्चों से मुलाकात कर आर्थिक सहायता प्रदान की

बिलासपुर/नवप्रदेश। कोटा विधानसभा के बेलगहना ब्लॉक के ग्राम पंचायत खोंगसरा के तुमाडबरापारा पहुंचकर विधायक अटल श्रीवास्तव ने 35 वर्षीय धनमती बैगा पति सुखसिंह बैगा के दोनों बच्चो रामप्रसाद बैगा 7 वर्षीय कमोदिनी बैगा 2.5 वर्षीय से मुलाकात की उपस्थित परिवार जनो से इनके लालन पालन इनके आगे की व्यवस्था की जानकारी ली। गतदिनों बैगा आदिवासी महिला स्वर्गीय धनमती बैगा की डायरिया से मौत हो गई थी, पति सुख सिंह की 1 साल पहले मौत हो चुकी है। माता-पिता के मौत के बाद दोनों बच्चे रामप्रसाद और कमोदिनी अनाथ हो गये है जानकारी मिलने पर विधायक अटल श्रीवास्तव आज उनके घर पहुंचकर वर्तमान व्यवस्था एवं लालन पालन हेतु दस हजार रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की और परिवारजनों को आगे की व्यवस्था हेतु हरसम्भव सहयोग करने का आश्वासन दिया। विधायक अटल श्रीवास्तव ने बताया कि इस अवसर पर ग्रामीणों ने कहा की खोग सरा उप स्वास्थ्य केंद्र में स्टाफ नहीं रहता और नहीं इलाज की कोई व्यवस्था है ग्रामीणों की बात पर विधायक अटल श्रीवास्तव ने बिलासपुर फोन से बात कर जिला चिकित्सा अधिकारी सीएचएमओ को निर्देशित किया उप स्वास्थ्य केंद्र को प्रॉपर चलाया जाए स्टाफ रखा जाए और इलाज के समुचित एवं आवश्यक व्यवस्था करें। विधायक के साथ इस अवसर पर बेलगहना ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अश्वनी उद्देश्य विधायक प्रतिनिधि शिवदत्त पाण्डेय कांग्रेस पदाधिकारी लाला निर्मलकर मोहम्मद अजहर खान रवि सिंह शिवा सिंह मोनू दास चितरंजन शर्मा हेमंत गुप्ता जायद खान हेमंत प्रमोद यादव संतराम सचिन केशरवानी धनीराम देवलाल गोवर्धन जुगनु किर्ती मरकाम स्वराज पटेल मधुसुदन बलराम मरावी दिलीप जायसवाल राज

शुद्ध योग केंद्र में नन्हे योग प्रशिक्षकों ने दिखाई प्रतिभा

बिलासपुर/नवप्रदेश। शुद्ध योग केंद्र गदा चौक में एक भव्य एवं प्रेरणादायी योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें योग और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। इस आयोजन में योग आयोग अध्यक्ष रूपनारायण सिंहा, विधायक अमर अग्रवाल, महापौर पूजा विधानी, किसान मोर्चा अध्यक्ष राकेश तिवारी, ऋषि केसरी, मदन कुमार पाठक, मंजू लता पाठक सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शुद्ध योग केंद्र की संचालिका डॉ. मोनिका पाठक के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में मुनमुन केसरी, श्वेता सुमन, अनंत, भूपेंद्र, नन्हे योग अनुदेशक सार्थक अग्रवाल, त्रिशिका, रीत, प्रणव विश्वकर्मा, आर्य विश्वकर्मा, कियांश, आयुष, गणेश, शिवांश, क्रीधा, भावना मिश्रा, भावना नथनी, तुलसी विश्वकर्मा, अंकित अग्रवाल, सिंपल अग्रवाल, इशांत, आध्या, वीर, दिव्या, अथर्व, भाव, लड्डू, गोरा, अदिति और मुस्की सहित कई बच्चों ने योग का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया। इन नन्हे योग प्रशिक्षकों की ऊर्जा और समर्पण ने उपस्थित लोगों को विशेष रूप से प्रभावित किया। इस अवसर पर बिलासपुर एवं छत्तीसगढ़ में योग के प्रचार-प्रसार को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि शुद्ध योग केंद्र समाज में स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने का सराहनीय कार्य कर रहा है और आने वाले समय में यह अभियान और व्यापक रूप लेगा। सभी ने 'सबका साथ, सबका विश्वास' के भाव के साथ योग को जन-जन तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

डॉ. पाठक की उपलब्धियों पर हुई चर्चा

कार्यक्रम के दौरान डॉ. मोनिका पाठक की उपलब्धियों, उनके पेटेंट, पुस्तकों और शोध पत्रों पर भी विशेष चर्चा की गई। योग आयोग अध्यक्ष रूपनारायण सिंह ने उन्हें आशीर्वाद देते हुए उनके कार्यों की सराहना की। विधायक अमर अग्रवाल ने कहा कि डॉ. पाठक ने कम उम्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर समाज के लिए प्रेरणा प्रस्तुत की है। महापौर पूजा विधानी ने भी उनके प्रयासों को सराहते हुए कहा कि माता-पिता के आशीर्वाद और निरंतर मेहनत से उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है। कार्यक्रम में नन्हे योग अनुदेशकों की प्रतिभा को निखारने और उनके भविष्य को सशक्त बनाने के लिए डॉ. मोनिका पाठक के प्रयासों की सभी ने प्रशंसा की।

सुशासन तिहार में किया गया समस्याओं का समाधान रामभद्राचार्य महाराज से अमर ने लिया आशीर्वाद

***बिलासपुर/नवप्रदेश।** नगर विधायक अमर अग्रवाल ने बिलासपुर पहुंचे जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य महाराज के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर को उन्होंने अत्यंत प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि संतों का सान्निध्य समाज को सकारात्मक दिशा देने के साथ-साथ हमारी समृद्ध सनातन परंपरा, संस्कार और मूल्यों को सुदृढ़ करने का कार्य करता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संतों के आशीर्वचन से समाज में सद्भाव, सेवा और नैतिक मूल्यों की भावना और अधिक प्रबल होगी।*

विधायक अग्रवाल ने आगे कहा कि आज के परिवर्तित सामाजिक परिदृश्य में संतों का मार्गदर्शन अत्यंत महत्वपूर्ण है, जो समाज को एकजुट रखते हुए सही दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। इसके पश्चात विधायक अमर अग्रवाल सुशासन तिहार के अंतर्गत मगरपारा स्थित स्वामी आत्मानंद स्कूल में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में शामिल हुए। शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याएं रखीं, जिनका मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित किया गया। शेष समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। शिविर के दौरान विधायक अग्रवाल ने उपस्थित नागरिकों से संवाद करते हुए उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा यह भरोसा दिलाया कि प्रत्येक समस्या का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी नागरिकों को दी, ताकि अधिक से अधिक पात्र हितग्राही योजनाओं का लाभ उठा सकें। विधायक अमर अग्रवाल ने कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य शासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है, जिससे लोगों की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान हो सके। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित न रहे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजन की समस्याओं के निराकरण में पूरी संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ कार्य करें तथा प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए उसका शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें। विधायक अग्रवाल ने दोहराया कि जनसेवा ही उनका सर्वोच्च दायित्व है और इसी भावना के साथ वे निरंतर क्षेत्रवासियों के बीच रहकर उनकी समस्याओं के

सावधानीः नागपुर मंडल अंतर्गत समनापुर स्टेशन यार्ड में 25 केवी एसी विद्युत ट्रैक्शन शुरु, सड़क उपयोगकर्ताओं से सतर्क की अपील

रेलवे ट्रेक के विद्युत तार में ऊंची वाहन लाने से हो सकती है दुर्घटना

***बिलासपुर/नवप्रदेश।** दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर मंडल अंतर्गत समनापुर स्टेशन यार्ड सेक्शन में 10 मई से 25 केवी एसी विद्युत ट्रैक्शन प्रणाली प्रारंभ किए जाने के संबंध में आम जनता एवं सड़क उपयोगकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि सभी समपार फाटकों (लेवल क्रॉसिंग) पर सुरक्षा की दृष्टि से ऊँचाई सूचक गेज स्थापित किए गए हैं। इन गेजों की अधिकतम स्वीकृत ऊँचाई सड़क स्तर से 4.78 मीटर निर्धारित की गई है, ताकि अत्यधिक ऊँचाई वाले वाहन अथवा सामग्री विद्युत संपर्क तार के निकट न आ सकें।*

रेलवे के विद्युत संपर्क तार समपार फाटकों पर रेल स्तर से न्यूनतम 5.5 मीटर की ऊँचाई पर स्थापित रहते हैं तथा इनमें 25,000 वोल्ट विद्युत प्रवाहित होती है। अतः अत्यधिक ऊँचाई वाले वाहन या सामग्री का संपर्क अथवा निकट आना अत्यंत खतरनाक एवं जानलेवा हो सकता है। सभी सड़क उपयोगकर्ताओं, वाहन चालकों एवं परिवहनकर्ताओं से अनुरोध है कि वे अपने वाहनों पर लदी सामग्री की ऊँचाई निर्धारित सीमा के भीतर रखें तथा किसी भी परिस्थिति में ऊँचाई गेज का उल्लंघन न करें। अत्यधिक ऊँचाई वाले भार से निम्नलिखित खतरे उत्पन्न हो सकते हैं। ऊँचाई गेज को क्षति पहुँचने से सड़क एवं रेल यातायात बाधित हो सकता है। वाहन अथवा उसमें लदी सामग्री को गंभीर नुकसान पहुँच सकता है। विद्युत तार के संपर्क अथवा निकट आने से आग लगने एवं जनहानि का गंभीर खतरा हो सकता है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा आम जनता से अपील की जाती है कि विद्युतिकृत रेलखंडों पर यात्रा एवं आवागमन के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन करें तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही से बचें। रेलवे सुरक्षा सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग से चलेगी

रेलवे प्रशासन द्वारा अधोसंरचना विकास हेतु उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के अंतर्गत जौनपुर स्टेशन में यार्ड रिमाडलिंग का कार्य जायेगा। जिसके फलस्वरूप दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से होकर चलने वाली गोंदिया-बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग से चलेगी। 12 से 26 मई तक गोंदिया से चलने वाली गाड़ी संख्या 15232 गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस व्हाया बाँसापहाड़-ओहन-कानपुर सेंट्रल-प्रयागराज-प्रयागराज रामबाग-बनारस-वाराणसी-वाराणसी सिटी-औड़िहार मार्ग होकर बरौनी जायेगी। 13 से 27 मई तक बरौनी से चलने वाली गाड़ी संख्या 15231 बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस व्हाया औड़िहार-वाराणसी सिटी-वाराणसी-बनारस-प्रयागराज रामबाग-प्रयागराज-कानपुर सेंट्रल-ओहन-बाँसापहाड़ मार्ग होकर गोंदिया आयेगी। इस दौरान उक्त दोनों गाड़ियां केरावत, जौनपुर, मिर्ज़ापुर, बिंध्याचल, प्रयागराज छिवकी, शंकरगढ़, मानिकपुर स्टेशन नहीं जाएगी।

बिलासपुर रेल मंडल में यात्रियों के लिए 'जनता खान' की सुविधा उपलब्ध

बिलासपुर/नवप्रदेश। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों को किफायती एवं स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'जनता खान' की सुविधा प्रदान की जा रही है, जो नागपुर रेल मण्डल के स्टेशनों के साथ-साथ बिलासपुर एवं रायपुर रेल मंडलों के अंतर्गत विभिन्न स्टेशनों पर भी उपलब्ध है। यह पहल यात्रियों को सुलभ दरों पर गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराते हुए उनकी यात्रा को अधिक सुविधाजनक एवं संतोषजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

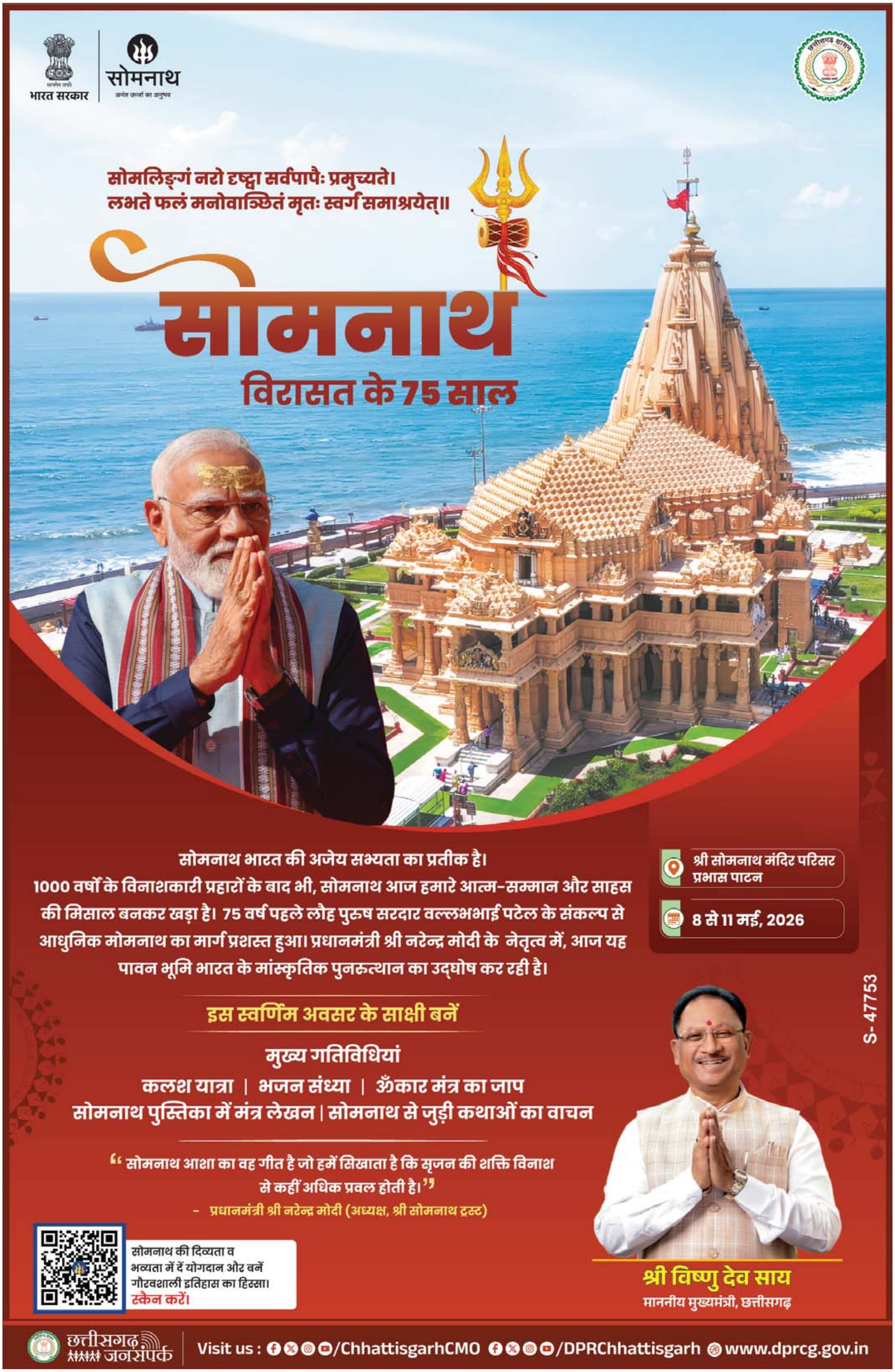
भारत सरकार
सोमनाथ
अनंत ऊर्जा का अनुभव
सोमलिङ्गं नरो दृष्ट्वा सर्वपापैः प्रमुच्यते।
लभते फलं मनोवाञ्छितं मृतः स्वर्गं समाश्रयेत्॥
सोमनाथ
विरासत के 75 साल
सोमनाथ भारत की अजेय सभ्यता का प्रतीक है।
1000 वर्षों के विनाशकारी प्रहारों के बाद भी, सोमनाथ आज हमारे आत्म-सम्मान और साहस की मिसाल बनकर खड़ा है। 75 वर्ष पहले लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के संकल्प से आधुनिक मोमनाथ का मार्ग प्रशस्त हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, आज यह पावन भूमि भारत के मांस्कृतिक पुनरुत्थान का उद्घोष कर रही है।
श्री सोमनाथ मंदिर परिसर प्रभास पाटन
8 से 11 मई, 2026
इस स्वर्णिम अवसर के साक्षी बनें
मुख्य गतिविधियां
कलश यात्रा | भजन संध्या | ॐकार मंत्र का जाप
सोमनाथ पुस्तिका में मंत्र लेखन | सोमनाथ से जुड़ी कथाओं का वाचन
"सोमनाथ आशा का वह गीत है जो हमें सिखाता है कि सृजन की शक्ति विनाश से कहीं अधिक प्रवल होती है।"
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी (अध्यक्ष, श्री सोमनाथ ट्रस्ट)
सोमनाथ की दिव्यता व भव्यता में दें योगदान और बनें गौरवशाली इतिहास का हिस्सा।
स्कैन करें।
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
S-47753
छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

केदारनाथ मंदिर में क्यों है त्रिकोणाकार शिवलिंग

उत्तराखंड की बर्फीली वादियों में स्थित केदारनाथ मंदिर केवल आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि रहस्यों और पौराणिक मान्यताओं का अद्भुत संगम भी है। हर साल लाखों श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन के लिए कठिन यात्रा तय करते हैं। यह मंदिर उत्तराखंड के चार धामों में भी शामिल है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि यहां स्थापित शिवलिंग सामान्य गोलाकार न होकर त्रिकोणाकार क्यों है? इसके पीछे एक बेहद रोचक पौराणिक कथा जुड़ी हुई है, जो महाभारत काल से संबंध रखती है। केदारनाथ मंदिर में स्थापित शिवलिंग अन्य मंदिरों के शिवलिंगों से बिल्कुल अलग माना जाता है। इसका आकार सामान्य गोलाकार न होकर त्रिकोणाकार है। मान्यता है कि इस शिवलिंग की ऊंचाई और चौड़ाई लगभग 12-12 फीट है। इसकी सबसे अनोखी बात यह है कि इसका स्वरूप बैल की पीठ जैसा दिखाई देता है। मंदिर परिसर में देवी पार्वती और द्वापर युग के पांडवों की प्रतिमाएं भी स्थापित हैं, जो इस धाम की पौराणिक महत्ता को और बढ़ा देती हैं। कहा जाता है कि इस अद्भुत शिवलिंग के पीछे एक प्राचीन कथा छिपी हुई है, जिसका संबंध महाभारत काल, पांडवों और भगवान शिव की दिव्य लीला से जुड़ा है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, महाभारत युद्ध के बाद पांडव अपने ही कुल के लोगों की हत्या के पाप से मुक्ति पाना चाहते थे। इसके लिए वे भगवान शिव का आशीर्वाद लेने निकल पड़े। लेकिन भगवान शिव पांडवों से नाराज थे और उनसे मिलने नहीं चाहते थे। कहा जाता है कि शिवजी हिमालय की ओर चले गए और वहां बैल का रूप धारण कर छिप गए। पांडव भगवान शिव की तलाश करते हुए जब हिमालय पहुंचे। तभी भीम की नजर एक अनोखे बैल पर पड़ी। भीम को संदेह हुआ कि यह कोई साधारण बैल नहीं है। जैसे ही उन्होंने उस बैल को पकड़ने की कोशिश की, तो बैल जमीन में समाने लगा। तब भीम ने बैल की पीठ का हिस्सा पकड़ लिया। मान्यता है कि बैल की पीठ का हिस्सा ही केदारनाथ मंदिर में प्रकट हुआ, जो आज त्रिकोणाकार शिवलिंग के रूप में पूजित है।

वियतनाम के राष्ट्रपति को पीतल का बोधि वृक्ष-नमोह 108 किया भेंट

डिनर में महाराष्ट्र व बिहार के खानपान की दिखी झलक

नई दिल्ली/ए.। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भारत के अपने पहले स्टेट विजिट के दौरान राष्ट्रपति भवन में वियतनाम के प्रेसिडेंट तो लाम की मेजबानी की। उन्होंने दोनों देशों के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी पर जोर दिया। वियतनाम के राष्ट्रपति के लिए आयोजित दावत में बिहार और महाराष्ट्र का स्वाद भी शामिल था। इसके साथ ही इस आधिकारिक दौरे पर उन्हें खास तोहफा भी दिया गया। कल बुधवार को राष्ट्रपति मुर्मु ने वियतनामी नेता के सम्मान में एक दावत दी और कहा कि भारत और वियतनाम के बीच गहरे ऐतिहासिक, सभ्यतागत और सांस्कृतिक संबंध हैं जो आपसी रिश्तों को मजबूत करते रहते हैं। राष्ट्रपति तो लाम का स्वागत करते हुए, मुर्मु ने कहा कि आसियान के साथ भारत की व्यापक रणनीतिक साझेदारी के फ्रेमवर्क में भारत की 'एक्ट ईस्ट' पॉलिसी और इंडो-पैसिफिक विजन में वियतनाम की अहम जगह है। गया अनरसा गया अनरसा बिहार के गया की एक पारंपरिक डिश है, जो अपने खास स्वाद और कल्चरल महत्व के लिए मशहूर है।

बिहार की खाने की खास चीजें

सिलाओ खाजा-सिलाओ खाजा बिहार के नालंदा जिले के सिलाओ की एक मशहूर पारंपरिक मिठाई है, जिसे इसकी खास पहचान और विरासत के लिए जियोग्राफिकल इंडिकेशन (जीआई) टैग मिला है। अपनी नाजुक, कई लेयर वाली बनावट के लिए जानी जाने वाली यह कुरकुरी और परतदार डिश पुराने तरीकों से मैदा, चीनी और घी का इस्तेमाल करके बनाई जाती है। इसका हल्का टेक्सचर और संतुलित मिठास इसे मुंह में आसानी से घुलने देती है, जिससे एक खास स्वाद मिलता है।

टीवीके का सरकार बनाने का रास्ता आसान नहीं

118 विधायक लाओ, तभी होगी शपथ, दूसरी बार भेजा वापस

तमिलनाडु जैसे बड़े राज्य में अस्थिर सरकार का जोखिम नहीं लिया जा सकता

चेन्नई/ए.। तमिलनाडु में सरकार गठन को लेकर सस्पेंस अभी बरकरार है। टीवीके प्रमुख विजय आज एक बार फिर राजभवन पहुंचे और राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से मुलाकात की। हालांकि राज्यपाल ने साफ संकेत दे दिए हैं कि केवल सबसे बड़ी पार्टी होने भर से सरकार बनाने का रास्ता आसान नहीं होगा।

सूत्रों के मुताबिक, राज्यपाल अपने रुख पर कायम हैं कि विजय को पहले विधानसभा में बहुमत का स्पष्ट आंकड़ा दिखाना होगा। राजभवन का मानना है कि तमिलनाडु जैसे बड़े राज्य में अस्थिर सरकार का जोखिम नहीं लिया जा सकता, इसलिए 234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए जरूरी 118 विधायकों का समर्थन साबित करना अनिवार्य होगा। सूत्रों का कहना है कि राज्यपाल ने स्पष्ट कर दिया है कि केवल समर्थन पत्र या मौखिक दावे पर्याप्त नहीं होंगे। उन्हें 118 विधायकों का ठोस समर्थन चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि बनने वाली सरकार स्थिर रहेगी और विधानसभा में बहुमत साबित कर सकेगी। इस बीच टीवीके नेता वीएस बाबू ने मीडिया से बातचीत में कहा कि सरकार गठन की प्रक्रिया जल्द आगे बढ़ सकती है। हालांकि उन्होंने केंद्र सरकार के कथित दबाव से जुड़े सवालों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

कांग्रेस ने दिया टीवीके को समर्थन

सरकार बनाने की कोशिश में टीवीके को उस समय बड़ी राहत मिली जब कांग्रेस ने डीएमके गठबंधन से अलग होकर विजय को समर्थन देने का फैसला किया। कांग्रेस के पांच विधायक टीवीके के साथ आए, लेकिन इसके बाद भी आंकड़ा केवल 112 तक पहुंच पाया। यानी बहुमत के जादुई आंकड़े 118 से अभी भी छह विधायक कम हैं। यही वजह है कि राज्यपाल ने फिलहाल शपथ ग्रहण को लेकर कोई हरी झंडी नहीं दी है।

विजय ने सरकार बनाने का दावा किया था पेश

बुधवार को विजय ने कांग्रेस के समर्थन पत्र के साथ सरकार बनाने का दावा पेश किया था। इसके अगले ही दिन वह फिर राजभवन पहुंचे। माना जा रहा है कि इस दौरान सरकार गठन के गणित और समर्थन जुटाने को लेकर चर्चा हुई। हालांकि राजभवन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

टीवीके के पास कितनी सीटें?

दरअसल, 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में टीवीके ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी का दर्जा हासिल किया था। हालांकि विजय खुद दो सीटों से चुनाव जीते हैं और नियमों के मुताबिक उन्हें एक सीट छोड़नी होगी। ऐसे में पार्टी की प्रभावी संख्या 107 रह जाएगी।

नीति आयोग ने भारत की स्कूली शिक्षा पर जारी की नई नीति रिपोर्ट

नई दिल्ली। नीति आयोग ने भारत की स्कूली शिक्षा व्यवस्था पर एक महत्वपूर्ण नीति रिपोर्ट जारी की है। 'स्कूल एजुकेशन सिस्टम इन इंडियाः टेम्पोरल एनालिसिस एंड पॉलिसी रोडमैप फॉर क्वालिटी एन्हांसमेंट' शीर्षक वाली इस रिपोर्ट को नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी और मुख्य कार्यकारी अधिकारी निधि छिब्बर ने 6 मई 2026 को जारी किया। यह रिपोर्ट पिछले एक दशक में भारत की स्कूली शिक्षा व्यवस्था में हुए बदलावों और सुधारों का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत करती है। इसमें शिक्षा तक पहुंच, नामांकन, बुनियादी ढांचा, समानता, समावेशन और सीखने के स्तर जैसे प्रमुख पहलुओं का अध्ययन किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली दुनिया की सबसे बड़ी शिक्षा व्यवस्थाओं में से एक है, जिसमें 14.71 लाख स्कूल और 24.69 करोड़ से अधिक छात्र शामिल हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि पिछले वर्षों में स्कूलों में बिजली, शौचालय और समावेशी सुविधाओं के विस्तार में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

इसके साथ ही डिजिटल शिक्षा को भी मजबूती मिली है और स्कूलों में कंप्यूटर, इंटरनेट कनेक्टिविटी तथा स्मार्ट क्लासरूम की पहुंच बढ़ी है। रिपोर्ट में लड़कियों की शिक्षा में बेहतर भागीदारी और अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के छात्रों के नामांकन में वृद्धि को भी सकारात्मक संकेत बताया गया है। नीति आयोग ने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020, निपुण भारत मिशन और समग्र शिक्षा अभियान जैसी पहलों के कारण महामारी के बाद बुनियादी साक्षरता और गणनात्मक क्षमता में सुधार देखने को मिला है।

125 से अधिक प्रदर्शन संकेतक तय किए

रिपोर्ट में इन सिफारिशों को लागू करने के लिए 33 कार्यान्वयन मार्ग भी बताए गए हैं, जिन्हें अल्पकालिक, मध्यम अवधि और दीर्घकालिक योजनाओं में विभाजित किया गया है। साथ ही 125 से अधिक प्रदर्शन संकेतक तय किए गए हैं, जिनके जरिए प्रगति की निगरानी की जाएगी। नीति आयोग की इस रिपोर्ट में केंद्र, राज्यों और जिलों स्तर पर शिक्षा क्षेत्र में अपनाई गई अच्छी पहलों के उदाहरण भी शामिल किए गए हैं।

हम आतंक से लड़ने को तैयार, एलओसी के पार कोई ठिकाना सुरक्षित नहीं

जयपुर/वार्ता। जयपुर में लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि भारतीय एजेंसियों ने नियंत्रण रेखा के पार मौजूद आतंकवादी लॉन्च पैड, आतंकी कैंप और आतंक से जुड़े ढांचों की पहचान कर ली है। उन्होंने कहा कि भारतीय खुफिया एजेंसियों के पास इन ठिकानों को लेकर सटीक और विस्तृत जानकारी रहती है।

उन्होंने बताया कि पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर सहित अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार कुछ ऐसे क्लस्टर मौजूद हैं, जिन्हें भारत आतंकवाद से जोड़कर देखता है। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि गोपनीयता के कारण वह इन स्थानों के नाम सार्वजनिक नहीं कर सकते, लेकिन भारतीय सेना इन गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि कार्रवाई की परिस्थितियां, समय और तरीका भारत स्वयं तय करेगा। उनके अनुसार यही नया दृष्टिकोण है, जिसमें रणनीतिक फैसलों का नियंत्रण पूरी तरह भारत के हाथ में रहेगा। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि आतंकवादी कैंपों और लॉन्च पैड्स की संख्या और स्वरूप समय-समय पर बदलते रहते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ कैंप अब और अधिक अंदरूनी क्षेत्रों में स्थानांतरित किए गए हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि वहां वे ज्यादा सुरक्षित रहेंगे। हालांकि उन्होंने दोहराया कि नियंत्रण रेखा के पार कोई भी स्थान पूरी तरह सुरक्षित नहीं माना जा सकता। पाकिस्तान और चीन के संबंधों को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि दोनों देशों के रिश्ते कितने गहरे हैं, यह किसी से छिपा नहीं है।

'नियंत्रण रेखा के पार कोई सुरक्षित ठिकाना नहीं'

अपने बयान में उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले भी स्पष्ट किया था और एयर मार्शल भारती ने भी इसे दोहराया था कि नियंत्रण रेखा के पार कोई भी सुरक्षित ठिकाना नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत हर उस स्थान पर कार्रवाई करेगा, जहां से आतंकवादी गतिविधियों को समर्थन मिलता है। उन्होंने कहा कि सेना गहराई तक जाकर कार्रवाई करने की क्षमता रखती है और यह बात अब नए सामान्य का हिस्सा बन चुकी है, जिसका उल्लेख प्रधानमंत्री ने पिछले वर्ष किया था।

सुवेंदु अधिकारी के पीए की हत्या पर अधीर रंजन चौधरी हुए आग बबूला

कोलकाता/ए.। पश्चिम बंगाल में भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की हत्या के बाद राज्य की राजनीति गर्म हो गई है। इस मामले को लेकर कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि बंगाल में हिंसा और गुंडागर्दी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं और चुनाव खत्म होने के बाद भी हालात नहीं बदले हैं। मुर्शिदाबाद में मीडिया से बातचीत के दौरान अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि बंगाल में अपराध कोई नई बात नहीं है।

आईफोन निर्माता कंपनी एपल का भारत में बड़ा 'ग्रीन निवेश'

नई दिल्ली/ए.। अमेरिकी टेक दिग्गज और आईफोन निर्माता कंपनी एपल ने भारत के स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में एक अहम रणनीतिक कदम उठाया है। अपने व्यापक स्थिरता और कार्बन तटस्थता लक्ष्यों को तेजी से पूरा करने के लिए, कंपनी ने भारत में नवीकरणीय ऊर्जा बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 100 करोड़ रुपये का निवेश करने की आधिकारिक घोषणा की है। यह निवेश भारत में पर्यावरण संरक्षण और ग्रीन सप्लाई चेन को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा प्रयास माना जा रहा है। एपल ने यह महत्वपूर्ण निवेश भारत की प्रमुख नवीकरणीय ऊर्जा डेवलपर कंपनियों में से एक 'क्लीनमैक्स' के साथ मिलकर करने का फैसला किया है। इस साझेदारी के तहत देशभर में

150 मेगावाट से अधिक की नई नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का निर्माण किया जाएगा। इस नई ऊर्जा क्षमता के प्रभाव का आकलन करते हुए एपल ने बताया कि यह उत्पादित ऊर्जा सालाना लगभग 1.5 लाख भारतीय घरों को बिजली देने के लिए पर्याप्त होगी। कंपनी का विजन यहीं तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाले वर्षों में इस क्षमता को और अधिक बढ़ाने की भी योजना है। 2030 कार्बन न्यूट्रल लक्ष्यः इस पहल का प्राथमिक उद्देश्य भारत में एपल के आपूर्ति श्रृंखला संचालन में नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाना है। इसके जरिए कंपनी साल 2030 तक अपने पूरे वैश्विक पदचिह्न को 100 फीसदी कार्बन न्यूट्रल बनाने के लक्ष्य की ओर मजबूती से आगे बढ़ रही है। पहले भी हुई थी साझेदारीः यह पहली बार नहीं है जब एपल ने ग्रीन एनर्जी के लिए कदम उठाया है। इससे पहले भी, अमेरिका स्थित इस कंपनी ने भारत में अपने कार्यालयों और रिटेल स्टोर्स को 100 प्रतिशत स्वच्छ ऊर्जा से संचालित करने के लिए 'रूफटॉप सोलर प्रोजेक्ट्स' पर क्लीनमैक्स के साथ साझेदारी की थी। इस निवेश पर प्रतिक्रिया देते हुए, एपल की पर्यावरण और आपूर्ति श्रृंखला नवाचार उपाध्यक्ष, सारा चांडलर ने कहा, एपल में पर्यावरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता न केवल हमारी जिम्मेदारी है।

पूर्व पंजाब किंग्स के खिलाड़ी अमनप्रीत सिंह गिल का निधन

मुंबई। भारतीय क्रिकेट के लिए बुधवार, 6 मई को एक दुखद खबर आई। पंजाब के पूर्व तेज गेंदबाज और किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाड़ी अमनप्रीत सिंह गिल का 36 साल की उम्र में निधन हो गया। इसके चलते भारतीय क्रिकेट जगत में शोक की लहर दौड़ गई। अमनप्रीत सिंह गिल ने पंजाब टीम के लिए घरेलू क्रिकेट खेला था और उन्हें एक जोशीले और समर्पित तेज गेंदबाज के तौर पर जाना जाता था।

NAGAR PANCHAYAT, AAMDI

E-Procurement Tender Notice (1st Call)

SYSTEM TENDER NO:190387 NIT NO: 175 AAMDI, dated 06.05.2026

Online bids in envelop system are invited for the following construction works / up to date 28.05.2026 at 17.30 Hours

Sl. No.	System Tender no	Description	Amount of Estimated (in lacs)	EM/Fees of Tender Document /Bid Submission Frees
1	190387	Revamping of Material Recovery Facility (MRF) including installation of Machinery and construction of Compost Plant in Municipal Areas of AAMDI, Chhattisgarh	Rs 29.28	EMD Rs. 14800/- Tender Doc.fees. Rs. 10000/-

Rs. 14800/- (Only TDR/FDR Favour of CHIEF MUNICIPAL OFFICER, NAGAR PANCHAYAT, AAMDI & Tender Document Fee (Non refundable) of Rs. 10000/- IN FORM DEMOND DRAFT (DD)

The details can be downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal http://eproc.cgstate.gov.in From 07.05.2026 at 17:30 Hours. (IST) onwards.

For more details on the tender and bidding process please visit the above mentioned portal.

CHIEF MUNICIPAL OFFICER
NAGAR PANCHAYAT
AAMDI (CG)

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

विद्युत कार्य हेतु ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना क्र.: 16 सीईई- एसईसीआर-सी-2026, दिनांक: 02.05.2026.

कार्य का नामः "एसईसी रेलवे के बिलासपुर डिवीजन में सीआईसी सेक्शन में 2x25 केवी एसी ट्रैक्शन सिस्टम के लिए स्वचालित फॉल्ट लोकेटर (एएफएल) की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग।" निविदा मूल्यः ₹ 7,49,11,375.00 (₹ सात करोड़ उनचालीस लाख ग्यारह हजार तीन सौ पचहत्तर) मात्र। बयाना राशिः ₹ 14,98,200/- (₹ चौदह लाख अट्ठानबे हजार दो सौ) मात्र।

निविदा बंद होने की तिथि व समयः 08.06.2026 को 15:30 बजे। निविदा खुलने की तिथि व समयः 08.06.2026 को 15:45 बजे। कार्य पूर्ण होने की अवधिः स्वीकृति का पत्र जारी होने की तारीख से 12 (बारह) माह।

वेबसाइट का विवरण तथा नोटिस बोर्ड का स्थानः उपर दिए गए कार्य के लिए विस्तृत जानकारी/ ई-निविदा दस्तावेज पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु ई-निविदा कागजात, जो हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है उससे डाउनलोड कर/देख सकते है।

उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण/
सीपीआर/10/84 मुख्या./बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION CO. LTD.
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking) CIN: U40108CT2003SGC015821

No. 15-08/T&SS/ABVTPS/W/T-02/26/72 Marwa, dtd 29-04-26

NOTICE INVITING TENDER NO TN: - 01/2026

Sealed Tender are invited from reputed firms for:

S. No	Tender Spec.No.	Particulars	Last date for sale of tender documents	Due date of Submission/ Opening of tender	Tender Fee.	EMD
01.	No. 15-08/T&SS/ ABVTPS/W/ T-02/26/	Hiring of vehicle for Addl. C.E. (T&SS) 2X500 MW, ABVTPS, CSPGCL, Marwa MODEL: (Maruti Swift, Ignis, Hyundai Grand I 10, Tata Tigor, Tata Bolt, and Equivalent) AVERAGE MONTHLY RUN- 1000 Kms	21.05.2026	21.05.2026	Rs. 590/-(500 +GST@18%) for tender document and Extra 118/- (100+GST@18%) towards postal charges, if required by post	Rs. 10396/-

Tender fee & EMD are to be submitted in the form of DD/BC drawn in favour of **Sr. Accounts Officer, 2X500 MW, ABVTPS, CSPGCL, Marwa, Champa** and should be payable at SBI Champa. For other details, please visit our website www.cspc.co.in/CSPGCL/TENDER or contact the undersigned during working hours.

Superintending Engineer (MIS-IT)

SAVE ELECTRICITY FOR THE BENEFIT OF SELF & NATION S-47743/1 ABVTPS, CSPGCL, Janjgir-Champa

संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें

छत्तीसगढ़

स्वास्थ्य भवन, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, अटल नगर, नवा रायपुर

क्र./ स्था. अवि. / /2026/269 नया रायपुर, अटल नगर दिनांक 06/05/2026

संक्षिप्त विज्ञापन

छत्तीसगढ़ शासन, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर के पत्र क्रमांक/एफ 1-82/2024/सत्रह / एक, दिनांक 14.08.2024 से वित्त विभाग के जावक क्रमांक 501/ वित्त विभा/ब-3/2024, दिनांक 07.08.2024 द्वारा संभाग स्तरीय ओ.टी. टेक्नीशियन (तृतीय श्रेणी) के कुल 15 पदों को सीधी भर्ती से भरे जाने हेतु अनुमति प्राप्त है। उक्त पदों को सीधी भर्ती के लिये छत्तीसगढ़ के स्थानीय निवासियों से ऑनलाईन आवेदन पत्र छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल, नवा रायपुर अटल नगर, के वेबसाईट vyapamcg.cgstate.gov.in पर आमंत्रित किये जायेंगे। परीक्षा संबंधित विस्तृत जानकारी छत्तीसगढ़ व्यापम की वेबसाईट vyapamcg.cgstate.gov.in पर उपलब्ध रहेगी।

क्र.	पदनाम	वेतनमान	श्रेणी	रिक्त पदों की संख्या
1	ओ.टी. टेक्नीशियन	लेवल-7 वेतन 5200-20200	तृतीय	15

टीप- 1. पदों से संबंधित नियम एवं शर्ते विस्तृत विज्ञापन व्यापम के वेबसाईट vyapamcg.cgstate.gov.in में पृथक से अपलोड की जावेगी।
2. उपरोक्त नियुक्तियों एवं चयन प्रक्रियाओं में आरक्षण छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ 13-1/2023/आ.प्र/1-3 नवा रायपुर दिनांक 03.05.2023 में जारी निर्देशानुसार माननीय उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली में दायर एस. एल. पी. (सी) क्रमांक 19668/2022 अंतिम आदेश/निर्णय के अध्यधीन होंगी।
3. परीक्षा के नियम एवं शर्ते पाठ्यक्रम तथा परीक्षा हेतु ऑनलाईन आवेदन की विधि, परीक्षा संचालन संबंधी निर्देश व्यापम के वेबसाईट vyapamcg.cgstate.gov.in पर पृथक से अपलोड की जावेगी।
4. पदों की संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

आयुक्त सह संचालक
स्वास्थ्य सेवायें
छत्तीसगढ़

जी- 262700563/3

सैकड़ों प्रवासी पक्षियों की शरणस्थली बना ऐतिहासिक जलाशय, प्रो. सुशील दत्ता बोले- अब नहीं चेते तो खो देंगे दलपत सागर की पहचान

जैव विविधता से संस्कृति तक, खास है दलपत सागर, संरक्षण की दरकार

65 वर्षों के अध्ययन कर रहे प्रो. सुशील दत्ता की अपील- दलपत सागर को बचाने सभी आगे आए

अनिल सामंत

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर की पहचान केवल उसके घने जंगल, जलप्रपात और आदिवासी संस्कृति तक सीमित नहीं है, बल्कि शहर के हृदय में स्थित ऐतिहासिक दलपत सागर भी इस धरती की जैविक आत्मा बन चुका है। वर्षों से हजारों पक्षियों, जलीय जीवों और शोधकर्ताओं का आश्रय बना यह जलाशय अब संरक्षण की गंभीर पुकार कर रहा है।

शासकीय काकतीय महाविद्यालय के प्राध्यापक प्रोफेसर सुशील दत्ता ने लगभग छह दशक तक दलपत सागर की जैव विविधता पर अध्ययन करते हुए यहां आने वाले अनेक दुर्लभ और प्रवासी पक्षियों का दस्तावेजी अवलोकन किया है। उनके अध्ययन में स्पॉट बिल्ड पेलिकन,पलाश गल,ब्राउन हेडेड गल,रेड क्रीस्टेड पोचार्ड, बार हेडेड गूज, स्नेक बर्ड, येलो बिटर्न, ब्लैक बिटर्न, पर्पल हैरान, ग्रे हैरान, यूरेशियन स्नाईप,ग्रेट पेंटेड स्नाईप, फिशेंट टेल्ड जकाना और ब्रोंज विंग्ड जकाना जैसे पक्षियों की उपस्थिति दर्ज की गई है।

प्रो. दत्ता का कहना है कि दलपत सागर केवल जलाशय नहीं, बल्कि प्रवासी पक्षियों के लिए ÷स्टॉप ओवर÷ स्थल है, जहां वे लंबी यात्राओं के दौरान विश्राम और भोजन प्राप्त करते हैं। यह जलाशय मत्स्याखेट, शोध और स्थानीय जैव विविधता का जीवंत प्रयोगशाला भी है। यहां विभिन्न प्रकार के कीट, मछलियां और जलीय जीव पनपते हैं, जिन पर स्थानीय और बाहरी शोधार्थी लगातार अध्ययन कर रहे हैं।

दलपत सागर क्यों है अनमोल?

प्रवासी और दुर्लभ पक्षियों की सुरक्षित शरणस्थली,बस्तर की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक पहचान,मत्स्याखेट और स्थानीय आजीविका का आधार, विद्यार्थियों और शोधार्थियों के अध्ययन का प्रमुख केंद्र, जैव विविधता से भरपूर प्राकृतिक जल तंत्र, शहर के पर्यावरणीय संतुलन का महत्वपूर्ण स्रोत, पक्षी विहार के रूप में विकसित होने की अपार संभावनाएं बनी हुई है। प्रोफेसर सुशील दत्ता ने कहा कि उन्होंने पिछले 65 वर्षों में दलपत सागर को बदलते देखा है। बचपन में इसी जलाशय के पानी का उपयोग नहाने और पीने तक के लिए होता था। पूरे तालाब में तैरते हुए उन्होंने प्रकृति का अद्भुत संसार महसूस किया, लेकिन आज बढ़ते प्रदूषण और अतिक्रमण ने इसकी स्वाभाविक सुंदरता को चुनौती दे दी है।

लेकिन अब दलपत सागर का अस्तित्व संकट की आहट महसूस कर रहा है। प्रो. दत्ता बताते हैं कि वर्षों से नाइट्रोजन और फास्फोरस युक्त अपशिष्ट जल सीधे तालाब में पहुंचता रहा, जिससे जलीय खरपतवार तेजी से बढ़े और तालाब धीरे-धीरे उथला होने लगा। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते गंदे पानी की आवक नहीं रोकी गई तो आने वाले वर्षों में यह ऐतिहासिक जलाशय अपनी प्राकृतिक पहचान खो सकता है।

उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि दलपत सागर केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे शहर की धरोहर है। इसके संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। साथ ही उन्होंने दलपत सागर को आधिकारिक पक्षी विहार घोषित करने की मांग भी उठाई, ताकि यहां की जैव विविधता को स्थायी सुरक्षा मिल सके। अंततः सवाल यही है–जब दुर्लभ पक्षी हजारों किलोमीटर उड़कर दलपत सागर को अपना घर मानते हैं, तो क्या जगदलपुर के नागरिक इस विरासत को बचाने आगे आएंगे?

स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारी के बीच सफाई व्यवस्था पर सवाल

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर में मई महीने के आखिरी सप्ताह में केंद्रीय दल स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए पहुंचने वाला है, लेकिन उससे पहले ही नगर निगम की सफाई व्यवस्था सवालों के घेरे में आ गई है। 5 मई की शाम हुई हल्की बारिश के बाद कई इलाकों में नालियों का कचरा सड़कों पर फैल गया, जिससे निगम की तैयारियों की पोल खुलती नजर आई।

स्वच्छता सर्वेक्षण को देखते हुए पिछले सप्ताह निगम आयुक्त विश्वदीप ने सभी सफाई ठेकेदारों और अधिकारियों की बैठक लेकर सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए थे। बैठक में उन्होंने लापरवाही मिलने पर सफाई ठेका निरस्त करने और संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने की चेतावनी भी दी थी। इसके बावजूद कई वार्डों में पर्याप्त संख्या में सफाई कर्मचारी काम पर नहीं पहुंचे।

6 मई को निगम की सफाई एवं स्वास्थ्य अधिकारी तृप्ति पाणीग्रही ने जोन-10 अंतर्गत रविंद्रनाथ टैगोर वार्ड का औचक निरीक्षण किया। यहां निर्धारित 38 कर्मचारियों के मुकाबले केवल 26 कर्मचारी सफाई कार्य करते मिले। 12 कर्मचारियों की अनुपस्थिति पर स्वच्छता निरीक्षक संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। इसके बाद संबंधित सफाई ठेकेदार पर 15 हजार रुपए जुर्माना लगाने और ठेका निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए गए। साथ ही स्वच्छता निरीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

इधर, जोन-5 क्षेत्र में नाले पर अवैध पाटा बनाकर सफाई व्यवस्था बाधित करने के मामले में भी कार्रवाई की गई। डीडीनगर वार्ड स्थित रिंग रोड के नाले पर एक कार सर्विसिंग सेंटर द्वारा करीब 50 मीटर लंबा पक्का पाटा बना दिया गया था। हल्की बारिश के दौरान इसी नाले का कचरा सड़क पर फैल गया।

बैगा जनजाति के 13 नाबालिग बच्चों को बंधुआ श्रम से कराया गया मुक्त

8 आरोपी गिरफ्तार, बच्चों से कराई जा रही थी मवेशी चराने और कठिन श्रम की मजदूरी

कवर्धा/नवप्रदेश। कबीरधाम पुलिस ने मानवता को झकझोर देने वाले एक गंभीर मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए बैगा जनजाति के 13 नाबालिग बच्चों को बंधुआ श्रम और बाल तस्करी से मुक्त कराया है। पुलिस ने मामले में 08 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। सभी आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह को सूचना मिली थी कि ग्राम थूहापानी एवं आसपास के क्षेत्रों से बैगा जनजाति के 15 से 20 नाबालिग बच्चों को उनके माता-पिता को पैसों का लालच देकर ले जाया गया है और उनसे जबरन मजदूरी कराई जा रही है। सूचना मिलते ही एसपी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए विशेष टीम गठित कर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। कबीरधाम पुलिस ने रेस्क्यू अभियान चलाकर ग्राम भलपहरी, खरहट्टा पाण्डातराई, सारंगपुर कला, कान्हाभैरा और दशरंगपुर क्षेत्रों में दबिश दी, जहां से कुल 13 नाबालिग बच्चों को सकुशल मुक्त कराया गया।

रेस्क्यू के बाद सभी बच्चों को थाना कोतवाली लाया गया। जिला बाल संरक्षण इकाई और चाइल्ड लाइन की टीम को सूचना देकर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई। बाल कल्याण समिति के आदेश पर बच्चों को सुरक्षित संरक्षण के लिए बालगृह भेजा गया है, जहां उनकी देखभाल और काउंसलिंग की जा रही है।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि करीब 6 से 7 माह पहले आरोपी रवि यादव एवं अन्य लोगों ने बच्चों के माता-पिता को पैसों का प्रलोभन देकर बच्चों को काम कराने के लिए अलग-अलग गांवों में ले जाया था। वहां बच्चों से गाय और मवेशी चराने, उनकी देखभाल करने सहित अन्य कठिन कार्य कराए जाते थे। बच्चों ने बताया कि उनसे प्रतिदिन सुबह 6 बजे से 9 बजे तक और दोपहर 12 बजे से शाम 7 बजे तक लगातार काम कराया जाता था।

गांजा तस्करी मामले में तीन दोषी, पांच-पांच साल की सजा

रायपुर/नवप्रदेश। अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी के मामले में गिरफ्तार तीन आरोपियों को कोर्ट ने दोषी ठहराते हुए पांच-पांच साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही प्रत्येक आरोपी पर 50-50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माने की राशि जमा नहीं करने पर एक-एक वर्ष अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतना होगा। मामला धरसींवा थाना क्षेत्र का है। इस प्रकरण की अंतिम सुनवाई 6 मई को विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट पंकज कुमार सिन्हा की अदालत में हुई। मामले में विशेष लोक अभियोजक केके चंद्राकर ने पक्ष रखते हुए अदालत को बताया कि पुलिस ने सूचना के आधार पर 11 सितंबर 2022 को शाम करीब 4:30 बजे सिलतरा सर्विस रोड से आरोपी राहुल उर्फ आशीष द्विवेदी, अमन शुक्ला और विनित द्विवेदी को गिरफ्तार किया था। जांच के दौरान तीनों आरोपियों के कब्जे से कुल 14 किलो 400 ग्राम गांजा बरामद किया गया।

चुनाव आयोग के भरोसे जीतने वालों में श्रेय लेने की हिम्मत नहीं: भूपेश

रायपुर/नवप्रदेश। भूपेश बघेल ने चुनावी जीत का श्रेय लेने को लेकर भाजपा नेताओं पर तीखा हमला बोला है। रायपुर में मीडिया से चर्चा के दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वह श्रेय की राजनीति नहीं करते, लेकिन भाजपा नेताओं में इतनी हिम्मत भी नहीं है कि वे असम, बंगाल या यहां तक कि छत्तीसगढ़ की जीत का श्रेय खुद ले सकें।

भूपेश बघेल ने कहा कि भाजपा के नेता ईवीएम और चुनाव आयोग के भरोसे चुनाव जीतकर आए हैं। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि यदि भाजपा नेताओं में साहस है तो वे खुलकर अपनी जीत का श्रेय लें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कभी व्यक्तिगत श्रेय की राजनीति नहीं की। छत्तीसगढ़ में भाजपा का ÷सूपड़ा साफ÷ होने के बाद भी उन्होंने इसका व्यक्तिगत श्रेय नहीं लिया।

पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने संगठनात्मक अनुभवों का जिक्र करते हुए कहा कि पार्टी ने उन्हें झारखंड भेजा, जहां अमित शाह के सामने कांग्रेस ने भाजपा सरकार को सत्ता से बाहर किया। इसके बाद हिमाचल प्रदेश में ऑब्जर्वर की जिम्मेदारी मिली, वहां भी भाजपा सत्ता से बाहर हुई। विदर्भ में जिम्मेदारी मिलने पर ठाकरे सरकार बनी, लेकिन उन्होंने कभी इन सफलताओं का श्रेय स्वयं नहीं लिया। भूपेश बघेल ने राज्य की कानून व्यवस्था को लेकर भी प्रदेश सरकार पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि 'सुशासन तिहार' के दौरान लगातार आपराधिक घटनाएं हो रही हैं। उनके मुताबिक मुख्यमंत्री के कबीरधाम दौरे के दिन एक महिला की हत्या हो गई, राजनांदगांव दौरे के दौरान पद्मश्री फूलबासन बाई के अपहरण की घटना सामने आई और राजधानी में दो हत्याएं हो गईं।

पत्थरों में उकेरी इतिहास की जीवंत गाथा: बारसूर का बत्तीसा मंदिर अद्भुत शिल्पकला का प्रतीक

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल में स्थित बारसूर का बत्तीसा मंदिर भारतीय स्थापत्य कला, आध्यात्मिक आस्था और प्राचीन इतिहास का एक अनुपम संगम है। दंतेवाड़ा जिले के बारसूर नगर में स्थित यह मंदिर न केवल एक धार्मिक स्थल है, बल्कि यह उस युग की उत्कृष्ट शिल्प परंपरा और वैज्ञानिक निर्माण तकनीक का जीवंत प्रमाण है। कभी नागवंशी शासकों की राजधानी रहा बारसूर आज भी 'मंदिरों की नगरी' के रूप में अपनी पहचान बनाए हुए है।

शिवलिंग एक विशेष यांत्रिक प्रणाली पर आधारित

मंदिर के गर्भगृह के बाहर सुसज्जित नंदी बैल की प्रतिमा श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित करती है। यहां यह भी विश्वास है कि नंदी के कान में अपनी मनोकामना कहने से वह पूर्ण होती है। गर्भगृह के भीतर स्थापित शिवलिंग अपनी विशिष्ट संरचना के कारण अत्यंत रोचक है। बताया जाता है कि यह शिवलिंग एक विशेष यांत्रिक प्रणाली पर आधारित है, जो जल प्रवाह के प्रभाव से बिना घर्षण और बिना ध्वनि के घूम सकता है। यह प्राचीन भारतीय विज्ञान और तकनीकी समझ का अद्भुत उदाहरण माना जाता है। बारसूर का यह मंदिर केवल स्थापत्य और आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि ऐतिहासिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिलालेखों से ज्ञात होता है कि मंदिर के रख-रखाव हेतु केरामरूका ग्राम दान में दिया गया था और इसके निर्माण में तत्कालीन मंत्री, सचिव और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। वर्तमान में यह शिलालेख नागपुर के संग्रहालय में सुरक्षित है। इस मंदिर से जुड़ी पौराणिक कथाएं भी इसे और अधिक रहस्यमयी बनाती हैं। मान्यता है कि बाणासुर ने इस क्षेत्र में अपनी राजधानी बसाई थी, जो आगे चलकर ऐतिहासिक बारसूर के रूप में विकसित हुई।

मंदिर का निर्माण बिना चूना-गारा से

मंदिर की सबसे उल्लेखनीय विशेषता यह है कि इसके निर्माण में पत्थरों को बिना चूना-गारा के जोड़ा गया है। प्रत्येक स्तंभ पर देवी-देवताओं, पौराणिक कथाओं और अलंकरणों की बारीक नक्काशी की गई है, जो उस समय के शिल्पकारों की अद्भुत दक्षता और सौंदर्यबोध को प्रकट करती है। मंदिर की संरचना चतुर्भुजाकार है और इसमें दो गर्भगृह बनाए गए हैं, जहां अलग- अलग शिवलिंग स्थापित हैं। मान्यता है कि इन शिवालयों में राजा और रानी अलग-अलग पूजा-अर्चना करते थे।

बत्तीसा मंदिर 32 विशाल पत्थर के स्तंभों पर टिकी हुई: बत्तीसा मंदिर का निर्माण 11 वीं शताब्दी में नागवंशीय शासक सोमेश्वर देव के काल में हुआ माना जाता है। शिलालेखों के अनुसार इसका निर्माण शक संवत 1130 (लगभग 1209 ईस्वी) में पूर्ण हुआ। इस मंदिर का नाम ÷बत्तीसा÷ इसलिए पड़ा क्योंकि इसकी संपूर्ण संरचना 32 विशाल पत्थर के स्तंभों पर टिकी हुई है। ये स्तंभ आठ पंक्तियों में अत्यंत संतुलित ढंग से स्थापित किए गए हैं, जो उस समय के वास्तु ज्ञान और इंजीनियरिंग कौशल को दर्शाते हैं।

विश्व की तीसरी सबसे बड़ी गणेश प्रतिमा विशेष आकर्षण का केंद्र

बारसूर में स्थित अन्य प्रसिद्ध मंदिर जैसे मामा-भांजा मंदिर और चंद्रादित्य मंदिर के साथ मिलकर बत्तीसा मंदिर बस्तर की समृद्ध विरासत को और अधिक सशक्त बनाता है। यहां विश्व की तीसरी सबसे बड़ी गणेश प्रतिमा विशेष आकर्षण का केन्द्र है, जो पर्यटकों और श्रद्धालुओं को अपनी ओर खींचती है।राज्य सरकार और पुरातत्व विभाग द्वारा इस धरोहर के संरक्षण हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। वर्ष 2003 में इसका पुनर्निर्माण और संरक्षण कार्य किया गया, जिससे इसकी मूल संरचना और सौंदर्य को सुरक्षित रखा जा सका। आज बत्तीसा मंदिर छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल है।

कांग्रेस संगठन में जिला-विधानसभा प्रभार को लेकर बढ़ा असंतोष

रायपुर/नवप्रदेश। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के रायपुर स्थित प्रदेश संगठन में जिला और विधानसभा प्रभार को लेकर अंदरूनी विवाद गहराता जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के उपाध्यक्षों और महामंत्रियों को अब तक जिलों का प्रभार नहीं सौंपा गया है, जबकि जिलों की जिम्मेदारी संयुक्त महामंत्रियों के पास है। दूसरी ओर, प्रदेश उपाध्यक्ष और महामंत्रियों को विधानसभा क्षेत्रों का प्रभारी बनाया गया है। संगठन के भीतर इसी व्यवस्था को विवाद की मुख्य वजह माना जा रहा है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, प्रदेश महामंत्री और उपाध्यक्ष प्रोटोकॉल के हिसाब से संयुक्त महामंत्रियों से वरिष्ठ पद पर होते हैं। इसके बावजूद कनिष्ठ पदाधिकारियों को जिलों की जिम्मेदारी दिए जाने से वरिष्ठ नेताओं में नाराजगी बढ़ी है। इसका असर संगठनात्मक गतिविधियों पर भी पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि पिछले डेढ़ साल से विधानसभा क्षेत्रों के प्रभारी बनाए गए कई वरिष्ठ पदाधिकारी अपने क्षेत्रों में नियमित दौरे और बैठकें नहीं कर रहे हैं। संगठन में कुछ वर्षों पहले की गई नियुक्तियों और जिम्मेदारियों के बंटवारे में हुई तकनीकी गलतियों को सुधारने की दिशा में भी अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रधान संपादक यशवंत धोटे द्वारा, मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर तृतीय तल, सुपर मार्केट कॉम्पलेक्स, राजा रघुराज सिंह स्टेडियम के सामने अग्रसेन चौक, बिलासपुर से प्रकाशित, RNI NO.CHHHIN/2015/62431, संपादक-चन्द्रशेखर* (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी), स्थानीय संपादक-विक्रम सिंह ठाकुर, समाचार संपादक-संदीप दीवान, फोन नंबर : 07752-468654, navpradeshbilaspur01@gmail.com